वार्षिक प्रतिवेदन
2022

श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय
जोबनेर-303329 (जयपुर) राजस्थान

माननीय कुलाधिपती एवं राज्यपाल, राजस्थान श्री कलराज मिश्र द्वारा प्रक्षेत्र फार्म एवं वर्चुअल क्लास रूम का अवलोकन

माननीय मुख्यमंत्री, राजस्थान श्री अशोक गहलोत द्वारा एग्री एक्सपो – 2022 का अवलोकन

प्रकाशन संख्या : SKNAU/2023/18

वार्षिक प्रतिवेदन
2022

श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय

जोबनेर–303329 (जयपुर) राजस्थान

श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय

जोबनेर– 303329 (जयपुर) राजस्थान

संरक्षक

प्रो. (डॉ.) बलराज सिंह

समन्वयक एवं सम्पादक

प्रो. सुरेन्द्र कुमार खण्डेलवाल

निदेशक, प्राथमिकता, निगरानी एवं मूल्यांकन

डॉ. गिरीश कुमार मित्तल

सहायक प्राध्यापक (जैवरसायन)

श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर

मुद्रक

रूपबसन्त प्रिन्टर्स, जोबनेर

मो. 9772621976

सहयोग

निदेशक अनुसंधान/ निदेशक प्रसाद शिक्षा/ निदेशक मानव संसाधन / निदेशक शिक्षा
कुलसचिव / वित्त नियंत्रक / परीक्षा नियंत्रक / भूसम्पति अधिकारी / केन्द्रीय पुस्तकालयाध्यक्ष
अधिष्ठाता श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर/ लालसोट / भरतपुर / फतेहपुर–शेखावाटी/नवगांव
कृषि व्यवसाय एवं प्रबन्धन महाविद्यालय / डेयरी विज्ञान एवं प्रौधोगिकी / कोटपुतली/
बसेड़ी / किशनगढ़बास /झिलाई / भुसावर / पीथमपुरी

श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय

जोबनेर-303329 (जयपुर) राजस्थान
फोन: 01425-254039, 254555 ई-मेल: vc@sknau.ac.in

प्रो. (डॉ.) बलराज सिंह
कुलपति

प्राक्कथन

श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर के वार्षिक प्रतिवेदन - 2022 को प्रस्तुत करते हुए मुझे अत्यन्त प्रसन्नता का अनुभव हो रहा है। इस विश्वविद्यालय की स्थापना 2013 में हुई, तभी से इस विश्वविद्यालय ने कृषि शिक्षा, अनुसंधान एवं तकनीकियों के हस्तानान्तरण क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। विश्वविद्यालय का चतुर्थ दीक्षान्त समारोह 21 जनवरी, 2022 को वर्चुअल मोड में सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। इस समारोह में स्नातक, स्नातकोत्तर एवं विद्या वाचस्पति की 891 उपाधियां प्रदान करने के साथ 08 प्रतिभावान छात्रों को स्वर्ण पदक प्रदान किये गये। विश्वविद्यालय में शिक्षा और अनुसंधान को उच्च स्तर पर ले जाने हेतु प्रतिवेदन वर्ष में प्रतिष्ठित शोध संस्थानों के साथ 13 अनुबंध किये गये हैं। विश्वविद्यालय ने इंडियन फाईटो पैथोलोजिकल सोसायटी, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वाधान में पौध व्याधि विज्ञान, पुनरावलोकन और संभावना विषय पर अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन 23 से 26 मार्च, 2022 को किया जिसका उद्घाटन माननीय कुलाधिपति एवं राज्यपाल, राजस्थान श्री कलराज मिश्र के कर कमलों द्वारा किया गया।

विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा इस आलोच्य वर्ष में प्रमुख फसलों की पांच उन्नत किस्में विकसित की गई हैं। जिनमें मूंगफली की राज मूंगफली - 4 (आर. जी. 638), तारामीरा की आर. टी. एम. - 1624 (कृष्णा तारा), ग्वार की करण ग्वार - 14, काबुली चने की करण काबुली चना - 4 (सी. एस. जे. के. - 174), सौंफ की आर. एफ. - 290 प्रमुख हैं। इस वर्ष के दौरान 43 उन्नत कृषि तकनीकियों को विकसित किया गया। वर्ष 2021-22 में तीन एवं 2022-23 में एक राष्ट्रीय कृषि विकास योजनाएं विश्वविद्यालय को स्वीकृत की गई हैं एवं निजी कम्पनियों की 40 परीक्षण परियोजनाएं कार्यरत हैं। इनके अलावा राष्ट्रीय स्तर के अनुसंधान संस्थानों से बहु-केन्द्रीय परीक्षण हेतु 14 परीक्षण परियोजनाएं कार्यरत हैं।

कृषि प्रसार निदेशालय द्वारा राज्य स्तरीय तीन दिवसीय एग्री एक्सपो-2022 का श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर परिसर में दिनांक 28-30 मार्च, 2022 को आयोजन श्री अशोक गहलोत, माननीय मुख्यमंत्री, राजस्थान के कर कमलों द्वारा किया गया। इस अवसर पर राजस्थान के माननीय कृषि, पशुपालन व सहकारिता मंत्री श्री लालचन्द कटारिया व अन्य माननीय विधायक गण अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कृषि प्रसार निदेशालय के माध्यम से इस वर्ष 190 संस्थागत एवं 201 गैर संस्थागत प्रशिक्षण आयोजित किये गये जिनसे 11928 कृषक, कृषक महिलायें तथा युवा लाभान्वित हुए। साथ ही 912 हेक्टेयर क्षेत्रफल में प्रथम पंक्ति प्रदर्शन लगाये गये, जिनसे 3567 कृषक लाभान्वित हुए। विश्वविद्यालय के प्रत्येक कृषि विज्ञान केन्द्रों ने अपना मोबाईल एप विकसित किया है, जो कृषि तकनीक के हस्तानान्तरण में उपयोगी सिद्ध हो रहा है। विश्वविद्यालय की विभिन्न इकाईयों पर इस वर्ष विभिन्न फसलों का 2872 क्विंण्टल प्रजनक बीज व 3222 क्विंटल सत्य चिन्हित बीज का उत्पादन हुआ है, जिससे क्षेत्र के कृषकों को गुणवत्ता युक्त बीज उपलब्ध हो पाया है।

मैं धन्यवाद ज्ञापित करना चाहुँगा कि विश्वविद्यालय के सभी निदेशकों, अधिष्ठाताओं, अधिकारियों, वैज्ञानिकों, कर्मचारियों एवं छात्रों ने विश्वविद्यालय को नई उचाँइयों पर ले जाने के लिय उल्लेखनीय सहयोग दिया है। मैं डॉ. सुरेन्द्र कुमार खण्डेलवाल, निदेशक (प्राथमिकता, निगरानी व मूल्यांकन) एवं उनकी टीम को इस वार्षिक प्रतिवेदन 2022 के लिये संकलन एवं सफल प्रकाशन हेतु बधाई प्रेषित करता हूँ।

बलराज सिंह

श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय

जोबनेर–303328 (जयपुर) राजस्थान

विवरणिका

क्र.सं.	अध्याय	पृष्ठ संख्या
1.	विश्वविद्यालय का संगठनात्मक ढांचा एवं परिचय	1–12
2.	विभिन्न संवर्गों के पदों का विवरण	13–19
3.	बजट मद	19–21
4.	प्रमुख सिविल कार्य एवं प्रगति	22–25
5.	कृषि शिक्षा	26–30
6.	छात्र कल्याण निदेशालय	30–32
7.	अनुसंधान निदेशालय	33–41
8.	प्रसार शिक्षा निदेशालय	42–47
9.	मानव संसाधन विकास निदेशालय	48
10.	प्राथमिकता, निगरानी एवं मूल्यांकन	49
11.	विश्वविद्यालय की महत्त्वपूर्ण गतिविधियां एवं उपलब्धियाँ	50–55
12.	प्रतिष्ठित आगंतुक	56–58
13.	सारांश	59

1. विश्वविद्यालय का संगठनात्मक ढांचा एवं परिचय

श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय की स्थापना 13 सितम्बर 2013 में राजस्थान सरकार के राज्य अधिनियम 20 तथा संशोधित अध्यादेश 23 के तहत हुई। विश्वविद्यालय का क्षेत्राधिकार तीन जलवायु खण्डों के लगभग 64 लाख हैक्टेयर में फैला हुआ है जो कि राज्य के कुल क्षेत्रफल का लगभग 1/6 भू-भाग है तथा आठ जिलों में यानि सीकर (खण्ड 2 अ), जयपुर, अजमेर, टोंक, दौसा (खण्ड 3 अ), अलवर, भरतपुर, धौलपुर (खण्ड 3 ब) में फैला हुआ है। विश्वविद्यालय के क्षेत्राधिकार के आठ जिलों में औसतन 500-700 मिमी वार्षिक वर्षा होती है। कृषि विश्वविद्यालय की स्थापना का मुख्य उद्देश्य कृषि एवं सम्बन्धित विज्ञान में शिक्षा, शोध एवं प्रसार कार्यक्रमों पर विशेष ध्यान केन्द्रित करना तथा कृषि, पशुपालन एवं उद्यानिकी की आधुनिक तकनीकों को अपनाकर ग्रामीण क्षेत्रों का आर्थिक उत्थान करना है।

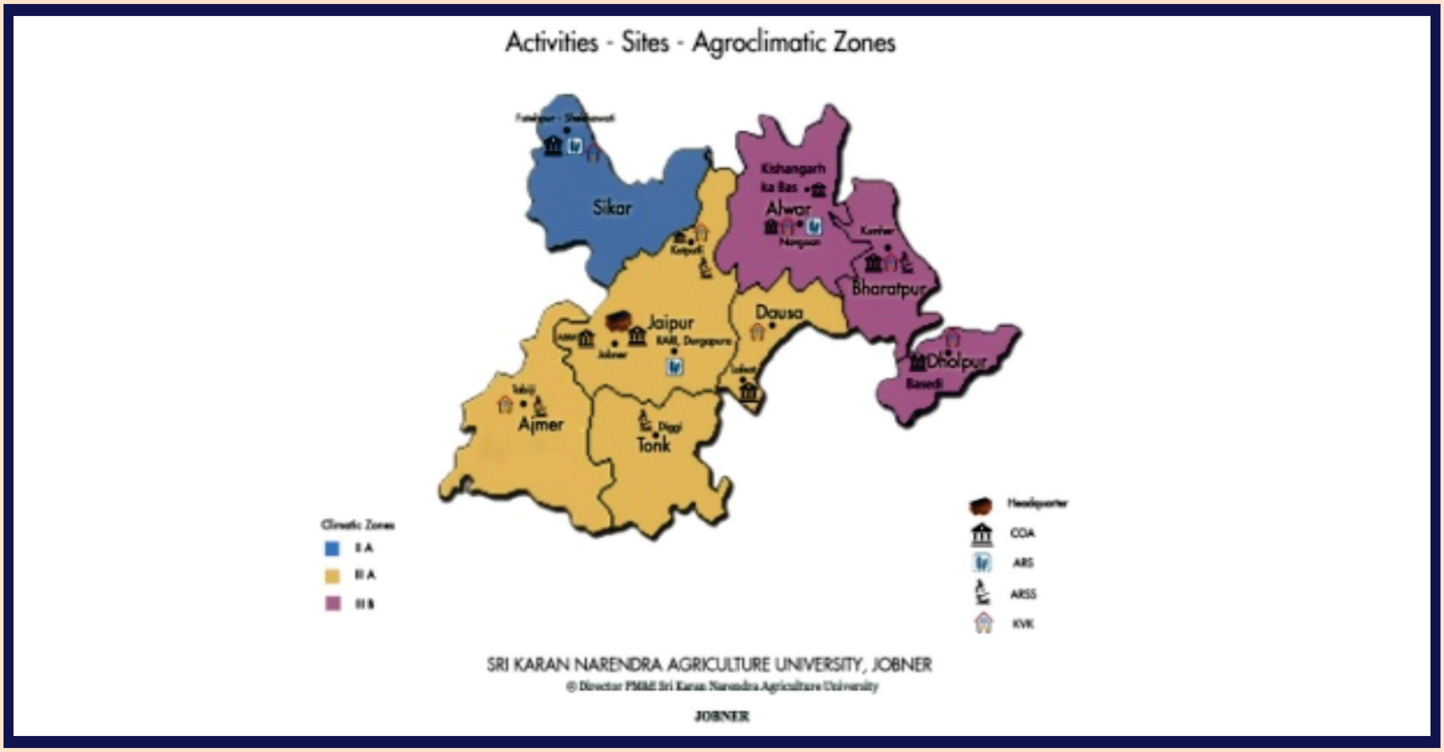

श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर के क्षेत्राधिकार के तीन जलवायु खण्डों में स्थापित विभिन्न इकाइयां

विश्वविद्यालय के मूलभूत उद्देश्य है :

1. कृषि एवं सहबद्ध विज्ञानों में शिक्षा, अनुसंधान एवं प्रसार शिक्षा का अभिवर्द्धन
2. विश्वविद्यालय के जलवायु खण्डों की महत्वपूर्ण खाद्यान्नों, दालों, मसालों एवं उद्यानिकी फसलों की उन्नत संकर किस्मों का निर्माण
3. उच्च उत्पादकों के लिये स्थानीय तकनीकियों, विशिष्ट विविध भू-उपयोग तंत्र को विकसित करना
4. किसानों और प्रसार पदाधिकारियों द्वारा विकसित प्रौधोगिकियों का हस्तानांतरण

विश्वविद्यालय प्रशासन

विश्वविद्यालय के मुखिया कुलाधिपति के रूप में राजस्थान राज्य के राज्यपाल महोदय होते हैं। विश्वविद्यालय की सर्वोच्च संवैधानिक निकाय प्रबन्ध मण्डल है जो कि कुलपति महोदय को विभिन्न मसलों पर अपनी सहमति प्रदान करती है। अन्य उच्च स्तर की विभिन्न संवैधानिक निकायों में शैक्षणिक परिषद, शोध परिषद तथा प्रसार शिक्षा परिषद है जो क्रमशः शिक्षा, शोध एवं प्रसार के उद्देश्यों से सम्बद्ध रखती हैं।

1. संगठनात्मक ढांचा

कुलाधिपति
↓
कुलपति

अधिष्ठाता
1. श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर
2. कृषि महाविद्यालय, लालसोट (दौसा)
3. कृषि महाविद्यालय, कुम्हेर (भरतपुर)
4. कृषि महाविद्यालय, फतेहपुर-शैखावाटी (सीकर)
5. कृषि महाविद्यालय, नवगांव (अलवर)
6. श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि व्यवसाय प्रबंधन महाविद्यालय, जोबनेर
7. कृषि महाविद्यालय, कोटपुतली (जयपुर)
8. कृषि महाविद्यालय, बसेड़ी (धौलपुर)
9. कृषि महाविद्यालय, किशनगढबास (अलवर)
10. कृषि महाविद्यालय, झिलाई (टोंक)
11. कृषि महाविद्यालय, भुसावर (भरतपुर)
12. कृषि महाविद्यालय, पीथमपुरी (सीकर)
13. डेयरी विज्ञान एवं प्रौधोगिकी महाविद्यालय, जोबनेर

निदेशक

अनुसंधान
1. कृषि अनुसंधान केन्द्र (राजस्थान कृषि अनुसंधान संस्थान) जयपुर
2. कृषि अनुसंधान केन्द्र फतेहपुर-शेखावाटी (सीकर)
3. कृषि अनुसंधान केन्द्र, नवंगाव (अलवर)

कृषि अनुसंधान उपकेन्द्र
1. डिग्गी (टोंक)
2. कोटपुतली (जयपुर)
3. तबीजी (अजमेर)
4. कुम्हेर (भरतपुर)

शिक्षा

मानव संसाधन विकास

छात्र कल्याण

प्राथमिकता, निगरानी व मूल्यांकन

प्रसार शिक्षा
1. कृषि विज्ञान केन्द्र, तबीजी (अजमेर)
2. कृषि विज्ञान केन्द्र, दौसा
3. कृषि विज्ञान केन्द्र, कोटपूतली (जयपुर)
4. कृषि विज्ञान केन्द्र, फतेहपुर (सीकर)
5. कृषि विज्ञान केन्द्र, नवंगाव (अलवर)
6. कृषि विज्ञान केन्द्र, कुम्हेर (भरतपुर)
7. कृषि विज्ञान केन्द्र, धौलपुर
8. कृषि विज्ञान केन्द्र, अरनिया (सीकर)

अधिकारी
1. कुल सचिव
2. वित नियंत्रक
3. भू-सम्पति अधिकारी

अन्य
1. परीक्षा नियंत्रक
2. पुस्तकालयाध्यक्ष

कृषि शिक्षा हेतु विश्वविद्यालय में तीन संकाय है, कृषि संकाय, कृषि व्यवसाय प्रबन्धन और डेयरी एवं प्रौधोगिकी। विश्वविद्यालय में वर्तमान में 13 महाविद्यालय है जिनमें से कृषि संकाय के अधीन कृषि शिक्षा के लिए 11 कृषि महाविद्यालय आते हैं जिसमें सबसे पुराना तथा मुख्य शिक्षण संस्थान श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर है तथा अन्य 10 महाविद्यालय लालसोट (दौसा, 2007 में स्थापित), फतेहपुर शेखावाटी (सीकर, 2013 में स्थापित) कुम्हेर (भरतपुर, 2013 में स्थापित), नंवगाव (अलवर, 2018 में स्थापित), गोनेड़ा-कोटपुतली (जयपुर, 2019 में स्थापित), बसेड़ी (धौलपुर, 2019 में स्थापित), किशनगढबास (अलवर, 2019 में स्थापित), भुसावर-वैर (भरतपुर, 2021 में स्थापित), झिलाई (टोंक, 2021 में स्थापित), पीथमपुरी (सीकर, 2021 में स्थापित) में स्थापित किये गये। कृषि व्यवसाय प्रबन्धन महाविद्यालय, जोबनेर वर्ष 2016 एवं डेयरी विज्ञान एवं प्रौधोगिकी महाविद्यालय, जोबनेर वर्ष 2021 में स्थापित किये गये। इन महाविद्यालयों में सत्र 2022-23 में कुल विद्यार्थियों की संख्या 2589 हैं। कृषि संकाय के अधीन कृषि शिक्षा की शैक्षणिक गतिविधियों को श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर समन्वित करता है। कृषि महाविद्यालय, जोबनेर में प्रतिवर्ष 127 विद्यार्थियों को प्रवेश दिया जाता हैं। कृषि संकाय के अन्य कृषि महाविद्यालयों मे प्रत्येक में 60 विद्यार्थियों को प्रवेश दिया जाता है। इसके अतिरिक्त दस राजकीय एवं दस निजी महाविद्यालय भी श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर से संबद्धता रखते है जहाँ वर्तमान सत्र मे कुल विद्यार्थियों की संख्या 3576 है। कृषि में स्नातकोत्तर एवं विद्यावाचस्पति पाठ्यक्रम श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर एवं राजस्थान कृषि अनुसंधान संस्थान-दुर्गापुरा (जयपुर) में संचालित किये जा रहे हैं।

अनुसंधान निदेशालय के अर्न्तगत तीन अनुसंधान केन्द्र हैं, - राजस्थान कृषि अनुसंधान संस्थान-दुर्गापुरा (जयपुर) इस कृषि विश्वविद्यालय का मुख्य अनुसंधान केन्द्र हैं जिसमें अनुसंधान के साथ-साथ पांच विभागों में विद्यावाचस्पति पाठ्यक्रम भी चल रहा है। कृषि अनुसंधान केन्द्र, फतेहपुर-शेखावाटी (सीकर) व नवगॉव (अलवर) में एवं चार कृषि अनुसंधान उप-केन्द्र, तबीजी (अजमेर), कुम्हेर (भरतपुर), गोनेड़ा (कोटपूतली) व डिग्गी (टोंक) में स्थित हैं। अनुसंधान निदेशालय के अर्न्तगत 18 दीर्घावधी अखिल भारतीय समन्वित /नेटवर्क अनुसंधान परियोजनाएं चल रही है, जिनको भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली की 75 प्रतिशत वित्तीय व शेष राज्य सरकार के सहयोग से संचालित किया जा रहा है। इनमें से 14 परियोजनाएं राजस्थान कृषि अनुसंधान संस्थान-दुर्गापुरा (जयपुर), 01 परियोजना कृषि अनुसंधान केन्द्र फतेहपुर शेखावटी एवं 03 परियोजनाएं श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्याल जोबनेर पर संचालित की जा रही है। इन परियोजनाओं के अन्तर्गत यहां के क्षेत्राधिकार के महत्व की 19 फसलों, सब्जियों तथा शुष्क क्षेत्र फलों पर अनुसंधान कार्य किया जा रहा है। अन्य विशेष परियोजनाएं पौध संरक्षण, कृषि वानिकी, बीज अनुसंधान, सूत्रकृमि, एकीकृत कृषि पद्धति आदि पर हैं। एक परियोजना ग्रामीण कृषि मौसम सेवा पर भी संचालित है जिसके माध्यम से लगभग 4 लाख कृषकों को उनके मोबाइल फोन पर मौसम संबंधी सूचना भेजी जाती है। विश्वविद्यालय की विभिन्न इकाइयों के तहत कुल 879.43 हैक्टेयर का कृषि फार्म है जिस पर अनुसंधान तथा गुणवत्ता युक्त बीजोत्पादन भी किया जाता है।

कृषि प्रसार शिक्षा निदेशालय के क्षेत्राधिकार में कुल आठ कृषि विज्ञान केन्द्र हैं जो जयपुर जिले के गोनेडा (कोटपूतली), दौसा जिले के खेडला खुर्द, अजमेर जिले के तबीजी, अलवर जिले के नवगांव, भरतपुर जिले के कुम्हेर, धौलपुर जिले के मसूदपुर एवं सीकर जिले के फतेहपुर शेखावाटी व अरनिया में स्थित है। कृषि प्रसार शिक्षा निदेशालय द्वारा किसानों के लिए जोबनेर-कृषि नाम से मासिक पत्रिका का प्रकाशन निरन्तर किया जा रहा है। कृषि विज्ञान केन्द्र किसानों के प्रशिक्षण, प्रसार कार्यकर्ताओं के तकनीकी ज्ञान की वृद्वि हेतु प्रशिक्षण, ग्रामीण महिला एवं पुरूषों के लिए व्यवसायिक प्रशिक्षणों, किसान मेलों आदि का आयोजन करते है।

विश्वविद्यालय में मानव संसाधन विकास एवं छात्र कल्याण निदेशालय भी है जो अध्यापकों एवं छात्रों के विकास हेतु कार्य करते है। निदेशालय प्राथमिकता, निगरानी एवं मूल्यांकन का कार्य विश्वविद्यालय की गतिविधियों का प्रकाशन करना है। प्रशासनिक कार्यों के लिए कुलसचिव एवं वित्तीय मामलों के लिए वित्त नियंत्रक कार्यालय विश्वविद्यालय के अभिन्न अंग है। विश्वविद्यालय का सिविल कार्य भू-सम्पत्ति अधिकारी द्वारा सम्पन्न किया जाता है ।

श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर की प्रबंध मंडल की बैठक

प्रतिवेदन अवधि में विश्वविद्यालय की प्रबन्ध मण्डल की चार बैठकें क्रमशः 11 जनवरी, 2022, 4 जून, 2022, 16 जुलाई, 2022 व 9 नवम्बर, 2022 को सम्पादित हुई।

श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर की प्रबंध मंडल के सदस्यों का विवरण

क्र.स.	सदस्य	सदस्य का नाम	पद
1.	कुलपति	प्रो. (डॉ.) बलराज सिंह	पदेन अध्यक्ष
2.	शासन सचिव, कृषि विभाग या मनोनीत उप सचिव	पदेन सदस्य का नाम प्रबन्ध मण्डल की बैठक से पूर्व प्राप्त होता है।	पदेन अध्यक्ष
3.	शासन सचिव, वित्त विभाग या मनोनीत सचिव	पदेन सदस्य का नाम प्रबन्ध मण्डल की बैठक से पूर्व प्राप्त होता है।	पदेन अध्यक्ष
4.	सचिव, उच्च शिक्षा विभाग या मनोनीत सचिव	पदेन सदस्य का नाम प्रबन्ध मण्डल की बैठक से पूर्व प्राप्त होता है।	पदेन अध्यक्ष
5.	शासन सचिव, पशुपालन विभाग या मनोनीत सचिव	पदेन सदस्य का नाम प्रबन्ध मण्डल की बैठक से पूर्व प्राप्त होता है।	पदेन अध्यक्ष
6.	राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष द्वारा मनोनीत किये जाने वाले राजस्थान विधानसभा का एक सदस्य	श्री आलोक बेनीवाल, सदस्य, विधानसभा	सदस्य
7.	कृषि के क्षेत्र से सरकार द्वारा मनोनीत किये जाने वाले दो प्रख्यात शिक्षाविद्	डॉ. पी. सी. जैन, डॉ. सीता राम चौधरी	सदस्य
8.	विश्वविद्यालय की अधिकारिता में से सरकार द्वारा मनोनीत किये जाने वाला एक प्रगतिशील किसान	डॉ. नन्दाराम कुड़ी	सदस्य
9.	सरकार द्वारा मनोनीत किये जाने वाला एक विशिष्ठता प्राप्त कृषि उद्योगपति	श्री पवन कुमार शर्मा	सदस्य
10.	सरकार द्वारा मनोनीत किये जाने वाली एक उत्कृष्ट महिला समाज सेविका, जिसकी पृष्ठ भूमि ग्रामीण विकास से संबधित हो	श्रीमती विमला जाजोरिया	सदस्य
11.	भारतीय कृषि अनुसंधान केन्द्र का एक प्रतिनिधि	डॉ. ओ. पी. यादव, निदेशक, काजरी, जोधपुर	सदस्य
12.	कुलपति द्वारा मनोनीत किये जाने वाला एक निदेशक	प्रो. सुरेन्द्र कुमार खण्डेलवाल	सदस्य
13.	कुलपति द्वारा मनोनीत किये जाने वाला एक संकाय अध्यक्ष	प्रो. राकेश समोरिया	सदस्य
14.	कुलपति द्वारा मनोनीत किये जाने वाला एक आचार्य	डॉ. बी.एल. ककरालियां	सदस्य
15.	कुल सचिव	श्री बी.एल. बंजारा, राजस्थान लेखा सेवा	सदस्य सचिव

प्रतिवेदन अवधि में सम्पन्न हुई प्रबंध मंडल की बैठकों का विवरण निम्न प्रकार है।

क्र.स.	बैठक	दिनांक	माध्यम
1.	20 वीं प्रबंध मंडल की बैठक	11.01.2022	ऑनलाईन
2.	21 वीं प्रबंध मंडल की बैठक (श्रीमान प्रमुख सचिव, राज्यपाल राजस्थान के पत्र क्रमांक F.47(2)/RB/2022/3534 dated 08.07.2022) द्वारा उक्त बैठक में लिये गये निर्णयों को निरस्त किया गया।	04.06.2022	हाईब्रिड माध्यम
3.	22 वीं प्रबंध मंडल की बैठक	16.07.2022	हाईब्रिड माध्यम
4.	23 वीं प्रबंध मंडल की बैठक	09.11.2022	हाईब्रिड माध्यम

प्रबंध मंडल की बैठकों में लिये गये महत्वपूर्ण निर्णय

1. विश्वविद्यालय में अध्ययनरत जरूरतमंद एवं इच्छुक छात्रों को छात्र कल्याण योजना के तहत पार्ट-टाईम कार्य प्रदान करने के निर्णय का अनुमोदन किया।
2. विश्वविद्यालय की सेवा से वर्ष 2018 तक सेवानिवृत कार्मिकों की ग्रेच्युटी का भुगतान वरिष्ठता के आधार पर विश्वविद्यालय द्वारा संधारित कोरपस फण्ड से किये जाने का अनुमोदन किया गया।
3. सी.एस.आई.आर.-सी.ई.ई.आर.आई., पिलानी के सहयोग से खेरवाडी फार्म, राजस्थान कृषि अनुसंधान संस्थान, दुर्गापुरा, जयपुर में कृषि इलेक्ट्रॉनिक्स के लिये उत्कृष्टता केन्द्र की स्थापना हेतु प्रस्ताव का सैद्धान्तिक रूप से स्वीकृति का माननीय सदन द्वारा अनुमोदन किया गया।
4. भविष्य निधि के विकल्प (CPF opted) वाले 07 कर्मचारियों को उनके UPF+EPF के अंतिम भुगतान राशि 1.25 करोड की कार्यवाही करने का माननीय सदन द्वारा अनुमोदन किया गया।
5. श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय के आवासीय आवास का आवंटन हेतु समिति द्वारा नियमों के प्रारूप का माननीय सदन द्वारा अनुमोदन किया गया।
6. श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर में सिविल निर्माण कार्यों के लिये प्रदत्त शक्तियों का प्रस्ताव का माननीय सदन द्वारा अनुमोदन किया गया।
7. विश्वविद्यालय के चतुर्थ दीक्षान्त समारोह दिनांक 21.01.2022 में वितरित किये जाने वाले डिग्री, पदक एवं अवार्ड का अकादमिक परिषद की दिनांक 10.01.2022 को आयोजित 20 वीं बैठक के एजेण्डा संख्या SKNAU/AC-20/2022-1/4(1) के विवरणानुसार डिग्री, पदक एवं अवार्ड का अनुमोदन माननीय सदन द्वारा किया गया।
8. डॉ. त्रिलोचन महापात्र, महानिदेशक, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद एवं सचिव, कृषि शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणीय योगदान एवं अथक प्रयास तथा दूरदृष्टि से कृषि शोध कार्यों में महत्वपूर्ण कार्य के लिये, विश्वविद्यालय द्वारा प्रस्तावित माननीय राज्यपाल एवं कुलाधिपति महोदय द्वारा Doctor of Science (Honoris causa) की उपाधि से सम्मानित करने के प्रस्ताव का माननीय सदन द्वारा सर्वसम्मति से अनुमोदन किया गया।
9. श्रीमान प्रमुख सचिव, राज्यपाल राजस्थान ने पत्र क्रमांक एफ 47 (2)आरबी/2022/3534 दिनांक 08.07.2022 द्वारा माननीय राज्यपाल एवं कुलाधिपति महोदय के निर्देशानुसार श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर के अधिनियम 2013 (यथासंशोधित) की धारा 25(1) के अन्तर्गत नियमित कुलपति के लिए प्रबन्ध मण्डल द्वारा एक सदस्य का मनोनयन करने हेतु प्रस्ताव का माननीय सदन द्वारा अनुमोदन किया गया।
10. वित्तीय वर्ष 2019-20 व 2020-21 का तुलन पत्र (Balance Sheet) का माननीय सदन द्वारा सर्वसम्मति से अनुमोदन किया गया।
11. विश्वविद्यालय के Act and Statutes के विषय सूची (Content) के अध्याय -02 में संशोधन बाबत प्रस्ताव का माननीय सदन द्वारा सर्वसम्मति से अनुमोदन किया गया।
12. वित्त समिति की आयोजित 7वीं बैठक दिनांक 03.06.2022 के कार्यवाही विवरण एवं आदेश क्रमांक 2874-78 दिनांक 06.10.2022 का माननीय सदन द्वारा सर्वसम्मति से अनुमोदन किया गया।
13. वर्ष 2021-22 में विश्वविद्यालय के अशैक्षणिक संवर्ग की विभागीय पदोन्नति आदेशों का माननीय सदन द्वारा सर्वसम्मति से अनुमोदन किया गया।
14. वित्त विभाग, राजस्थान सरकार द्वारा समय-समय पर जारी राजस्थान सिविल सेवा पेंशन नियम 1996 के समय समय पर संशोधन को श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर से सेवानिवृत होने वाले कार्मिकों के पेंशन परिलाभ हेतु अंगीकृत करने के प्रस्ताव का अनुमोदन किया गया एवं विश्व - विद्यालय द्वारा राज्य सरकार को इस विश्वविद्यालय में दिनांक 01.01.2004 के पश्चात नियुक्त कार्मिकों को पुरानी पेंशन योजना स्वीकृत करने का प्रस्ताव राज्य सरकार को प्रेषित कराने के निर्देश दिये।

शैक्षणिक परिषद्

विश्वविद्यालय में शैक्षणिक कार्यों की समीक्षा करने और उनकी गुणवत्ता में समयानुसार परिवर्तन अथवा सुधार करने हेतु निम्न सदस्यों की एक शैक्षणिक परिषद् है-

क्र.स.	नाम	पद
1.	कुलपति, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर	पदेन अध्यक्ष
2.	विश्वविद्यालय के समस्त निदेशक-	
	• निदेशक अनुसंधान, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर	पदेन सदस्य
	• निदेशक प्रसार शिक्षा, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर	पदेन सदस्य
	• निदेशक, प्राथमिकता, निगरानी एवं मूल्यांकन, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर	पदेन सदस्य

	• निदेशक, छात्र कल्याण, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर	पदेन सदस्य
	• निदेशक, मानव संसाधन व विकास, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर	पदेन सदस्य
3.	संकायों के अध्यक्ष-	
	• अधिष्ठाता, एवं संकाय अध्यक्ष, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर	पदेन सदस्य
4.	विश्वविद्यालय के समस्त घटक महाविद्यालयों के अधिष्ठाता	
	• अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, लालसोट (दौसा)	पदेन सदस्य
	• अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, कुम्हेर (भरतपुर)	पदेन सदस्य
	• अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, फतेहपुर-शेखावाटी (सीकर)	पदेन सदस्य
	• अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, नवगांव (अलवर)	पदेन सदस्य
	• अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, गोनेडा, कोटपूतली (जयपुर)	पदेन सदस्य
	• अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, बसेडी (धौलपुर)	पदेन सदस्य
	• अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, किशनगढवास (अलवर)	पदेन सदस्य
	• अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, भुसावर (भरतपुर)	पदेन सदस्य
	• अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, झिलाई (टोंक)	पदेन सदस्य
	• अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, पीथमपुरी (सीकर)	पदेन सदस्य
	• अधिष्ठाता, कृषि व्यवसाय प्रबन्धन महाविद्यालय, जोबनेर	पदेन सदस्य
	• अधिष्ठाता, डेयरी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, जोबनेर	पदेन सदस्य
5.	परीक्षा नियंत्रक	पदेन सदस्य
6.	समस्त विभागों के विश्वविद्यालय विभाग प्रमुख, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर	
	• सस्य विज्ञान विभाग	सदस्य
	• मृदा विज्ञान एवं कृषि रसायन विभाग	सदस्य
	• कीट विज्ञान विभाग	सदस्य
	• पौधव्याधि विभाग	सदस्य
	• प्रसार शिक्षा विभाग	सदस्य
	• उद्यान विभाग	सदस्य
	• पादप प्रजनन विभाग	सदस्य
	• पादप कार्यिकी विभाग	सदस्य
	• पशुधन संवर्धन विभाग	सदस्य
	• कृषि अर्थशास्त्र विभाग	सदस्य
	• कृषि सांख्यिकी विभाग	सदस्य
	• सूत्रकृमि विभाग	सदस्य
	• जैव रसायन विभाग	सदस्य
	• कृषि अभियांत्रिकी विभाग	सदस्य
7.	डॉ. आई. एस. सोलंकी, पूर्व एडीजी (एफएफसी), भाकृअसं,नई दिल्ली	बाहरी सदस्य
8.	माननीय कुलपति द्वारा चुने गये सह-सदस्य	
	• डॉ. प्रभात कुमार, समन्वयक, राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना, भाकृअसं. नई दिल्ली	सहयोजित सदस्य

	• डॉ. बी. आर. रणवा, प्रोफेसर (सेवानिवृत) महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रोधौगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर	सहयोजित सदस्य
	• डॉ. आर. एस. सैनी अधिष्ठाता (सेवानिवृत) कृषि महाविद्यालय, लालसोट	सहयोजित सदस्य
9.	कुल सचिव, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर	पदेन सदस्य
10.	आमंत्रित सदस्य-	
	• डॉ. ए. एस. बलोदा, निदेशक रा.कृ.अ.स., दुर्गापुरा (जयपुर)	आमंत्रित सदस्य
	• डॉ. सुदेश कुमार, प्रोफेसर, एग्रोनोमी, रा.कृ.अ.स., दुर्गापुरा (जयपुर)	आमंत्रित सदस्य
	• श्री बी. एल. बंजारा, वित्त नियंत्रक, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर	आमंत्रित सदस्य
11.	निदेशक, शिक्षा, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर	सदस्य सचिव

वर्ष 2022 में परिषद् की तीन बैठकें सम्पन्न हुई जिनका विवरण निम्न प्रकार है-

क्र.स.	बैठक	दिनांक	माध्यम
1.	शैक्षणिक परिषद् बैठक-20	10.01.2022	ऑन लाइन एवं आंशिक ऑफ लाइन
2.	शैक्षणिक परिषद् बैठक-21	26.05.2022	ऑन लाइन एवं आंशिक ऑफ लाइन
3.	शैक्षणिक परिषद् बैठक-22	03.11.2022	ऑन लाइन एवं आंशिक ऑफ लाइन

1. **स्नातकोत्तर एवं विद्यावाचस्पति पाठ्यक्रमों मे बी.एस.एम.ए. की सिफारिशें लागू करना** - श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर की तीसरी BOS कमेटी द्वारा प्रस्तावित ठैड। कमेटी की सिफारिशों के अनुसार स्नातकोत्तर व विद्यावाचस्पति प्रोग्राम हेतु इनके विभिन्न पाठ्यक्रमों, संरचना तथा पाठ्यक्रम को अकादमिक सत्र 2022-23 से लागू करने का निर्णय लिया गया।
2. **आई. सी. ए. आर. सीटों में बढोतरी** - विश्वविद्यालय में स्नातक तथा स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में आई. सी. ए. आर. के माध्यम से प्रवेश पाने वाले छात्रों को कोटा अकादमिक वर्ष 2022-23 से क्रमशः 15% से बढाकर 20% तथा 25% से बढाकर 30% करने का निर्णय लिया गया।
3. **आठ सरकारी व 1 प्राइवेट कृषि महाविद्यालय को संबद्धता** - अकादमिक सत्र 2022-23 में राज्य सरकार की बजट घोषणानुसार प्रस्तावित प्रदेश के आठ सरकारी कृषि महाविद्यालयों को संबद्धता प्रदान की गई। साथ ही राज्य सरकार के निर्देशानुसार एक प्राइवेट कृषि महाविद्यालय को भी इसी वर्ष से संबद्धता प्रदान की गई है।
4. **राजस्थान कृषि अनुसंधान संस्थान, दुर्गापुरा को स्वतंत्र अकादमिक संस्था की मान्यता** - दुर्गापुरा स्थित राज. कृषि अनुसंधान संस्थान को एक स्वतंत्र अकादमिक संस्था के रूप में मान्यता प्रदान की गई। यहां वर्ष 2023-24 से शस्य विज्ञान, पादप आनुवंशिकी, उद्यान विज्ञान, पादप कीट विज्ञान एवं पादप व्याधि विज्ञान विषयों में स्नातकोत्तर व विद्यावाचस्पति के पाठ्यक्रम चलाये जायेंगे।
5. **कृषि के नये विषयों में स्नातकोत्तर विभागों की स्थापना**- कृषि क्षेत्र में नवीनतम विषयों जैसे जैव प्रौधोगिकी, माइक्रोवायलोजी, बीज विज्ञान और प्रौधोगिकी, कृषि मौसम विज्ञान में स्नातकोत्तर विभाग खोलने की अनुसंशा की गई।
6. **जरूरतमंद एवं इच्छुक छात्रों को अल्पावधि रोजगार उपलब्ध कराना** - विश्वविद्यालय में अध्ययनरत जरूरतमंद छात्रों को अल्पावधि रोजगार उपलब्ध कराने हेतु स्वास शुरू की गई है।इससे छात्रों को वित्तीय सहायता के साथ साथ कृषि से जुडी प्रायोगिक जानकारी भी मिलेगी।

विश्वविद्यालय में शोध संबंधी कार्यों हेतु एक शोध परिषद कार्यरत है जिसका विवरण निम्न प्रकार है।

शोध परिषद्

श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर की शोध परिषद् के सदस्यों का विवरण

क्र.स.	नाम	पद
1.	कुलपति	पदेन सदस्य
2.	निदेशक कृषि, राजस्थान सरकार	पदेन सदस्य
3.	निदेशक उद्यान, राजस्थान सरकार	पदेन सदस्य
4.	निदेशक मत्स्य, राजस्थान सरकार	पदेन सदस्य
5.	मुख्य वनरक्षक, राजस्थान सरकार	पदेन सदस्य

6.	समस्त निदेशक, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर	
	• निदेशक, प्रसार शिक्षा	पदेन सदस्य
	• निदेशक, प्राथमिकता, निगरानी एवं मूल्यांकन	पदेन सदस्य
	• निदेशक, शिक्षा	पदेन सदस्य
	• निदेशक, छात्र कल्याण	पदेन सदस्य
	• निदेशक, मानव संसाधन विकास	पदेन सदस्य
	• निदेशक, राजस्थान कृषि अनुसंधान संस्थान, दुर्गापुरा, जयपुर	पदेन सदस्य
7.	समस्त घटक महाविद्यालयों के अधिष्ठाता	
	• अधिष्ठाता एवं संकाय अध्यक्ष, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर	पदेन सदस्य
	• अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, लालसोट (दौसा)	पदेन सदस्य
	• अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, कुम्हेर (भरतपुर)	पदेन सदस्य
	• अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, फतेहपुर-शेखावाटी (सीकर)	पदेन सदस्य
	• अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, नवगांव (अलवर)	पदेन सदस्य
	• अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, गोनेडा, कोटपूतली (जयपुर)	पदेन सदस्य
	• अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, बसेड़ी (धौलपुर)	पदेन सदस्य
	• अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, किशनगढवास (अलवर)	पदेन सदस्य
	• अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, भुसावर (भरतपुर)	पदेन सदस्य
	• अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, झिलाई (टोंक)	पदेन सदस्य
	• अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, पीथमपुरी (सीकर)	पदेन सदस्य
	• अधिष्ठाता, कृषि व्यवसाय प्रबन्धन महाविद्यालय, जोबनेर	पदेन सदस्य
	• अधिष्ठाता, डेयरी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, जोबनेर	पदेन सदस्य
8.	समस्त क्षेत्रीय निदेशक अनुसंधान	
	• क्षेत्रीय निदेशक अनुसंधान, कृषि अनुसंधान केन्द्र, नवगांव, अलवर	सदस्य
	• क्षेत्रीय निदेशक अनुसंधान, कृषि अनुसंधान केन्द्र, फतेहपुर-शेखावाटी (सीकर)	सदस्य
9.	समस्त कार्यक्रम समन्वयक, कृषि विज्ञान केन्द्र	
	• कार्यक्रम समन्वयक, कृषि विज्ञान केन्द्र, तबीजी, अजमेर	सदस्य
	• कार्यक्रम समन्वयक, कृषि विज्ञान केन्द्र, दौसा	सदस्य
	• कार्यक्रम समन्वयक, कृषि विज्ञान केन्द्र, गोनेड़ा, कोटपूतली (जयपुर)	सदस्य
	• कार्यक्रम समन्वयक, कृषि विज्ञान केन्द्र, कुम्हेर (भरतपुर)	सदस्य
	• कार्यक्रम समन्वयक, कृषि विज्ञान केन्द्र, फतेहपुर-शेखावाटी (सीकर)	सदस्य
	• कार्यक्रम समन्वयक, कृषि विज्ञान केन्द्र (धौलपुर)	सदस्य
	• कार्यक्रम समन्वयक, कृषि विज्ञान केन्द्र, नवगांव (अलवर)	सदस्य
	• कार्यक्रम समन्वयक, कृषि विज्ञान केन्द्र, अरनिया (सीकर)	सदस्य
10.	समस्त विश्वविद्यालय विभागाध्यक्ष, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर	
	• शस्य विज्ञान विभाग	सदस्य
	• मृदा विज्ञान एवं कृषि रसायन विभाग	सदस्य
	• कीट विज्ञान विभाग	सदस्य
	• पौध व्याधि विभाग	सदस्य

	• प्रसार शिक्षा विभाग	सदस्य
	• उद्यान विभाग	सदस्य
	• पादप प्रजनन विभाग	सदस्य
	• पादप कार्यिकी विभाग	सदस्य
	• जैव रसायन विभाग	सदस्य
	• पशुधन संवर्धन विभाग	सदस्य
	• कृषि अर्थशास्त्र विभाग	सदस्य
	• कृषि सांख्यिकी विभाग	सदस्य
	• कृषि अभियांत्रिकी विभाग	सदस्य
	• सूत्र कृमि विभाग	सदस्य
11.	दो विख्यात वैज्ञानिक	
	• डॉ. एस. आर. मालू, पूर्व अधिष्ठाता, महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौधोगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर	सदस्य
	• डॉ. आर. के पन्नू, पूर्व अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, हिसार	सदस्य
12.	निदेशक अनुसंधान, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर	सचिव सदस्य

प्रसार शिक्षा परिषद्

प्रसार संबंधी कार्यों हेतु प्रसार शिक्षा परिषद् है जिसके सदस्यों का विवरण निम्नानुसार है।

क्र.स.	नाम	पद
1.	कुलपति	पदेन अध्यक्ष
2.	सचिव कृषि विभाग, राजस्थान सरकार (सहायक मुख्य सचिव/प्रमुख सचिव, कृषि विभाग)	सदस्य
3.	निदेशक, कृषि/निदेशक, उद्यान/निदेशक, मत्स्य/मुख्य वनसंक्षक, राजस्थान सरकार	सदस्य
4.	सभी निदेशक, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर	
	• निदेशक, अनुसंधान	सदस्य
	• निदेशक, प्राथमिकता, निगरानी एवं मूल्यांकन	सदस्य
	• निदेशक, शिक्षा	सदस्य
	• निदेशक, छात्र कल्याण	सदस्य
	• निदेशक, मानव संसाधन विकास	सदस्य
	• निदेशक, राजस्थान कृषि अनुसंधान संस्थान, दुर्गापुरा	सदस्य
5.	समस्त घटक महाविद्यालयों के अधिष्ठाता	
	• अधिष्ठाता एवं संकाय अध्यक्ष, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महविद्यालय, जोबनेर	सदस्य
	• अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, लालसोट (दौसा)	सदस्य
	• अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, कुम्हेर (भरतपुर)	सदस्य
	• अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, फतेहपुर-शेखावाटी (सीकर)	सदस्य
	• अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, नवगांव (अलवर)	सदस्य
	• अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, गोनेडा, कोटपूतली, (जयपुर)	सदस्य
	• अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, बसेडी (धौलपुर)	सदस्य
	• अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, किशनगढबास (अलवर)	सदस्य

	• अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, भुसावर (भरतपुर)	सदस्य
	• अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, झिलाई (टोंक)	सदस्य
	• अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, पीथमपुरी (सीकर)	सदस्य
	• अधिष्ठाता, कृषि व्यवसाय प्रबन्धन महाविद्यालय, जोबनेर	सदस्य
	• अधिष्ठाता, डेयरी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, जोबनेर	सदस्य
6.	क्षेत्रीय निदेशक अनुसंधान,	
	• क्षेत्रीय निदेशक अनुसंधान, कृषि अनुसंधान केन्द्र, नवगांव, अलवर	सदस्य
	• क्षेत्रीय निदेशक अनुसंधान, कृषि अनुसंधान केन्द्र, फतेहपुर-शेखावाटी (सीकर)	सदस्य
7.	कार्यक्रम समन्वयक कृषि विज्ञान केन्द्र	
	• कार्यक्रम समन्वयक, कृषि विज्ञान केन्द्र, तबीजी (अजमेर)	सदस्य
	• कार्यक्रम समन्वयक, कृषि विज्ञान केन्द्र, दोसा	सदस्य
	• कार्यक्रम समन्वयक, कृषि विज्ञान केन्द्र, गोनेड़ा, कोटपूतली (जयपुर)	सदस्य
	• कार्यक्रम समन्वयक, कृषि विज्ञान केन्द्र, कुम्हेर (भरतपुर)	सदस्य
	• कार्यक्रम समन्वयक, कृषि विज्ञान केन्द्र, फतेहपुर-शेखावाटी (सीकर)	सदस्य
	• कार्यक्रम समन्वयक, कृषि विज्ञान केन्द्र (धौलपुर)	सदस्य
	• कार्यक्रम समन्वयक, कृषि विज्ञान केन्द्र, नवगांव (अलवर)	सदस्य
	• कार्यक्रम समन्वयक, कृषि विज्ञान केन्द्र, अरनिया (सीकर)	सदस्य
8.	विश्वविद्यालय विभागाध्यक्ष, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर	
	• सस्य विज्ञान विभाग	सदस्य
	• मृदा विज्ञान एवं कृषि रसायन विभाग	सदस्य
	• कीट विज्ञान विभाग	सदस्य
	• पौधव्याधि विभाग	सदस्य
	• प्रसार शिक्षा विभाग	सदस्य
	• उद्यान विभाग	सदस्य
	• पादप प्रजनन विभाग	सदस्य
	• पादप कार्यिकी विभाग	सदस्य
	• जैव रसायन विभाग	सदस्य
	• पशुधन संवर्धन विभाग	सदस्य
	• कृषि अर्थशास्त्र विभाग	सदस्य
	• कृषि सांख्यिकी विभाग	सदस्य
	• कृषि अभियांत्रिकी विभाग	सदस्य
	• सूत्र कृमि विभाग	सदस्य
9.	प्रसार शिक्षा के क्षेत्र में ख्याति प्राप्त मुख्य वैज्ञानिक	
	• डॉ. ए.के. मेहता, भूतपूर्व सहायक महानिदेशक, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली	सदस्य
	• डॉ. जे.पी. शर्मा, संयुक्त निदेशक प्रसार, भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली	सदस्य
	• श्री वीरेन्द्र परिहार, कार्यक्रम अधिकारी, दूरदर्शन केन्द्र, जयपुर	विशेष आमंत्रित सदस्य

10.	प्रगतिशील कृषक	
	• श्री सुरेन्द्र अवाना, भैराना, जयपुर	सदस्य
	• श्री राम नारायण चौधरी, बसेडी, जयपुर	सदस्य
	• श्रीमती संतोष पचार, झिंगर छोटी, सीकर	सदस्य
11.	संस्थाओं के प्रतिनिधि	
	• निदेशक, ग्रामीण विकास विभाग, राजस्थान सरकार	सदस्य
	• रजिस्ट्रार, सहकारिता विभाग, राजस्थान सरकार	सदस्य
	• अधीक्षण अभियंता, सिचाई विभाग, राजस्थान सरकार	सदस्य
	• राज्य विपणन प्रबंधक, ईफको, राजस्थान	सदस्य
	• महाप्रबंधक, राजस्थान राज्य बीज निगम, जयपुर	सदस्य
12.	निदेशक, प्रसार शिक्षा, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर	सदस्य सचिव

विश्वविद्यालय में कार्यरत अधिकारी

विश्वविद्यालय में वर्तमान में निम्न अधिकारी विभिन्न पदों पर कार्यरत हैं।

क्र.सं.	नाम	पद
1.	प्रो. (डॉ.) बलराज सिंह	कुलपति
2.	श्री बी. एल. बंजारा	कुल सचिव
3.	श्री बी. एल. बंजारा	वित्त नियंत्रक
4.	डॉ. एम. एल. जाखड	निदेशक, अनुसंधान
5.	डॉ. बी. एल. जाट	निदेशक, प्रसार शिक्षा
6.	डॉ. एस. के. खण्डेलवाल	निदेशक, प्राथमिकता, निगरानी एंव मूल्यांकन
7.	डॉ. एन. के. गुप्ता	निदेशक, शिक्षा
8.	डॉ. बी. एल. ककरालियां	निदेशक, मानव संसाधन विकास
9.	डॉ. आई.एम. खान	निदेशक, छात्र कल्याण
10.	डॉ. आर. एन. शर्मा	परीक्षा नियंत्रक
11.	डॉ. ए.के. गुप्ता	संकाय अध्यक्ष एंव अधिष्ठाता, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर
12.	डॉ. महेश दत्त	अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, लालसोट (दौसा)
13.	डॉ. उदयभान सिंह	अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, कुम्हेर (भरतपुर)
14.	डॉ. एस.आर. ढाका	अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, फतेहपुर-शेखावाटी (सीकर)
15.	डॉ. ए.एस. बलोदा	निदेशक, राजस्थान कृषि अनुसंधान संस्थान, दुर्गापुरा, जयपुर
16.	डॉ. सुनीता गुप्ता	विश्वविद्यालय पुस्तकालयाध्यक्ष
17.	श्री लखबीर सिंह	भू-सम्पत्ति अधिकारी
18.	डॉ. डी. के. गुप्ता	अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, बसेडी (धौलपुर)
19.	डॉ. आर.पी. जाट	अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, झिलाई, निवाई, टोंक
20.	डॉ. आर.एस. मीना	अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, भुसावर (वैर) भरतपुर

21.	डॉ. सुमन खण्डेलवाल	अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, नवगांव (अलवर)
22.	डॉ. सुरेन्द्र सिंह	अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, कोटपूतली, जयपुर
23.	डॉ. एम.पी. यादव	अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, किशनगढबास, अलवर
24.	डॉ. हरफूल सिंह	अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, पीथमपुरी, सीकर
25.	डॉ. अतहरूद्दीन मलिक	अधिष्ठाता, डेयरी विज्ञान एंव प्रौद्योगिकी कृषि महाविद्यालय, जोबनेर
26.	डॉ. ए.आर.के. पठान	अधिष्ठाता, कृषि व्यवसाय एंव प्रबन्धन महाविद्यालय, जोबनेर

विभागाध्यक्ष

श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर के वर्तमान में कार्यरत विभागाध्यक्ष (कृषि संकाय)

क्र.सं.	नाम	पद
1.	शस्य विज्ञान विभाग	डॉ., ए. सी. शिवरान, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर
2.	मृदा विज्ञान एवं कृषि रसायन विभाग	डॉ. के. के. शर्मा, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर
3.	कीट विज्ञान विभाग	डॉ. अख्तर हुसैन, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर
4.	पौध व्याधि विभाग	डॉ. शैलेश गोदिका, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर
5.	प्रसार शिक्षा विभाग	डॉ. के. सी. शर्मा, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर
6.	उद्यान विभाग	डॉ. एल. एन. बैरवा, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर
7.	पादप प्रजनन विभाग	डॉ. डी. के. गोठवाल, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर
8.	पादप कार्यिकी विभाग	डॉ. सुनीता गुप्ता, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर
9.	जैव रसायन विभाग	डॉ. ए. के. गुप्ता, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर
10.	पशुधन संवर्धन विभाग	डॉ. ए. के. गुप्ता, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर
11.	कृषि अर्थशास्त्र विभाग	डॉ. ए. के. गुप्ता, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर
12.	कृषि सांख्यिकी विभाग	डॉ. किरन गौड़ श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर
13.	कृषि अभियांत्रिकी विभाग	डॉ. ए. के. गुप्ता, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर
14.	सूत्र कृमि विभाग	डॉ. ए. के. गुप्ता, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर

2. विभिन्न संवर्गों के पदों का विवरण

श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर में विभिन्न संवर्गों में स्वीकृत, कार्यरत एवं रिक्त पदों का विवरण

क सं	पद (संवर्ग)	गैर आयोजना मद			राज्य आयोजना मद			आयोजना मद						कुल योग		
								75:25 प्रतिशत			100 प्रतिशत					
		स्वीकृत	कार्यरत	रिक्त	स्वीकृत	कार्यरत	रिक्त	स्वीकृत	कार्यरत	रिक्त	स्वीकृत	कार्यरत	रिक्त	स्वीकृत	कार्यरत	रिक्त
1	आचार्य	09	01	08	00	00	00	02	00	02	00	00	00	11	01	10
2	सह-आचार्य	43	05	38	23	04	19	13	07	06	00	00	00	79	16	63
3	सहायक आचार्य	162	77	85	105	28	77	36	26	10	00	00	00	303	131	172
4	अधीक्षक, शारीरिक शिक्षा	00	00	00	01	00	01	00	00	00	00	00	00	01	00	01
4	तकनीकी अधिकारी	00	00	00	00	00	00	01	00	01	00	00	00	01	00	01
5	वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष	00	00	00	00	00	00	00	00	00	07	05	02	07	05	02
6	एसं	00	00	00	00	00	00	00	00	00	42	27	15	42	27	15
7	अधिकारी संवर्ग	07	03	04	39	16	23	00	00	00	00	00	00	46	19	27
8	मंत्रालयिक संवर्ग	77	34	43	92	38	54	00	00	00	14	02	12	183	74	109
9	तकनीकी संवर्ग	105	42	63	109	07	102	47	21	26	35	04	31	296	74	222
10	चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी	173	74	99	67	13	54	04	01	03	14	06	08	258	94	164
	कुल योग	576	236	340	436	106	330	103	55	48	112	44	68	1227	441	786

शैक्षणिक एवं अशैक्षणिक कार्मिकों के स्वीकृत, कार्यरत एवं रिक्त पदों का विवरण

क्र.सं.	पद नाम	संवर्ग	पे लेवल	गैर आयोजना मद			राज्य आयोजना मद			आयोजना मद 75:25 प्रतिशत (AICRP)			आयोजना मद 100 प्रतिशत (केवीके)			कुल योग		
				स्वीकृत	भरे	रिक्त	स्वीकृत	भरे	रिक्त	स्वीकृत	भरे	रिक्त	स्वीकृत	भरे	रिक्त	स्वीकृत	भरे	रिक्त
1	आचार्य	शैक्षणिक	एएल-14	09	01	08	-	-	-	02	00	02	00	00	00	11	01	10
2	सह-आचार्य		एएल-13ए	43	05	38	23	04	19	13	07	06	00	00	00	79	16	63
3	सहायक आचार्य		एएल-10	162	77	85	105	28	77	36	26	10	-	-	-	303	131	172
4	अधीक्षक शारीरिक शिक्षा		एएल-10	-	-	-	01	00	01	00	00	00	-	-	-	01	00	01
5	तकनीकी अधिकारी		एएल-10	-	-	-	-	-	-	01	00	01	-	-	-	01	00	01
6	वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष		एएल-13ए	-	-	-	-	-	-	-	-	-	07	05	02	07	05	02
7	एस. एम. एस.		एल-14	-	-	-	-	-	-	-	-	-	42	27	15	42	27	15
	योग शैक्षणिक संवर्ग			**214**	**83**	**131**	**129**	**32**	**97**	**52**	**33**	**19**	**49**	**32**	**17**	**444**	**180**	**264**
1	कुलपति	अधिकारी संवर्ग	210000 मय भत्ते	-	-	-	01	01	00	-	-	-	-	-	-	01	01	00
2	कुल सचिव		आर.ए.एस.	-	-	-	01	00	01	-	-	-	-	-	-	01	00	01
3	वित नियंत्रक		रा.ले.सेवा	-	-	-	01	01	00	-	-	-	-	-	-	01	01	00
4	निदेशक		एएल-14	01	00	01	05	04	01	-	-	-	-	-	-	06	04	02
5	अधिष्ठाता		एएल-14	01	01	00	11	08	03	-	-	-	-	-	-	12	09	03
6	भू-सम्पति अधिकारी		एल-16	-	-	-	01	00	01	-	-	-	-	-	-	01	00	01
7	परीक्षा नियंत्रक		एल-17	-	-	-	01	00	01	-	-	-	-	-	-	01	00	01
9	निजि सचिव (कुलपति)		एल-15	-	-	-	01	00	01	-	-	-	-	-	-	01	00	01
10	सुरक्षा अधिकारी			-	-	-	01	00	01	-	-	-	-	-	-	01	00	01
11	पुस्तकालयाध्यक्ष/ सहा. पुस्तकालयाध्यक्ष		एएल-10	01	00	01	11	00	11	-	-	-	-	-	-	12	00	12
12	लेखाधिकारी		एल-14	01	00	01	01	00	01	-	-	-	-	-	-	02	00	02
13	सहायक कुल सचिव		एल-14	01	01	00	02	02	00	-	-	-	-	-	-	03	03	00
14	विधि अधिकारी		एल-15				01	00	01	-	-	-	-	-	-	01	00	01
15	सहायक अभियंता		एल-14	02	01	01	0	0	0	-	-	-	-	-	-	02	01	01
16	उप-निदेशक अनु. फार्म		एएल-13ए	-	-	-	01	00	01	-	-	-	-	-	-	01	00	01

	योग अधिकारी संवर्ग			07	03	04	39	16	23	0	0	0	0	0	0	46	19	27
अशैक्षणिक मंत्रालयिक संवर्ग (शिक्षा, अनुसंधान एवं प्रसार शिक्षा)																		
1	सहायक लेखाधिकारी ग्रेड-1	मंत्रालयिक संवर्ग	एल-12	01	00	01	01	01	00	-	-	-	-	-	-	02	01	01
2	सहायक लेखाधिकारी ग्रेड-2		एल-11	05	01	04	06	00	06	-	-	-	-	-	-	11	01	10
3	कनिष्ठ लेखाकार		एल-10	00	00	00	01	00	01	-	-	-	-	-	-	01	00	01
4	वरिष्ठ निजि सहायक		एल-12	01	01	00	01	01	00	-	-	-	-	-	-	02	02	00
5	निजी सहायक		एल-11	05	03	02	12	03	09	-	-	-	-	-	-	17	06	11
6	स्टेनोग्राफर		एल-10	00	00	00	05	00	05	-	-	-	-	-	-	05	00	05
7	स्टेनोग्राफर ग्रेड-3		एल-05	00	00	00	00	00	00	-	-	-	07	00	07	07	00	07
8	अनुभाग अधिकारी		एल-12	03	03	00	08	03	05	-	-	-	00	00	00	11	06	05
9	सहायक अनुभाग अधिकारी		एल-11	08	04	04	04	03	01	-	-	-	07	02	05	19	09	10
10	लिपिक ग्रेड- प्रथम		एल-08	14	14	00	21	16	05	-	-	-	-	-	-	35	30	05
11	लिपिक ग्रेड-द्वितीय		एल-05	40	08	32	33	11	22	-	-	-	-	-	-	73	19	54
	योग मंत्रालयिक संवर्ग			**77**	**34**	**43**	**92**	**38**	**54**	**00**	**00**	**00**	**14**	**02**	**12**	**183**	**74**	**109**
अशैक्षणिक तकनीकी संवर्ग (शिक्षा, अनुसंधान एवं प्रसार शिक्षा)																		
1	कृषि पर्यवेक्षक	तकनीकी संवर्ग	एल-05	53	19	34	12	01	11	24	11	13	-	-	-	89	31	58
2	आर्टिस्ट कम फोटोग्राफर		एल-10	02	00	02	-	-	-	-	-	-	-	-	-	02	0	02
3	सहा. कृषि अधिकारी		एल-11	05	0	05	-	-	-	-	-	-	-	-	-	05	00	05
4	सहायक मैकेनिक		एल-08	01	01	00	-	-	-	-	-	-	-	-	-	01	01	00
5	डेयरी मैनेजर		एल-11	01	00	01										01	00	01
6	वाहन चालक		एल-05	10	06	04	14	01	13	04	02	02	14	02	12	42	11	31
7	इलेक्ट्रीशियन		एल-05	-	-	-	01	01	00	-	-	-	-	-	-	01	01	00
8	विधि सहायक		एल-10	-	-	-	01	00	01	-	-	-	-	-	-	01	00	01
9	सूचना सहायक		एल-08	-	-	-	02	00	02	-	-	-	-	-	-	02	00	02
10	फार्म मैनेजर		एल-11	04	01	03	09	01	08	-	-	-	07	02	05	20	04	16
11	जुनियर आर्टिस्ट		एल-08	01	00	01	-	-	-	-	-	-	-	-	-	01	00	01
12	कनिष्ठ अभियंता		एल-10	-	-	-	03	00	03	-	-	-	-	-	-	03	00	03
13	प्रयोगशाला सहायक		एल-08	13	07	06	34	01	33	04	01	03				51	09	42
14	पुस्तकालय सहायक		एल-08	02	00	02	01	00	01	-	-	-	-	-	-	03	00	03
15	मशीन विद मैन						07	00	07	-	-	-	-	-	-	07	00	07
16	मैट्रन		एल-08	01	01	00	12	00	12	-	-	-	-	-	-	13	01	12
17	मिस्त्री		एल-05	02	00	02	-	-	-	-	-	-	-	-	-	02	00	02
18	संग्रहालय सहायक		एल-08	02	02	00	-	-	-	-	-	-	-	-	-	02	02	00

19	मुर्गीखाना पर्यवेक्षक		एल-10	01	01	00	–	–	–	–	–	–	–	–	–	01	01	00
20	पम्प ऑपरेटर		एल-05	01	01	00	06	02	04	–	–	–	–	–	–	07	03	04
21	स्टोर मुंशी		एल-05	02	01	01				–	–	–	–	–	–	02	01	01
22	वरिष्ठ तकनीकी सहायक		एल-12	–	–	–	–	–	–	08	03	05				08	03	05
23	प्रोग्रामर						01	00	01							01	00	01
24	तकनीकी सहायक		एल-11	03	01	02	06	00	06	07	04	03				16	05	11
25	प्रोग्राम सहा.(कम्प्यूटर)		एल-11										07	00	07	07	00	07
26	प्रोग्राम सहा. (लेब. टेक्नीशियन)		एल-11										07	00	07	07	00	07
27	वेटेनरी कम्पाउंडर		एल-08	01	01	00										01	01	00
	योग तकनीकी सवंर्ग			**105**	**42**	**63**	**109**	**07**	**102**	**47**	**21**	**26**	**35**	**04**	**31**	**296**	**74**	**222**
28	चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी		**एल-1**	173	74	99	67	13	54	04	01	03	14	06	08	258	94	164
	कुल योग			**576**	**236**	**340**	**436**	**106**	**330**	**103**	**55**	**48**	**112**	**44**	**68**	**1227**	**441**	**786**

विश्वविद्यालय की विभिन्न इकाइयों पर शैक्षणिक एवं अशैक्षणिक के स्वीकृत, कार्यरत एवं रिक्त पदों का विवरण

क्र.सं	संस्थान	पद का नाम	गैर आयोजना			राज्य आयोजना			आयोजना (आइ.सी.ए.आर.)					रिक्त पद
									75:25 प्रतिशत			100 प्रतिशत		
			स्वीकृत पद	भरे हुए पद	रिक्त पद	स्वीकृत पद	भरे हुए पद	रिक्त पद	स्वीकृत पद	भरे हुए पद	रिक्त पद	स्वीकृत पद	भरे हुए पद	
1	श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर	शैक्षणिक/अधिकारी	88	56	32	01	00	01	09	07	02	–	–	–
		गैर-शैक्षणिक	164	74	90	01	00	01	12	04	08	–	–	–
2	कृषि महाविद्यालय, लालसोट	शैक्षणिक/अधिकारी	–	–	–	16	11	05	–	–	–	–	–	–
		गैर-शैक्षणिक	–	–	–	30	04	26	–	–	–	–	–	–
3	कृषि महाविद्यालय, फतेहपुर शेखावाटी	शैक्षणिक/अधिकारी	–	–	–	09	08	01	–	–	–	–	–	–
		गैर-शैक्षणिक	–	–	–	15	08	07	–	–	–	–	–	–
4	कृषि महाविद्यालय, कुम्हेर, भरतपुर	शैक्षणिक/अधिकारी	–	–	–	14	08	06	–	–	–	–	–	–
		गैर-शैक्षणिक	–	–	–	16	04	12	–	–	–	–	–	–
5	कृषि महाविद्यालय, नौगांवा-अलवर	शैक्षणिक/अधिकारी	–	–	–	14	02	12	–	–	–	–	–	–
		गैर-शैक्षणिक	–	–	–	15	04	11	–	–	–	–	–	–
6	कृषि महाविद्यालय, बसेड़ी-धोलपुर	शैक्षणिक/अधिकारी	–	–	–	14	01	13	–	–	–	–	–	–
		गैर-शैक्षणिक	–	–	–	14	01	13	–	–	–	–	–	–

7	कृषि महाविद्यालय, कोटपुतली-जयपुर	शैक्षणिक/अधिकारी	–	–	–	14	01	13	–	–	–	–	–	–
		गैर-शैक्षणिक	–	–	–	14	02	12	–	–	–	–	–	–
8	कृषि महाविद्यालय, किशनगढ बास-अलवर	शैक्षणिक/अधिकारी	–	–	–	14	04	10	–	–	–	–	–	–
		गैर-शैक्षणिक	–	–	–	13	01	12	–	–	–	–	–	–
9	कृषि महाविद्यालय, भुसावर (बैर) भरतपुर	शैक्षणिक/अधिकारी	–	–	–	14	03	11	–	–	–	–	–	–
		गैर-शैक्षणिक	–	–	–	17	01	16	–	–	–	–	–	–
10	कृषि महाविद्यालय,	शैक्षणिक/अधिकारी	–	–	–	14	00	14	–	–	–	–	–	–
			–	–	–				–	–	–	–	–	–
			–	–	–				–	–	–	–	–	–
11	कृषि महाविद्यालय, पीथमपुरी-नीमकाथाना-सीकर	शैक्षणिक/अधिकारी	–	–	–	14	02	12	–	–	–	–	–	–
		गैर-शैक्षणिक	–	–	–	17	00	17	–	–	–	–	–	–
12	डेयरी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, जोबनेर-जयपुर	शैक्षणिक/अधिकारी	–	–	–	12	00	12	–	–	–	–	–	–
		गैर-शैक्षणिक	–	–	–	17	00	17	–	–	–	–	–	–
13	राजस्थान कृषि अनुसंधान संस्थान, दुर्गापुरा, जयपुर	शैक्षणिक/अधिकारी	62	15	47	–	–	–	39	24	15	–	–	–
		गैर-शैक्षणिक	86	33	53	–	–	–	31	18	13	–	–	–
14	कृषि अनुसंधान केन्द्र, फतेहपुर शेखावाटी-सीकर	शैक्षणिक/अधिकारी	28	06	22	–	–	–	03	02	01	–	–	–
		गैर-शैक्षणिक	19	07	12	–	–	–	03	00	03	–	–	–
15	कृषि अनुसंधान केन्द्र, नवगाँव, अलवर।	शैक्षणिक/अधिकारी	20	03	17	–	–	–	–	–	–	–	–	–
		गैर-शैक्षणिक	29	13	16	–	–	–	–	–	–	–	–	–
16	कृषि अनुसंधान उपकेन्द्र, डिग्गी-टोंक।	शैक्षणिक/अधिकारी	08	01	07	–	–	–	–	–	–	–	–	–
		गैर-शैक्षणिक	09	04	05	–	–	–	–	–	–	–	–	–
17	कृषि अनुसंधान उपकेन्द्र, तबीजी-अजमेर।	शैक्षणिक/अधिकारी	03	01	02	–	–	–	–	–	–	–	–	–
		गैर-शैक्षणिक	08	05	03	–	–	–	–	–	–	–	–	–
18	कृषि अनुसंधान उपकेन्द्र, कोटपूतली-जयपुर	शैक्षणिक/अधिकारी	02	02	00	–	–	–	–	–	–	–	–	–
		गैर-शैक्षणिक	06	01	05	–	–	–	–	–	–	–	–	–

19	कृषि अनुसंधान उपकेन्द्र, कुम्हेर, भरतपुर	शैक्षणिक/अधिकारी	07	01	06	–	–	–	–	–	–	–	–	–
		गैर-शैक्षणिक	08	03	05	–	–	–	–	–	–	–	–	–
20	कृषि विज्ञान केन्द्र, अजमेर	शैक्षणिक/अधिकारी	–	–	–	–	–	–	–	–	–	07	05	02
		गैर-शैक्षणिक	–	–	–	–	–	–	–	–	–	09	01	08
21	कृषि विज्ञान केन्द्र, दौसा	शैक्षणिक/अधिकारी	–	–	–	–	–	–	–	–	–	07	05	02
		गैर-शैक्षणिक	–	–	–	–	–	–	–	–	–	09	01	08
22	कृषि विज्ञान केन्द्र, कुम्हेर, (भरतपुर)	शैक्षणिक/अधिकारी	–	–	–	–	–	–	–	–	–	07	04	03
		गैर-शैक्षणिक	–	–	–	–	–	–	–	–	–	09	04	05
23	कृषि विज्ञान केन्द्र, नवगाँव (अलवर)	शैक्षणिक/अधिकारी	–	–	–	–	–	–	–	–	–	07	06	01
		गैर-शैक्षणिक	–	–	–	–	–	–	–	–	–	09	02	07
24	कृषि विज्ञान केन्द्र, फतेहपुर शेखावाटी	शैक्षणिक/अधिकारी	–	–	–	–	–	–	–	–	–	07	04	03
		गैर-शैक्षणिक	–	–	–	–	–	–	–	–	–	09	02	07
25	कृषि विज्ञान केन्द्र, गोनेडा (कोटपूतली)	शैक्षणिक/अधिकारी	–	–	–	–	–	–	–	–	–	07	04	03
		गैर-शैक्षणिक	–	–	–	–	–	–	–	–	–	09	00	09
26	कृषि विज्ञान केन्द्र, धौलपुर	शैक्षणिक/अधिकारी	–	–	–	–	–	–	–	–	–	07	03	04
		गैर-शैक्षणिक	–	–	–	–	–	–	–	–	–	09	02	07
27	प्रशासनिक कार्यालय, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर।	शैक्षणिक/अधिकारी	–	–	–	18	08	10	–	–	–	–	–	–
		गैर-शैक्षणिक	–	–	–	77	32	45	–	–	–	–	–	–
28	कोष कार्यालय, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर ।	शैक्षणिक/अधिकारी	01	00	01	–	–	–	–	–	–	–	–	–
		गैर-शैक्षणिक	17	08	09	–	–	–	–	–	–	–	–	–
29	भू-सम्पति कार्यालय श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर ।	शैक्षणिक/अधिकारी	02	01	01	–	–	–	–	–	–	–	–	–
		गैर-शैक्षणिक	09	04	05	–	–	–	–	–	–	–	–	–
30	आई. एफ. एस. (ई.सी.एफ.) स्कीम, कुम्हेर-भरतपुर	शैक्षणिक/अधिकारी	–	–	–	–	–	–	01	00	01	–	–	–
		गैर-शैक्षणिक	–	–	–	–	–	–	05	00	05	–	–	–
31	प्रसार शिक्षा निदेशालय, श्रीकनकृविवि., जोबनेर	शैक्षणिक/अधिकारी	–	–	–	00	00	00	–	–	–	–	–	–
		गैर-शैक्षणिक	–	–	–	01	00	01	–	–	–	–	–	–
32	विश्वविद्यालय केन्द्रीय	शैक्षणिक/अधिकारी	–	–	–	00	00	00	–	–	–	–	–	–
	पुस्तकालय, जोबनेर	गैर-शैक्षणिक	–	–	–	02	00	02	–	–	–	–	–	–
33	विश्वविद्यालय केन्द्रीय पूल कार्यालय, जोबनेर	शैक्षणिक/अधिकारी	–	–	–	00	00	00	–	–	–	–	–	–
	–	गैर-शैक्षणिक	–	–	–	02	00	02	–	–	–	–	–	–

विभिन्न संवर्गों के कर्मचारियों की संख्या

क्र. सं.	वर्ग	शैक्षणिक वर्ग 2021-2022		गैर-शैक्षणिक वर्ग 2021-2022		शैक्षणिक वर्ग 2022-2023		गैर-शैक्षणिक वर्ग 2022-2023	
		पुरूष	महिला	पुरूष	महिला	पुरूष	महिला	पुरूष	महिला
1	सामान्य	91	21	140	14	86	21	122	15
2	अनुसूचित जाति	30	03	26	07	28	03	24	07
3	अनुसूचित जनजाति	22	00	14	02	20	00	14	02
4	अन्य पिछड़ा वर्ग	29	02	61	06	29	02	46	06
5	विशेष पिछड़ा वर्ग	00	00	00	00	00	00	00	00
6	विकलांग	04	00	00	00	04	00	00	00
7	अल्पसंख्यक	06	00	06	00	06	00	06	00
	कुल	182	26	247	29	173	26	212	30

3. बजट मद

श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर का वित्तीय वर्ष 2022-23 के दौरान प्राप्त व व्यय राशि का विवरण (अप्रैल से दिसम्बर, 2022 तक)

क्रं स.	विवरण	प्राप्त राशि 2022-23 (रूपये लाखों में)	व्यव राशि 2022-23 (रूपये लाखों में)
1.	राज्य आयोजना + गैर आयोजना	4759.00	4697.28
2.	कृषि विज्ञान केन्द्र	722.17	478.96
3.	भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् (75% : 25%)	792.17	758.83
4.	भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् (100%)	22.18	0.60
5.	उच्च कृषि शिक्षा का सुदृढ़ीकरण एवं विकास (आई. सी. ए. आर)	30.12	0
6.	कृषि मंत्रालय, भारत सरकार (एम.ए.जी)	15.22	0.98
7.	निजी वित्त पोषित परियोजनाएं	88.00	21.10
8.	अन्य केन्द्र प्रायोजित परियोजनाएं (ओ.सी.एस)	57.74	15.65
9.	राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (आर.के.वी.वाई)	0	0
	कुल	6487.38	5973.40

श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर में अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना का वित्तीय वर्ष 2022-23 के दौरान प्राप्त व व्यय राशि का विवरण (अप्रैल से दिसम्बर, 2022 तक)

क.स.	बजट मद	परियोजना का नाम	स्थान	प्राप्त राशि (रू लाखों में)	व्यय राशि (रू लाखों में)
1.	7-T(95)	अखिल भारतीय समन्वित गेंहू एवं जौ अनुसंधान परियोजना	रारी, दुर्गापुरा, जयपुर	79.69	18.80
2.	7-T(29)	अखिल भारतीय समन्वित बाजरा अनुसंधान परियोजना	रारी, दुर्गापुरा, जयपुर	120.00	77.83
3.	7-T(27)	अखिल भारतीय समन्वित मसाला अनुसंधान परियोजना	श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर	45.80	52.52
4.	7-T(30)	अखिल भारतीय समन्वित चना अनुसंधान परियोजना	रारी, दुर्गापुरा, जयपुर	48.00	76.42
5.	7-T(94)	अखिल भारतीय कीट नाशक अवशेष नेर्टवक अनुसंधान परियोजना	रारी, दुर्गापुरा, जयपुर	5.50	25.02
6.	7-T(79)	अखिल भारतीय समन्वित तारामीरा अनुसंधान परियोजना	श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर	33.00	27.65
7.	7-T(05)	अखिल भारतीय समन्वित सब्जी अनुसंधान परियोजना	रारी, दुर्गापुरा, जयपुर	34.38	51.86
8.	7-T(60-A)	अखिल भारतीय समन्वित बीज प्रोद्यौगिक अनुसंधान परियोजना	रारी, दुर्गापुरा, जयपुर	28.50	24.10
9.	7-T(14)	अखिल भारतीय समन्वित शुष्क क्षेत्रीय फल अनुसंधान परियोजना	श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर	88.50	93.62
10.	7-T(43)	अखिल भारतीय समन्वित मूंग, उड़द, मसूर, अरहर, राजमा व मटर अनुसंधान परियोजना	रारी, दुर्गापुरा, जयपुर	47.50	45.74
11.	7-T(41)	अखिल भारतीय समन्वित एकीकृत कृषि प्रणाली अनुसंधान परियोजना,	रारी, दुर्गापुरा, जयपुर	41.99	42.60
12.	7-T(40)	अखिल भारतीय सफेद लट और मृदा आर्थोपोड़ नेटवर्क अनुसंधान परियोजना	रारी, दुर्गापुरा, जयपुर	91.65	101.29
13.	7-T(156)	अखिल भारतीय प्याज एवं लहसुन नेटवर्क अनुसंधान परियोजना	श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर	1.50	1.71
14.	7-T(91)	अखिल भारतीय समन्वित कृषि वानिकी अनुसंधान परियोजना	रारी, दुर्गापुरा, जयपुर	48.00	22.88
15.	7-T(13)	अखिल भारतीय शुष्क दलहन नेटवर्क अनुसंधान परियोजना	रारी, दुर्गापुरा, जयपुर	51.20	59.60
16.	7-T(2)	अखिल भारतीय सूत्र कृमि अनुसंधान परियोजना	रारी, दुर्गापुरा, जयपुर	1.20	0.47
17.	7-T(76)	अखिल भारतीय समन्वित मूंगफली परियोजना	रारी, दुर्गापुरा, जयपुर	25.74	36.72

श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर के कृषि विज्ञान केन्द्रों को प्राप्त व व्यय राशि का विवरण

कृषि विज्ञान केन्द्र			
क्र.स.	वित्तीय वर्ष 2022-23 के दौरान प्राप्त व व्यय राशि का विवरण (अप्रैल से दिसम्बर, 2022 तक)	प्राप्त राशि (रूपये लाखों में)	व्यय राशि (रूपये लाखों में)
1.	कृषि विज्ञान केन्द्र, कोटपूतली, जयपुर	113.65	60·16
2.	कृषि विज्ञान केन्द्र, दौसा	84.15	69·56
3.	कृषि विज्ञान केन्द्र, कुम्हेर, भरतपुर	68.00	62·51
4.	कृषि विज्ञान केन्द्र, नवगॉव, अलवर	96.50	95·45
5.	कृषि विज्ञान केन्द्र, फतेहपुर, सीकर	53.98	43·11
6.	कृषि विज्ञान केन्द्र, तबीजी, अजमेर	108.77	107 ·00
7.	कृषि विज्ञान केन्द्र, धौलपुर	46.75	24·42
8.	कृषि विज्ञान केन्द्र, अरनिया	87.61	11·56
	कुल	659·41	473 ·77
	प्रसार शिक्षा निदेशालय	2.16	1·00
	योग	2.16	1·00
9.	एन.आई.सी.आर.ए.	13.00	3.49
10.	डी.ए.एम.यू.धोलपुर	7.70	0
11.	ए.आर.वाई.ए.अलवर	0	0
12.	किसान मेला	6.15	0
13.	अन्य	33.75	0.70
	योग	60.60	4.19
	कुल योग	722.17	478.96

4. प्रमुख सिविल कार्य एवं प्रगति

श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय के प्रमुख सिविल कार्य तथा प्रत्येक कार्य के विरूद्ध आलौच्य वर्ष में प्रगति

क्र. सं.	कार्य का नाम	उपलब्ध राशि रू लाखों में						आलोच्य वर्ष दिसम्बर, 2022 तक प्रगति (रू लाखों में)
		स्वीकृत राशि 2018-19	स्वीकृत राशि 2019-20	स्वीकृत राशि 2020-21	स्वीकृत राशि 2021-22	स्वीकृत राशि 2022-23	कुल स्वीकृत राशि	
1	एस के एन कृषि विश्वविद्यालय जोबनेर में							
A	एस. के. एन. कृषि विश्वविद्यालय जोबनेर में प्रशासनिक भवन का निर्माण का कार्य	586.82	128.67	–	–	–	715.49	1304.80
2	कृषि महाविद्यालय भरतपुर में							
A	महाविद्यालय भवन का निर्माण कार्य	200.00	215.16	76.35	–	–	517.01	1212.65
B	गर्ल्स हॉस्टल का निर्माण कार्य	19.84						
C	अधिष्ठाता निवास का निर्माण कार्य	5.66						
3	कृषि महाविद्यालय फतेहपुर में							
A	महाविद्यालय भवन का निर्माण कार्य	200.00	–	–	–	–	–	–
B	गर्ल्स हॉस्टल का निर्माण कार्य	19·84	215·17	76·46	–	–	516·71	877·46
C	अधिष्ठाता निवास का निर्माण कार्य	05.24	–	–	–	–	–	–
4	कृषि महाविद्यालय लालसोट में							
A	अधिष्ठाता व अन्य निवास का निर्माण कार्य	92.68	–	–		–	92.68	305.72
B	गर्ल्स हॉस्टल का निर्माण कार्य	42.69	–	–	–	–	42.69	130.64
C	चार दिवारी निर्माण का कार्य	86.00	–	23.00	–	–	109.00	72.16
D	एकादमिक ब्लोक-II का कार्य	170.25	23.00	–	–	–	193.25	85.68
5	एस के एन कृषि महाविद्यालय जोबनेर में							
A	गेस्ट हाउस का निर्माण कार्य	73.00	53.00	–	–	–	126.00	125.85
B	बास्केटबॉल कोर्ट का निर्माण कार्य	12.00	–	–	–	–	12.00	11.99
6	कृषि महाविद्यालय, नवगांव, अलवर में							
A	महाविद्यालय भवन, कन्या एवं छात्र-छात्रावास एवं अधिष्ठाता निवास निर्माण का कार्य					1419.82	1419.82	212.97

7	कृषि महाविद्यालय, किशनगढ़, अलवर में							
A	महाविद्यालय भवन, कन्या एवं छात्र-छात्रावास एवं अधिष्ठाता निवास निर्माण का कार्य	–	–	–	–	1419.82	1419.82	212.97
8	कृषि महाविद्यालय, बसेडी, धौलपुर में							
A	महाविद्यालय भवन, कन्या एवं छात्र-छात्रावास एवं अधिष्ठाता निवास निर्माण का कार्य	–	–	–	–	1420.00	1420.00	213.00
9	कृषि महाविद्यालय, कोटपुतली, जयपुर में							
A	महाविद्यालय भवन, कन्या एवं छात्र-छात्रावास एवं अधिष्ठाता निवास निर्माण का कार्य	–	–	–	–	1420.00	1420.00	213.00
10	कृषि महाविद्यालय, पीथमपुरी सीकर में							
A	महाविद्यालय भवन, कन्या एवं छात्र-छात्रावास एवं अधिष्ठाता निवास निर्माण का कार्य	–	–	–	–	1420.20	1420.20	–
11	कृषि महाविद्यालय, भुसावर, भरतपुर में							
A	महाविद्यालय भवन, कन्या एवं छात्र-छात्रावास एवं अधिष्ठाता निवास निर्माण का कार्य	–	–	–	–	1419.91	1419.91	–
12	कृषि महाविद्यालय, झिलाई, टोंक में							
A	महाविद्यालय भवन, कन्या एवं छात्र-छात्रावास एवं अधिष्ठाता निवास निर्माण का कार्य	–	–	–	–	1419.99	1419.99	–
13	डेयरी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, जोबनेर, जयपुर में							
A	महाविद्यालय भवन, कन्या एवं छात्र-छात्रावास एवं अधिष्ठाता निवास निर्माण का कार्य					1420.00	1420.00	
	कुल	1514.02	635.00	175.81		11359.74	13684.57	4978.89

बजट मद - राष्ट्रीय कृषि विकास योजना

क. सं.	कार्य का नाम	उपलब्ध राशि रू लाखों में						आलोच्य वर्ष दिसम्बर, 2022 तक प्रगति (रू लाखों में)
		स्वीकृत राशि 2018-19	स्वीकृत राशि 2019-20	स्वीकृत राशि 2020-21	स्वीकृत राशि 2021-22	स्वीकृत राशि 2022-23	कुल स्वीकृत राशि	
1.	Shade for formulation preparation furniture etc. Under RKVY-31	-	-	-	15.00	-	15.00	11.19
2.	Iron sheet Cabin/ Room for automation unit under RKVY-30	-	-	-	5.00	-	5.00	4.06
3.	Seed storage under RKVY-30	-	-	-	20.00	-	20.00	13.80
4.	Construction of Approach Road, Retaining wall, farm store, vermi compost unit & Land Levelling work at COA, Lalsot under RKVY-33	-	-	-	145.00	-	145.00	0.0
	कुल	-	-	-	185.00	-	185.00	29.05

बजट मद - भारतीय कृषि अनुंसधान परिषद (उच्च कृषि शिक्षा के सुदृढ़ीकरण एवं विकास)

क. स.	कार्य का नाम	उपलब्ध राशि रू लाखों में						आलोच्य वर्ष दिसम्बर, 2022 तक प्रगति (रू लाखों में)
		स्वीकृत राशि 2018-19	स्वीकृत राशि 2019-20	स्वीकृत राशि 2020-21	स्वीकृत राशि 2021-22	स्वीकृत राशि 2022-23	कुल स्वीकृत राशि	
1	एस के एन कृषि महा-विद्यालय जोबनेर में कन्या छात्रावास के निर्माण का कार्य	180.00	80.00	50.00	-	-	310.00	310.00
2	एस के एन कृषि महा - विद्यालय जोबनेर में SC लाभार्थियों के लिए आवासीय सुविधा के साथ कौशल विकास/ प्रशिक्षण केन्द्र निर्माण का कार्य	-	-	63.78	-	-	63.78	63.78
	कुल	180.00	80.00	113.78	-	-	373.78	373.78

बजट मद - अन्य

क्र. सं.	कार्य का नाम	उपलब्ध राशि रू लाखों में						आलोच्य वर्ष दिसम्बर, 2022 तक प्रगति (रू लाखों में)
		स्वीकृत राशि 2018-19	स्वीकृत राशि 2019-20	स्वीकृत राशि 2020-21	स्वीकृत राशि 2021-22	स्वीकृत राशि 2022-23	कुल स्वीकृत राशि	
1	एस के एन कृषि महाविद्यालय जोबनेर में सरस्वती भवन के रिनोवेशन का कार्य	-	-	50.00	-	-	50.00	50.00
2	के.वी.के. कोटपुतली मे प्रशासनिक भवन का निर्माण कार्य	95.00	19.50	48.00	-	-	162.50	162.50
3	7-टी-21 के तहत कृषि अनुसंधान संस्थान दुर्गापुरा में सीड हब का निर्माण कार्य	-	-	35.00	-	-	35.00	35.00
4	7-CSA-148 के तहत कृषि अनुसंधान संस्थान, नवगांव, अलवर में प्रशिक्षण हॉल का निर्माण कार्य	-	-	24.00	24.00	30.19	78.19	78.19
5	7-CSA-148 के तहत के वी.के. नवगांव, अलवर में प्रशिक्षण हॉल का निर्माण कार्य	-	-	24.00	24.00	28.08	76.08	76.08
6	7-CSA-148 के तहत कृषि अनुसंधान संस्थान, नवगांव, अलवर में किसान छात्रावास का निर्माण कार्य	-	-	16.50	16.50	21.99	54.99	54.99
7	7-CSA-148 के तहत के.वी.के. नवगांव, अलवर में एग्री मशीनरी बैंक के लिए शेड का निर्माण कार्य	-	-	30.00	-	20.00	50.00	50.00
	कुल	95.00	19.50	227.50	64.50	100.26	506.76	506.76

5. कृषि शिक्षा

श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर के संघटक तेरह महाविद्यालय हैं जिसमे से 11 कृषि महाविद्यालय है जो जोबनेर, लालसोट (दौसा), कुम्हेर (भरतपुर), फतेहपुर-शेखावाटी (सीकर), नवगांव (अलवर), कोटपुतली, बसेड़ी (धौलपुर), किशनगढबास, (अलवर), भुसावर (भरतपुर), झिलाई-निवाई-(टोंक), पीथमपुरी-नीम का थाना (सीकर) में स्थापित है। इसके अलावा श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय व्यवसाय प्रबन्धन, जोबनेर एवं डेयरी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, जोबनेर-जयपुर में स्थित है। विश्वविद्यालय में स्नातक व स्नातकोत्तर स्तर पर अध्ययन पाठ्यक्रम चलाए जा रहे हैं। शैक्षणिक सत्र 2022-23 में तेरह संघटक महाविद्यालयों में स्नातक पाठ्यक्रम के अन्तर्गत 684 सीटों पर प्रवेश दिया गया है। स्नातकोत्तर एवं विद्या-वाचस्पति पाठ्यक्रम श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर में चलाया जा रहा है, शैक्षणिक सत्र 2022-23 में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में 61 सीटों व विद्या-वाचस्पति में 26 सीटों पर प्रवेश दिया गया है। इस प्रकार संघटक महाविद्यालयों में स्नातक पाठ्यक्रम में 2415, स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में 112 व विद्या-वाचस्पति में 62 छात्र अध्ययनरत है। इस प्रकार श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर में कुल अध्ययनरत छात्रों की संख्या 2589 है। इस कृषि विश्वविद्यालय से 10 राजकीय कृषि महाविद्यालय संबंद्ध हैं जिसमें कुल अध्यनरत छात्रों की संख्या 916 है एवं 10 निजी कृषि महाविद्यालय भी इस कृषि विश्वविद्यालय से संबंद्ध हैं जिनमें अध्ययनरत छात्रों की संख्या 2660 है। कृषि विश्वविद्यालय में स्नातक प्रवेश, राज्य स्तरीय सयुंक्त प्रवेश परीक्षा (JET) के द्वारा, स्नातकोत्तर व विद्या-वाचस्पति में प्रवेश के लिए राज्य स्तरीय परीक्षा के द्वारा प्रवेश दिया जाता है। शिक्षा के बारे में विश्वविद्यालय की महत्वपूर्ण उपलब्धियां निम्न तालिकाओं में दर्शायी गई है।

विश्वविद्यालय के संघटक एवं संबद्व महाविद्यालयों में स्नातक पाठ्यक्रम में अध्यनरत विद्यार्थियों की संख्या (शैक्षणिक सत्र 2022-23)

क्र.स.	महाविद्यालय का नाम	पाठ्यक्रम का वर्ष				कुल
		I	II	III	IV	
1.	विश्वविद्यालय के संघटक महाविद्यालय	684	669	538	524	2415
2.	विश्वविद्यालय से सम्बद्व महाविद्यालय					
अ.	राजकीय कृषि महाविद्यालय	587	113	107	109	916
ब.	निजी कृषि महाविद्यालय	757	752	591	560	2660
	योग	1344	865	698	669	3576
	कुल योग (1+2)	2028	1534	1236	1193	5991

श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर के स्नातकोत्तर एवं विद्यावाचस्पति पाठ्यक्रम में विभिन्न विभागों में कुल स्वीकृत सीट व अध्यनरत छात्रों की संख्या (शैक्षणिक सत्र 2021-22)

क्र. स.	विभाग का नाम	स्वीकृतसीट वर्ष 2021-22		अध्ययनरत विधार्थी वर्ष 2021-22		स्वीकृतसीट वर्ष 2022-23		अध्ययनरत विधार्थी वर्ष 2022-23	
		स्नातकोतर	विद्यावाचस्पति	स्नातकोतर	विद्यावाचस्पति	स्नातकोतर	विद्यावाचस्पति	स्नातकोतर	विद्यावाचस्पति
1.	शस्य विज्ञान	10	04	21	11	09	06	15	13
2.	पादपप्रजनन व आनुंवाशिकी	10	04	22	12	07	04	16	08
3.	उद्यान विज्ञान	10	04	20	11	07	04	13	10
4.	प्रसार शिक्षा	09	02	17	06	08	02	15	06
5.	कृषि अर्थशास्त्र	07	0	14	0	07	0	10	0
6.	मृदा विज्ञान	08	02	16	06	06	02	09	04
7.	पादप रोग विज्ञान	08	04	16	06	06	04	11	10
8.	कीट विज्ञान	07	04	15	13	06	04	11	11
9.	पादप कार्यिकी विज्ञान	05	0	10	0	05	0	08	0
10.	पशुधन उत्पादन व प्रबंधन	05	0	11	0	0	0	04	0
	योग	79	24	162	65	61	26	112	62

श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर में विभिन्न पाठयक्रमों में अध्ययनरत छात्रों की वर्गवार संख्या

वर्ग	शैक्षणिक सत्र 2021-22			शैक्षणिक सत्र 2022-23		
	पुरूष	महिला	कुल	पुरूष	महिला	कुल
सामान्य	347	304	651	286	271	557
अनुसूचित जाति	228	94	322	248	102	350
अनुसूचित जनजाति	136	76	208	125	71	196
अन्य पिछड़ा वर्ग	716	421	1137	726	447	1173
विशेष पिछड़ा वर्ग	43	24	67	68	38	106
विकलांग	19	07	26	26	06	32
अल्पसंख्यक	16	25	41	22	28	50
आर्थिक पिछडा वर्ग	33	07	40	41	14	55
सैनिक कोटा	18	21	39	29	41	70
कुल	1559	972	2531	1571	1018	2589

कुल छात्रों में महिला छात्रों का अनुपात 2021-22 में 38.40 प्रतिशत एवं 2022-23 में 39.32 प्रतिशत है।

विश्वविद्यालय के संघटक महाविद्यालयों में स्थित छात्रावास व उनकी क्षमता

	छात्रावास का नाम	कमरों की संख्या	क्षमता	वर्ष 2022-23 में रहने वाले छात्रों की संख्या
अ	श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर			
1.	रमन छात्रावास	62	99	27
2.	भाभा छात्रावास	103	103	41
3	पाल छात्रावास	78	78	08
4.	अरविंदो छात्रावास	65	88	63
5.	नया महिला छात्रावास	38	117	41
6.	महिला छात्रावास	77	76	36
	कुल	423	561	216
ब	कृषि महाविद्यालय, लालसोट			
7.	अरावली छात्रावास	32	64	29

8.	विध्यांचल छात्रावास	14	24	07
9.	कन्या छात्रावास (निर्माणधीन)	18	36	0
	कुल	**64**	**124**	**36**
स	कृषि महाविद्यालय, फतेहपुर - शेखावाटी			
10.	नवनिर्मित गर्ल्स हॉस्टल	22	44	60
11.	स्टाफ क्वार्टर	-	-	42
12.	अतिथि गृह	10	-	39
	कुल	**32**	**44**	**141**
द	कृषि महाविद्यालय, कुम्हेर भरतपुर			
13.	महिला छात्रावास	12	24	0
	कुल	**12**	**24**	**0**
य	रा. कृ. अ. सं. , दुर्गापुरा, जयपुर			
14.	महिला छात्रावास -1	10	20	16
15.	महिला छात्रावास -2	3	6	0
16.	छात्र छात्रावास -1	2	4	4
17.	छात्र छात्रावास -2	2	4	4
	कुल	**17**	**34**	**24**

छात्रावास का निर्माण: कृषि महाविद्यालय, लालसोट एवं एस.के.एन. कृषि महाविद्यालय, जोबनेर में छात्राओं के लिए नवीन छात्रावास का निर्माण प्रगति पर है। कृषि महाविद्यालय, गोनेड़ा (कोटपुतली), बसेड़ी (धौलपुर), नवागांव (अलवर) एवं किशनगढबास (अलवर) में छात्रावास की स्वीकृति इसी वर्ष प्राप्त हो गई हैं, जिनका निर्माण कार्य अतिशीध्र प्रारंम्भ किया जायेगा।

श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर के संघटक महाविद्यालयों में छात्रवृतियां 2021-22 व 2022-23

क्रं स.		शैक्षणिक सत्र 2021-22				शैक्षणिक सत्र 2022-23*			
		स्नातक	स्नातकोत्तर	विद्यावाचस्पति	कुल	स्नातक	स्नातकोत्तर	विद्यावाचस्पति	कुल
1	कृषि विभाग छात्राओं को प्रोत्साहन राशि	710	61	40	811	711	45	37	793
2	समाज कल्याण विभाग	265	18	0	283	207	02	0	209
4	अन्य पिछडा वर्ग	05	0	0	05	0	0	0	0
5	विशेष पिछड़ा वर्ग	05	0	0	05	0	0	0	0
6	आर्थिक पिछड़ा वर्ग	03	0	0	03	0	0	0	0
7	आई. सी. ए. आर. - जे. आर. एफ. /एस. आर. एफ.	0	05	0	05	0	0	0	0
8	राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (ICAR)	10	11	0	21	02	0	0	02
9	धानुका	0	02	03	05	0	0	0	0
	कुल								

★ शैक्षणिक सत्र 2022-23 में छात्रवृति का कार्य प्रक्रियाधीन है।

उपलब्धियां

- **दीक्षान्त समारोह का आयोजनः-** श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर का चतुर्थ दीक्षान्त समारोह ऑनलाइन मोड पर माननीय कुलाधिपति एवं राज्यपाल, राजस्थान श्री कलराज जी मिश्र की अध्यक्षता में दिनांक 21 जनवरी 2022 को सम्पन्न हुआ। इस समारोह में श्री लाल चन्द कटारिया, माननीय मंत्री, कृषि, पशुपालन एवं मत्स्य विभाग, राजस्थान सरकार, डॉ. त्रिलोचन महापात्र, महानिदेशक, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् एवं सचिव, कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा, नई दिल्ली, प्रोफेसर रमेश चन्द, सदस्य, नीति आयोग, भारत सरकार आदि अतिथि मौजूद रहे। इस समारोह में 789 विद्यार्थियों को स्नातक उपाधि, 80 विद्यार्थियों को स्नातकोत्तर उपाधि एवं 22 विद्यार्थियों को विद्यावाचस्पति उपाधि प्रदान करने के साथ 8 प्रतिभाशाली छात्रों को स्वर्ण पदक किये गये। इसके साथ ही डॉ. त्रिलोचन महापात्र महानिदेशक, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् एवं सचिव कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा, भारत सरकार, नई दिल्ली को अनुसंधान व भारतीय कृषि में महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए माननीय राज्यपाल द्वारा मानद् उपाधि प्रदान की गई।

- **परीक्षा परिणाम** – इस अवधि में प्रथम सेमेस्टर में कुल 5234 विद्यार्थी एवं द्वितीय सेमेस्टर में 5294 विद्यार्थी पंजीकृत थे। द्वितीय सेमेस्टर के परिणाम के आधार पर कुल 88 विद्यार्थियों को न्यूनतम ओजीपीए के आधार पर विश्वविद्यालय से निष्कासित किया गया तथा 2504 विद्यार्थियों के विषय बकाया रह गये।

इस वर्ष स्नातकोत्तर व विद्यावाचस्पति पाठ्यक्रम में डिग्री प्राप्त कर चुके विद्यार्थियों की संख्या निम्न प्रकार है।

पाठ्यक्रम	स्वीकृत व मूल्यांकित थिसिस	मूल्यांकन हेतु थिसिस प्रेषित
स्नातकोत्तर	64	82
विद्यावाचस्पति	30	33
योग	94	115

- **पुस्तकालय**– केन्द्रीय पुस्तकालय द्वारा ऑनलाईन डिजिटल सेवा के तहत् विश्वविद्यालय से सम्बंधित 2536 शोधग्रंथ, प्रश्न पत्र, मेंनुअलए शोध-पत्र, कृषि समाचार एवं अन्य डिजिटल सामग्रियों को कृषि कोष पोर्टल (आई.सी.ए.आर.) http://krishikosh.egranth.ac.in/handle/ 1/84614) पर अपलोड कर सभी पाठकों को सुविधा प्रदान की जा रही है। आई.सी.ए.आर. द्वारा डिजिटलीकरण योजना के अन्तर्गत पुस्तकालय दस्तावेज की सूची को ऑनलाईन किया गया है जिसे http://14.139.51.40/ वेबलिंक के माध्यम से कोहा केटलॉग (वेबओपेक) की सुविधा सभी पाठकों को सुचारू रूप से दी जा रही है जिसके अन्तर्गत 66400 प्रविष्टिया कोहा सॉफ्टवेयर वेबओपेक के द्वारा सभी संघटक 9 कृषि महाविद्यालयों- जोबनेर, भरतपुर, लालसोट, फतेहपुर-शेखावाटी, कोटपुतली, बसेड़ी-धौलपुर, किशनगढ़वास, नवगॉव तथा राजस्थान कृषि अनुसंधान संस्थान, जयपुर में ऑनलाईन कैटलॉग प्रणाली लागू कर दिया गया है तथा विश्वविद्यालय पुस्तकालय आई.सी.ए.आर. के सर्वर से भी जुड़ गया है एवं आर.एफ.आई.डी. सिस्टम प्रणाली के अन्तर्गत 50154 पुस्तकों में आर.ऍफ.आई. रेडियो टैग्स लगा दिये गये हैं, इस तरह पुस्तकालय पूर्ण रूप से डिजिटल हो गया है। आई.सी.ए.आर. डिजिटलीकरण योजना के अन्तर्गत सभी पाठकों को ई.रिर्सोसेस एवं सेरा (CeRa) प्रशिक्षण, 102 ई-बुक्स, ओपन एक्सेस जर्नल्स व डेटाबेस की सुविधा सभी पाठकों को उपलब्ध है। कृषि महाविद्यालय, लालसोट में पुस्तकालय को पुर्ण रूप से कोहा से कम्प्युटरीकृत कर दिया है तथा आर.ऍफ.आई.डी. सभी पाठको को उपलब्ध कराई गई है।

6. छात्र कल्याण निदेशालय

छात्र कल्याण निदेशालय छात्रों के संपूर्ण व्यक्ति व विकास के लिये कार्य कर रहा है। इसके अन्तर्गत विभिन्न महाविद्यालयों में राष्ट्रीय सेवा योजना (एन.एस.एस), एन.सी.सी. एवं एन.एस.ओ. की शाखायें स्थापित की गई है। इस निदेशालय के अधीन खेलकूद बोर्ड के माध्यम से विश्वविद्यालय में खेलकूद की प्रतियोगिताएँ आयोजित की जाती है। सांस्कृतिक सचिव द्वारा विश्वविद्यालय में ललित कला, सांस्कृतिक कार्यक्रम तथा साहित्यिक प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है।

- **राष्ट्रीय सेवा योजना :** विश्वविद्यालय के संघटक 13 महाविद्यालयो में राष्ट्रीय सेवा योजना की सरकार द्वारा वित्त पोषित 12 इकाइयाँ स्थापित हैं। इन इकाईयों में हर वर्ष की भांति प्री-रिपब्लिक डे परेड शिविर, सात दिवसीय विशेष शिविर एवं एक दिवसीय शिविरों का नियमित रुप से आयोजन किया गया । राष्ट्रीय सेवा योजना के क्षेत्रीय निदेशालय, जयपुर द्वारा समय-समय पर निर्देशित विभिन्न कार्यक्रम जैसे-विश्व जल दिवस, अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस, महात्मा गांधी जयंती, शहीद दिवस, जन सुरक्षा पखवाडा, राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा सप्ताह, विश्व स्वास्थ्य दिवस, संविधान दिवस, हर घर तिरंगा, शहीद दिवस, नेताजी सुभाष चन्द्र बोस जयंती, बसंत पंचमी आदि कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है। स्वंय सेवक छात्र-छात्राओं द्वारा समय- समय पर साफ-सफाई कर श्रमदान करते हैं, तथा श्रमदान के प्रति लोगो को जागरूक किया गया। उत्तर क्षेत्रिय प्री-रिपब्लिक डे परेड शिविर - 2022 के लिये छात्रा संगीता चौधरी, बी.एस.सी (ऑनर्स) कृषि, द्वितिय वर्ष, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर और अभिषेक कुमार ढ़ाका, बी.एस.सी (ऑनर्स) कृषि, द्वितिय वर्ष, कृषि महाविद्यालय, कुम्हेर, भरतपुर का चयन हुआ, जिन्होनें एल.पी.यू.,फगवाड़ा, पंजाब में इस शिविर में भाग लिया। कृषि महाविद्यालय, बसेडी, धौलपुर की छात्रा अंजनी अग्रावत, बी.एस.सी (ऑनर्स) कृषि, तृतीय वर्ष ने अंतर जिला प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया, तत्पश्चात संसद, नई दिल्ली में राजस्थान का प्रतिनिधित्व किया।

- **एन.सी.सी. इकाई :** एन सी. सी. कैडेटों द्वारा गणतंत्रता दिवस 2022 हर्ष उल्लास के साथ मनाया गया। 29 कैडेट 1 राज, एन सी. सी. बटालियन जयपुर में 'बी' सर्टिफिकेट परीक्षा दिनांक 27.02.2022 में शामिल हुए, तथा एस.एस. जैन सुबोध पी.जी. महाविद्यालय, जयपुर में 27 मार्च, 2022 को 31 कैडेट 'सी' सर्टिफिकेट परिक्षा में शामिल हुए। प्रसार शिक्षा निदेशालय, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर द्वारा आयोजित एग्रीएक्सपो-2022 में 47 एन.सी.सी. कैडेटों द्वारा दिनांक 28-30 मार्च, 2022 में भाग लेकर अनुशासन बनाये रखने तथा आयोजन में सहायक के कार्य किये गये। दिनांक 20 जून से 29 जून, 2022 तक वार्षिक प्रशिक्षण शिविर-1 (ए.टी.सी.-1) में 60 कैडेटों ने श्री भवानी निकेतन पॉलीटेक्निक महाविद्यालय, सीकर रोड, जयपुर में भाग लिया। कारगिल विजय दिवस 26.07.2022 को सभी कैडेट्स द्वारा साइकिल रैली निकाल कर मनाया गया एवं 1 अगस्त 2022 को महाविद्यालय कैंपस में कैडेट्स द्वारा पौधारोपण कर प्लास्टिक के रोकथाम के लिय लोगों को रैली निकाल कर जागरूक किया गया। स्वतंत्रता दिवस पर ध्वजारोहण प्रबंधन एवं परेड का आयोजन 94 कैडेटों द्वारा किया तथा हर्ष उल्लास के साथ स्वतंत्रता दिवस मनाया। श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय जोबनेर कैंपस में फिट इंडिया मूवमेंट के तहत फिट इंडिया थीम पर रैली का आयोजन दिनांक 22.09.2022 को किया गया ताकि लोगों को अपने दैनिक जीवन में शारीरिक गतिविधियों और खेलों को शामिल कर स्वस्थ और फिट रहने के लिय प्रोत्साहित किया जा सके। कमांडिंग ऑफिसर के निर्देशानुसार सभी कैडेट डिजिटल फोरम पर एन.सी.सी. एलुमनाई एसोसिएशन के लिए ऑनलाइन पंजीकृत किए गए और एन.सी.सी.ए.ए. के आजीवन सदस्य बने।

- **अन्तर महाविद्यालय खेल-कुद प्रतियोगिता :** श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर में 15 - 18 नवंबर, 2022 तक अन्तर महाविद्यालय खेल-कूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमे श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर के 13 संघठित कृषि महाविद्यालय, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर, कृषि महाविद्यालय, लालसोट, कुम्हेर, नवगाँव, फतेहपुर, कोटपूतली, किशनगढ़बास, बसेड़ी, पीथमपुरी, झिलाई, भुसावर, डेयरी विज्ञान व प्रौद्यौगिकी महाविद्यालय, जोबनेर और श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि व्यवसाय प्रबंधन महाविद्यालय, जोबनेर ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता का उद्घाटन प्रो. बलराज सिंह, माननीय कुलपति, एस.के.एन कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर, डीन एवं फैकल्टी चेयरमैन, डॉ. ए.के. गुप्ता, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर, निदेशक छात्र कल्याण, डॉ. आई.एम.खान, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर ने किया। डॉ. एल. एन. बैरवा सचिव, विश्वविद्यालय खेल मंडल ने अन्तर महाविद्यालय खेल-कुद प्रतियोगिता वाले खिलाडियों का स्वागत अभिनन्दन कर आयोजित होने वाले विभिन्न खेल-कुद प्रतियोगिता जैसे कबड्डी, वॉलीबॉल, बास्केटबॉल, बैडमिंटन, टी.टी, एथलेटिक्स खेल जैसे लम्बी कूद, ऊँची कूद, 100 मीटर, 200 मीटर, 400 मीटर एवं 800 मीटर की दौड़, भाला फेंक, शॉट पुट का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में लगभग 572 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। दिनांक 18.11.2022 को खेल-कूद के समापन समारोह के अवसर उत्कृष्ट खिलाड़ियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया। श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर कबड्डी (महिला), वॉलीबॉल (महिला), बास्केटबॉल (महिला और पुरूष), टी.टी (पुरूष) और बैडमिंटन (महिला और पुरूष) मे टीम विजेता बनी। वॉलीबॉल (पुरूष) मे कृषि महाविद्यालय, फतेहपुर विजेता रही। कबड्डी (पुरूष) में कृषि महाविद्यालय, कोटपूतली टीम विजेता रही। सर्वाधिक एथलेटिक खेल कृषि महाविद्यालय, फतेहपुर ने जीते। सामान्य चैंपियनशिप एस.के.एन. कृषि महाविद्यालय, जोबनेर ने जीता। पुरूषों में सर्वश्रेष्ठ एथलीट पवन साहो, कृषि महाविद्यालय, फतेहपुर और महिलाओं में सर्वश्रेष्ठ एथलीट निशा पूनिया, कृषि महाविद्यालय, फतेहपुर रहे।

अन्तर महाविद्यालय सांस्कृतिक कार्यक्रम : श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर में 15 - 18 नवंबर, 2022 तक अन्तर महाविद्यालय सांस्कृतिक प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमे श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर के 13 संघटित कृषि महाविद्यालयों में श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महा-विद्यालय, जोबनेर कृषि महाविद्यालय लालसोट, कुम्हेर, नवगांव, फतेहपुर, कोटपूतली, किशनगढ़बास, बसेड़ी, पीथमपुरी, झिलाई, भुसावर,डेयरी विज्ञान व प्रौद्यौगिकी महाविद्यालय, जोबनेर और एस.के.एन. कृषि व्यवसाय प्रबंधन महाविद्यालय, जोबनेर ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता में लगभग 370 छात्रों ने विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमो में भाग लिया। श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर ने शास्त्रीय एकल नृत्य, समूह नृत्य, माइम, स्किट, कार्टूनिंग, डिबेट, एक्सटेम्पोर, एलोक्यूशन और कविता (हिंदी) में प्रथम स्थान प्राप्त किया। लाइट वोकल सोलो सॉन्ग में कृषि महाविद्यालय, भरतपुर को प्रथम पुरस्कार मिला। समूह गीत में कृषि महाविद्यालय, फतेहपुर को प्रथम पुरस्कार मिला। ऑन-द-स्पॉट पेंटिंग और कविता (अंग्रेजी) में कृषि महाविद्यालय, लालसोट को प्रथम पुरस्कार मिला। पोस्टर मेकिंग में कृषि महाविद्यालय, पीथमपुरी को प्रथम पुरस्कार मिला। क्ले मॉडलिंग में कृषि महाविद्यालय, नवगांव को प्रथम पुरस्कार मिला। रंगोली में कृषि महाविद्यालय, भरतपुर को प्रथम पुरस्कार मिला। एस. के.एन. कृषि व्यवसाय प्रबंधन महाविद्यालय, जोबनेर को निबंध (अंग्रेजी) में प्रथम पुरस्कार मिला। विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियों जैसे लाइट वोकल, समूह गान, भारतीय लोक नृत्य आदि में भाग लेने वाले घटक महाविद्यालयों के छात्र-छात्राओं को स्मृति चिन्ह और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

छात्रसंघ के चुनाव : श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर के 13 संघटित कृषि महाविद्यालयों में श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर, कृषि महाविद्यालय लालसोट, कुम्हेर, नौगांव, फतेहपुर, कोटपूतली, किशनगढ़बास, बसेड़ी,पीथमपुरी, झिलाई, भुसावर, डेयरी विज्ञान व प्रौद्यौगिकी महाविद्यालय, जोबनेर और एस.के.एन. कृषि व्यवसाय बंधन, जोबनेर में दिनांक 26.8.2022 को छात्रसंघ के चुनाव नियम अनुसार और शांतिपूर्ण सम्पन्न हुये। चुने हुये कक्षा प्रतिनिधियों ने दिनांक 27.08.2022 श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्व- विद्यालय, जोबनेर के केन्द्रीय छात्रसंघ पदाधिकारी के लिए अपने मतों का प्रयोग कर, छात्र आशिष कुलहरी को छात्रसंघ अध्यक्ष पद ,छोटुराम यादव सचिव एवं सचिन नेतड संयुक्त सचिव पर चुना।

अभिविन्यास कार्यक्रम : श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर (27.09.2022), कृषि महाविद्यालय, कुम्हेर (12.10.2022), कृषि महाविद्यालय, किशनगढ़ बास, अलवर (14.10.2022) कृषि महाविद्यालय, नवगांव (अलवर)(18.10.2022), कृषि महाविद्यालय, झिलाई (टोंक) (04.11.2022), कृषि महा-विद्यालय, फतेहपुर (सीकर) (25.11.2022) कृषि महाविद्यालय, कोटपुतली (जयपुर) (28.11.2022) एवं डेयरी विज्ञान व प्रौद्यौगिकी महाविद्यालय, जोबनेर में 13.12.2022 को नवीन छात्र-छात्राओं का कैरियर अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया।जिसमें छात्र- छात्राओं को विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियों एवं कृषि शिक्षा में रोजगार की सम्भवनाओं के बारे में अवगत कराया।

कैरियर डवलपमेंट सेन्टर : श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर के कैरियर डवल्पमेंट सेन्टर द्वारा मेधा लर्निंग फाउंडेशन के समन्वय से कैरियर एडवांसमेंट बूटकैंप कार्यक्रम के कुल 09 बैच का आयोजन किया गया जिसमें कुल 254 छात्र-छात्राओं ने रोजगार से संबधित दक्षताओं को सीखा ।कृषि अनुसंधान में उन्नत सांख्यिकीय तकनीक‘‘ पर व्याख्यान का आयोजन दिनांक 06.01.2022’’ को किया गया। एक ओपन माइक प्लेटफॉर्म ‘‘अंजुमन का आयोजन दिनांक 07.09.2022’’को किया गया जिसमें छात्र-छात्राओं ने उनकी विभिन्न दक्षताओं का प्रदर्शन किया।

7. अनुसंधान निदेशालय

श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर का अनुसंधान निदेशालय विश्वविद्यालय के सभी अनुसंधान केन्द्र तथा उपकेन्द्रों में हो रहे अनुसंधान के उद्देश्यों की कार्य योजना की निगरानी एवं मूल्यांकन की भूमिका निभाता है। इस विश्वविद्यालय के क्षेत्राधिकार में दो कृषि अनुसंधान केन्द्र, फतेहपुर-शेखावाटी (सीकर) व नवगॉव (अलवर), एक राजस्थान कृषि अनुसंधान संस्थान - दुर्गापुरा, जयपुर एवं चार कृषि अनुसंधान उपकेन्द्र, तबीजी (अजमेर), कुम्हेर (भरतपुर), गोनेड़ा (कोटपूतली) व डिग्गी (टोंक) आते हैं। विश्वविद्यालय की सभी संघटक इकाईयों द्वारा किसानों के लिए नई तकनीकियों का विकास एवं उत्तम बीज उत्पादन किया जा रहा है। विश्वविद्यालय में अनुसंधान को गति प्रदान करने हेतु विभिन्न अनुसंधान परियोजनाएं कार्यरत हैं इनके अर्न्तगत विभिन्न फसलों की उन्नत किस्मों, उत्पादन व पौध संरक्षण तकनीकों एवं जलवायु परिवर्तन आधारित प्रोधौगिकी के विकास हेतु अनुसंधान सतत् प्रक्रियारत हैं।

अखिल भारतीय समन्वित /नेटवर्क अनुसंधान परियोजना:- विश्वविद्यालय के विभिन्न केन्द्रों पर वर्तमान में 18 दीर्घावधी अखिल भारतीय समन्वित / नेटवर्क अनुसंधान परियोजनाएं चल रही हैं। इन परियोजनाओं के अन्तर्गत गेहूं, जौ, चना, मूँगफली, बाजरा, ग्वार, मूंग, उडद, मसूर, अरहर, राजमा, शुष्क क्षेत्रीय फल जैसेः- बेर, आंवला, लसोडा, बील आदि, मसाले वाली फसलें जैसेः- जीरा, धनिया, मैथी, सौफ एवं सब्जियां आदि फसलों पर अनुसंधान करने के साथ साथ समन्वित कृषि प्रणाली, सफेद लट एवं मृदा आर्थोपोड, कीटनाशी अवशेष, वानिकी, सुत्रकर्मी प्रबंधन, कृषि मौसम सेवा आदि विषयों पर सतत् अनुसंधान द्वारा नवीन किस्में, उन्नत उत्पादन एवं पौध संरक्षण तकनीकियां विकसित की जा रही हैं, जिसके परिणाम स्वरूप क्षेत्र के किसान लगातार लाभान्वित हो रहे हैं।

राष्ट्रीय कृषि विकास परियोजनाए:- विश्वविद्यालय में क्षेत्र विशेष हेतु विशिष्ट समस्याओं को ध्यान में रखते हुए राष्ट्रीय कृषि विकास योजनाएं बनाई जाती हैं। वर्ष 2021-22 में तीन एवं 2022-23 में एक राष्ट्रीय कृषि विकास योजनाएं विश्वविद्यालय को स्वीकृत की गई हैं। वर्तमान में तरल जैविक योगों का मानकीकरण और विशेषता, अर्द्ध शुष्क परिस्थितियों में महत्वपूर्ण सब्जियों के गुणवतायुक्त बीज का उत्पादन, कृषि में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के अनुप्रयोगों पर उत्कृष्टता केन्द्र, कृषि महाविद्यालय लालसोट फार्म का आधुनिकीकरण एवं मशीनीकरण, मशरूम उत्पादन तकनीक के माध्यम से आत्मनिर्भर ग्रामीण युवाओं के लिए कृषि उद्यमिता का विकास करना परियोजनाएं श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर कृषि महाविद्यालय, लालसोट एवं कृषि अनुसंधान केन्द्र नवगांव में चल रही हैं।

परीक्षण प्रोजेक्टः- विश्वविद्यालय द्वारा निजी क्षेत्र में कार्यरत कम्पनियों द्वारा उत्पादित कृषि उत्पाद, जैसे फसलों की किस्म, कीटनाशी, फफूंदनाशी, शाकनाशी आदि को इस क्षेत्र की जलवायु में परीक्षण किया जाता है। इन परिणामों के आधार पर इन उत्पादों कों क्षेत्र में उपयोग लाने हेतु सिफारिश की जाती है। प्रतिवेदन वर्ष में 40 परीक्षण प्रोजेक्ट विश्वविद्यालय द्वारा संचालित किये गये हैं।

अन्य परीक्षणः- राष्ट्रीय स्तर के अनुसंधान संस्थानों पर हो रहे अनुसंधान एवं उन संस्थानों पर विकसित विभिन्न फसलों की नवीन किस्मों या तकनीकियों को बहु केन्द्रीय परीक्षण हेतु विश्वविद्यालय के विभिन्न अनुसंधान केन्द्रों पर प्रतिवेदन वर्ष के दौरान 14 परीक्षण प्राप्त हुए हैं।

नवीन विकसित किस्में

किस्म	लक्षण	फोटो
मूंगफली राज मूंगफली 4 (आर.जी. 638)	इस किस्म का विमोचन सी. वी. आर. सी. की 89वीं बैठक में किया गया मूंगफली कि यह किस्म राजस्थान कृषि अनुसंधानसंस्थान, दुर्गापुरा द्वारा वर्ष 2022 में विमोचित की गई, जो कि खरीफ सीजन व सिंचित क्षेत्रों के लिए समय पर बुवाई हेतु राजस्थान, उत्तरप्रदेश, पंजाब व हरियाणा राज्यों के लिए अनुशंषित है। यह अर्द्धविस्तारी किस्म है जो 121, 122 दिन में पक कर तैयार हो जाती है। इसकी औसत उपज 35-40 क्विंटल प्रति हैक्टेयर है। इसकी गुली मध्यम आकार की होती है। इस किस्म की फलियों में दानों का अनुपात अधिक (74 प्रतिशत) तथा 100 दानों का औसत वजन 56 ग्राम होता है। इसमें तेल की मात्रा भी अच्छी (49 प्रतिशत) होती है। यह किस्म मुख्य रोगों व कीटों के प्रति काफी हद तक प्रतिरोधी होती है।	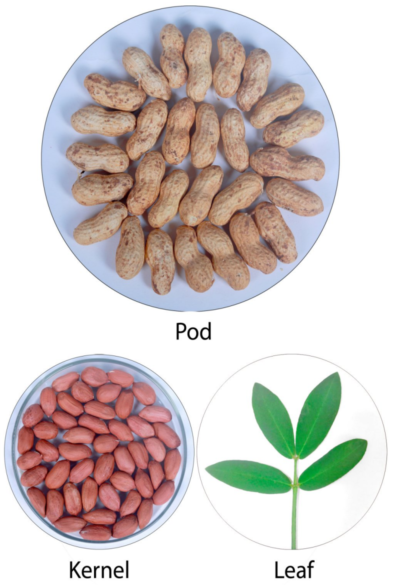 Raj Mungfali 4 (RG 638)
तारामीरा आरटीएम-1624 (कृष्णा तारा)	यह तारामीरा किस्म वर्ष 2022 के दौरान अधिसूचित की गई। यह किस्म में बारानी परिस्थितियों में व्यापक अनुकूलन क्षमता और स्थिरता है। इसे RTM-1351, X T&27 के बीच संकरण कराकर विकसित की गयी है। यह किस्म पीले-भूरे रंग की चमकदार अच्छी गुणवत्ता के बीजों वाली है जिसमें उच्च तेल मात्रा होती है। पौधे मध्यम ऊंचाई (89-107 सेमी) के साथ विपुल शाखाओं वाले होते हैं और इस किस्म की परिपक्वता अवधि 139 दिन होती है। यह किस्म उचित प्रबंधन एवं अनुकूल परिस्थितियों में 12-15 क्विंटल प्रति हेक्टेयर बीज उपज देती है। यह सफेद रोली और स्टैगहेड के लिए प्रतिरोधी है, डाउनी फफूंदी के लिए मध्यम दर्जे की प्रतिरोधी किस्म है। मौजूदा किस्मों की तुलना में चौंपा से तुलनात्मक रूप से कम प्रभावित होती हैं तथा सूखे के प्रति मध्यम सहिष्णु किस्म हैं ।	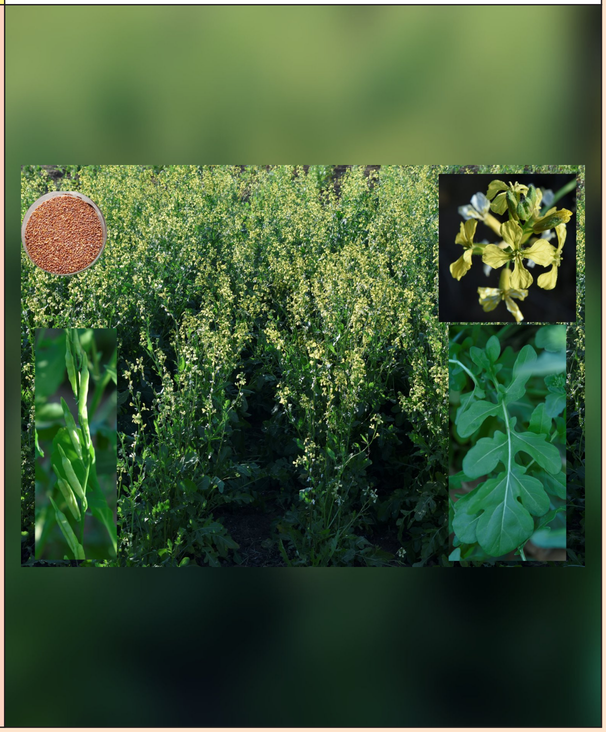

ग्वार करण ग्वार 14 (आर.जी.आर. 18-1)	इस किस्म का विमोचन सी. वी. आर. सी. कि 89वीं बैठक में किया गया जो कि 30.11.2022 को हुई थी (अधिसूचना विचाराधीन है।) राजस्थान कृषि अनुसंधान संस्थान दुर्गापुरा द्वारा विकसित ग्वार की यह किस्म, भारत के सभी ग्वार उत्पादित राज्यों - राजस्थान, गुजरात, हरियाणा एवं महाराष्ट्र के लिए वर्ष 2022 में विमोचित की गई है। मध्यम शाखाओं वाली यह किस्म 90-95 दिन में पक कर तैयार हो जाती है। इस किस्म की पत्तियों खुरदरी एवं कटाव वाली होती हैं तथा फूल हल्के गुलाबी रंग के होते हैं। इस किस्म के दाने मध्यम मोटाई वाले 3.3-2.7 ग्राम 100/दाना (स्लेटी रंग के तथा फलियां मध्यम लम्बाई वाली होती हैं। दानों में गोंद की मात्रा 34.2 प्रतिशत होने के साथ-साथ विस्कोसिता अधिक 3412) सीपी (होने के कारण गुणवत्ता अधिक होती है। यह किस्म झुलसा एवं जड़ गलन रोग के प्रति मध्यम प्रतिरोधी क्षमता रखती है।	
काबुली चना सी.एस.जे.के. 174 (करण काबुली 4)	काबुली चने की राष्ट्रीय उन्नत प्रजाति "सी. एस. जे. के. 174 (कर्ण काबुली 4)" में अखिल भारतीय समन्वित चना अनुसन्धान परियोजना द्वारा विकसित की गई इस किस्म की प्रमुख विशेषताएं निम्नलिखित है। (1) मध्यम ऊँचाई के पौधे जिनके तनो पर फलियां अधिक संख्या में लगती हैं। (2) इसके पकने की अवधि 99 (86-115) दिन होती है। (3) यह किस्म औसत 15 क्वि./है. उपज देती है। (4) फली छेदक कीट के प्रकोप से कम प्रभावित होने के साथ-साथ उखटा एवं स्टंट वायरस रोग हेतु मध्यम प्रतिरोधक क्षमता रखती है। (5) इसके दाने मोटे आकर्षक एवं मट मैले सफेद रंग के होते है।	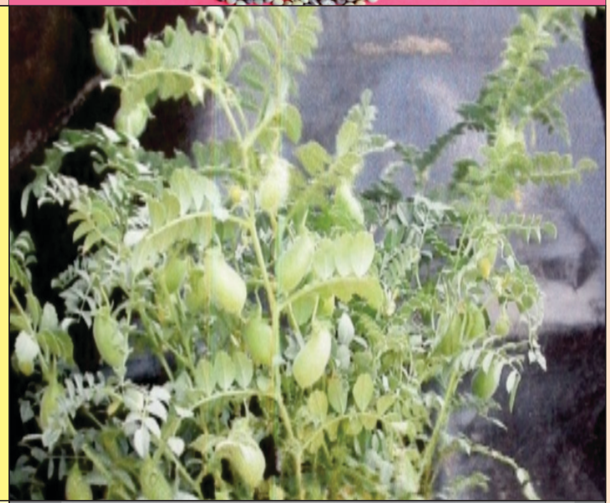
सौंफ RF 290	यह किस्म को देश के सौंफ उत्पादित क्षेत्रों के लिए सिपारिश की गई है यह किस्म मुख्यतः दोमट एवं काली कपास मिट्टी जिसमे सुचारू जल निकास हो के लिए उपयुक्त हैं। जनवरी से मार्च के महीने में शुष्क, पाला मुक्त एवं मध्यम ठंडा मौसम उपज तथा गुणवत्ता के लिए अच्छा माना जाता है। पुष्पन एवं बीज निर्माण के समय लम्बा मेघाच्छन्न मौसम अथवा उच्च आद्रता चेंपा और रुमुलेरिया रोग के लिए सम्भावना बढाती है। इस किस्म की प्रमुख विशेषताए निम्नलिखित है। • उच्च उपज क्षमता • सीधा एवं लम्बा पादप • मध्यम परिपक्वता किस्म • अधिक शाखा एवं छत्रक प्रति पौधा • अधिक पुष्पछत्रक एवं बीज प्रति छत्रक • लंबा एवं मोटा बीज	

कार्यरत अखिल भारतीय समन्वित/ नेटवर्क अनुसंधान परियोजना एवं उनकी प्रमुख उपलब्धियां

क.स	अखिल भारतीय समन्वित। नेटवर्क अनुसंधान परियोजना का नाम	प्रमुख उपलब्धियां
	कृषि अनुसन्धान केंद्र, फतेहपुर	
1.	ए.आई.सी.आर.पी., कृषि वानिकी	कृषि वानिकी प्रणाली और मृदा स्वास्थ्य सुधार के पहलू पर काम कर रहा है।
	राजस्थान कृषि अनुसन्धान केन्द्र, दुर्गापुरा	
1.	अखिल भारतीय समन्वित गेहूं और जौ सुधार अनुसंधान परियोजना	गेंहू में पीली रोली रोग के नियंत्रण की सिफारिश
2.	अखिल भारतीय समन्वित चना अनुसंधान परियोजना	किस्म:- सी एस जे के -174 (2022), सी एस जे- 556 जर्मप्लाज्म के नामांकरण के लिए एन बी पी जी आर में निवेदन किया।
3.	अखिल भारतीय समन्वित बाजरा अनुसंधान परियोजना	1. बाजरा संवर्धन, मूल्यवर्धन और निर्यात पर राष्ट्रीय संगोष्ठी सह प्रदर्शन। (मई, 2022) 2. एस के एन ए यू, जोबनेर और वन लाइफ फांउडेशन, नई दिल्ली के मध्य आर एच डी -234 (बायोफोर्टीफाइड संकर) का व्यवसायिक उत्पादन करने के लिए एम ओ यू किया गया। 3. पी सी यूनिट, जोधपुर के द्वारा बेस्ट सेन्टर अवार्ड दिया गया।
4.	अखिल भारतीय समन्वित MULLaRP अनुसंधान परियोजना	मसूर की अधिक उपज प्राप्त करने की सिफारिश
5.	अखिल भारतीय समन्वित शुष्कफली अनुसंधान परियोजना	ग्वार किस्म करण ग्वार 14/आर.जी.आर. 18-1 (नवम्बर, 2022)
6.	अखिल भारतीय समन्वित बीज प्रौद्योगिकी अनुसंधान परियोजना	कई फसलों के अंकुरण परीक्षण
7.	अखिल भारतीय समन्वित मूंगफली अनुसंधान परियोज	राज मूंगफली 4/आर.जी. 638 (नवम्बर, 2022)
8.	अखिल भारतीय समन्वित सब्जी अनुसंधान परियोजना	तीन प्रशिक्षण (1. डिंडोल 2. झिलाई 3. लालसोट) कार्यक्रम टी एस पी योजना के अंतर्गत किये गये।
9.	अखिल भारतीय समन्वित एकीकृत कृषि प्रणाली अनुसंधान परियोजना	वर्मीकम्पोस्ट इकाई, एजोला इकाई एवं एक चौपाल विकसित की गई।
10.	अखिल भारतीय समन्वित खरपतवार नियंत्रण अनुसंधान परियोजना (वोलिन्टियर सेन्टर)	1. किसानों की आय बढ़ाने के लिए जैविक और रासायिनक विधि से खरपतवार को नियंत्रण की योजना को स्वीकृत कराई गई। 2. पारथेनियम जागरूक सप्ताहिक अभियान, अगस्त, 2022
11.	अखिल भारतीय समन्वयक मृदा आर्थ्रोपोड्स परियोजना	मैथोक्सी बैंजीन से नैनो जेल बनाया गया जिससे सफेद लट प्रभावित क्षेत्रों में सफेद लट को नियंत्रण किया जा सकता है।
12.	अखिल भारतीय समन्वयक कीटनाशक अवशेष परियोजना	सब्जीयों और फलों के नमूनों का संरक्षण एवं कीटनाशकों के अवशेषों का विशलेषण किया गया।
13.	अखिल भारतीय समन्वित सुत्रकर्मी परियोजना	मृदा में सुत्रकर्मी प्रबंधन पर कार्य किया गया
14.	ग्रामीण कृषि मौसम सेवा	मौसम पूर्वानुमान के अनुसार उचित फसल प्रबंधन हेतु हर सप्ताह दो मौसम आधारित कृषि सलाह जारी की गयी
	श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर	
1.	अखिल भारतीय समन्वित तारामीरा अनुसन्धान परियोजना	तारामीरा की नई किस्मों का उन्मोदन किया गया तथा उत्पादन बढ़ाने हेतु सिफारिशें की गयी।
2.	अखिल भारतीय समन्वित मसाला अनुसन्धान परियोजना	सौंफ की नई किस्मों का विकास किया गया तथा विभिन्न मसाला फसलों के उत्पादन बढ़ने हेतु सिफारिशें की गयी ।
3.	अखिल भारतीय समन्वित शुष्क क्षेत्रीय फल अनुसन्धान परियोजना	विभिन्न शुष्क क्षेत्रीय फलोत्पादन बढ़ने हेतु कार्य किये गए

विकसित प्रौद्योगिकी, तकनीकी एवं सिफारिशें :- विश्वविद्यालय में प्रत्येक वर्ष दो प्री जर्क बैठकें की जाती हैं। जिनमें विश्वविद्यालय में होने वाले शोध कार्यों की समीक्षा की जाती हैं। इन समीक्षाओं के आधार पर जर्क बैठकें (वर्ष में 02) होती है। जिनमें विकसित प्रोधौगिकी पर चर्चा करने के उपरान्त इन्हें किसानों द्वारा अपनाने के लिए सिफारिशें स्वीकृत की जाती है। प्री जर्क व जर्क की ये बैठकें कृषि जलवायु क्षेत्रों के अनुसार की जाती है। इस प्रतिवेदन वर्ष में सम्पन्न हुई प्री जर्क व जर्क की बैठकों का विवरण निम्न प्रकार है।

जोन	अनुसंधान केन्द्र	प्री-जर्क बैठके		जर्क बैठके	
		खरीफ, 2022	रबी 2022	खरीफ 2022	रबी 2022
II A	कृषि अनुसंधान केन्द्र, फतेहपुर-शेखावटी	22 मार्च, 2022	07 सितम्बर, 2022	19-20 अप्रैल, 2022	22-23 सितम्बर, 2022
III A	राजस्थान कृषि अनुसंधान संस्थान, दुर्गापुरा	24-25 फरवरी, 2022	23-24 अगस्त, 2022	6-7 अप्रैल, 2022	29-30 अगस्त, 2022
III B	कृषि अनुसंधान केन्द्र, नवगाँव	10 फरवरी, 2022	29 अगस्त, 2022	15-16 मार्च, 2022	सितम्बर 14-15, 2022

इस प्रतिवेदन वर्ष में श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर के द्वारा निम्न तकनीकियों की सिफारिश की गई:

जोन-II A

1. मूंग फसल में खरपतवार नियन्त्रण हेतु इमेजाथाइपर 10 प्रतिशत एसएल खरपतवारनाशी 80 ग्राम सक्रिय तत्व प्रति हेक्टयर की दर से 500-600 लीटर पानी में धोलकर बुवाई से 25 दिन बाद छिड़काव करें अथवा 25 दिन की फसल अवस्था पर निराई गुडाई कर खरपतवार नियन्त्रण करें यदि आवश्यकता हो तो प्रथम निराई गुडाई के 15 दिन बाद दुसरी निराई गुडाई करें।
2. ग्वार फसल में अधिक तापमान की स्थिति में 40-50 दिन की फसल अवस्था पर सेलिसीलिक अम्ल 200 पीपीएम (200 मिलीग्राम प्रति लीटर) की दर से पर्णीय छिड़काव करने पर पैदावार में वृद्धि होती है ।
3. जिन मृदाओ में लोह तत्व की कमी है वहां पर बाजरा फसल में बुवाई से पूर्व फेरस सल्फेट (19 प्रतिशत आयरन) 15 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से उपयोग करें। खड़ी फसल में जिंक की कमी के लक्षण दिखाई देने पर जिंक सल्फेट 33 प्रतिशत का 0.5 प्रतिशत की दर से घोल बनाकर छिड़काव करें।
4. ग्वार की फसल में जड़ गलन रोग का उपचार :- भूमि उपचार -जड़ गलन रोग की रोकथाम हेतु 5-10 किलोग्राम टाइकोडर्मा हरजेनियम प्रति हेक्टयर की दर से 50-100 किलोग्राम नमी युक्त गोबर की खाद में मिलाकर 15 दिन तक छाया में रखे एवं उसे नम रखकर बुवाई के समय समान रूप से बिखेर कर भूमि उपचार कर बुवाई करें।
5. बीज उपचार जड़ गलन रोग के नियत्रण हेतु टेबुकोनाजोल 2 ग्राम या ट्राइकोडर्मा हरजेनियम 10 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज की दर से बीज उपचारित करें।
6. मूंगफली में सफेद लट की रोकथाम :- सफेद लट की रोकथाम के लिए इमिडाक्लोप्रिड 600 ग्राम एफएस 6.5 ग्राम या क्लोथिआनिडिन 50 डब्लूडीजी 2 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचारित करें ।
7. बाजरा में सफेद लट :- सफेद लट के प्रबन्धक के लिए इमिडाक्कलोप्रिड 600 एफएस 6.5 या क्लोथिआनिडिन 50 डब्लूडीजी 2 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचारित करें।
8. शुष्क क्षेत्र में वर्षा आधारित बालुई मृदा में हार्डविकिया बायनेटा (अंजन) पेड वर्ष मे ब्लाक प्लानटेशन 5ग5 मी. अन्तराल 400 पेड प्रति हेक्टेर घनत्व में लगाकर उच्चतम आयतन 0.37 मी. 3 प्रति पेड तथा 146.51 मी3 प्रति हैक्टेयर प्राप्त किया जा सकता है। अतः यह पेड उपरोक्त घनत्व में लगाने पर सर्व श्रेष्ठ आयतन वृद्धि देता है।
9. शुष्क क्षेत्र में वर्षा आधारित 15 वर्ष पुराने हार्डविकिया बायनेटा कृषि वन पद्धति में विभिन्न खरीफ फसलो के उत्पादन में बिना पेड की तुलना में 10 से 32 प्रतिशत कमी होती है अतः इस पेड के साथ कृषि फसलें 15 वर्ष तक लेना ही उचित है।
10. शुष्क क्षेत्र में वर्षा आधारित खेजडी कृषि वन पद्धति में विभिन्न फसलों के उत्पादन में बिना पेड की तुलना में वृद्धि पायी गई है जिसमें सर्वोतम वृद्धि ग्वार (23 प्रतिशत) चवला एवं बाजरे में (21 प्रतिशत) पाई गई है। अतः कृषि वन पद्धति में खेजडी के साथ उपरोक्त कृषि फसलों को लेना लाभदायक है।
11. लवण युक्त पानी का उपयोग सिंचाई के उद्देश्य से सावधानीपूर्वक जैविक मल्चिंग का उपयोग करना चाहिए ताकि मिट्टी में लवण की मात्रा फसल की जड क्षेत्र में सबसे कम और मिट्टी के लवणीकरण कर प्रकिया को कम किया जा सके। खारे पानी में सरसों की किस्मों एन आर सी एच बी 101 और गिरीराज अन्य किस्मों सी एस-60 की तुलना में पानी की सीमित उपलब्धता में अच्छा प्रदर्शन किया इसलिए खारे पानी वाले क्षेत्रों में ऐसी किस्मों का चयन उचित रहेगा जो लवण का अवशोशण करके मिट्टी में लवण की मात्रा का संतुलन बनाए रखें।
12. बाजरा की संकर किस्में :- आर.एच.बी. 223 एवं एम.पी.एम.एच. 21
13. जौ की संकर किस्में :- आर.डी. 2907

जोन-III A

1. बाजरे की फसल में खरपतवारों के प्रभावी नियंत्रण करने व अधिकतम शुद्व आय प्राप्त करने हेतु बुवाई के तुरन्त बाद एट्राजिन (50WP) शाकनाशी 500 ग्राम सक्रिय तत्व का प्रति हैक्टेयर की दर से छिड़काव करके 15 से 20 दिन बाद टेंबोट्रीओन 42 प्रतिशत एस. सी. शाकनाशी का 90 ग्राम सक्रिय तत्व 500 लीटर पानी में में मिलाकर प्रति हैक्टेयर की दर से छिड़काव करें।
2. सिफारिश की गई उर्वरकों की मात्रा के साथ मूंगफली के बीजों को तरल राइजोबियम, पी एस बी एवं गंधक घोल जैव उर्वरकों से बीजोंपचार करने से मूंगफली की उपज, शुद्व आय एवं में अधिकतम लागत अनुपात प्राप्त होता है।
3. बाजरे की खड़ी फसल में सफेद लट एवं दीमक की रोकथाम के लिए कीटनाशक इमिडाक्लोप्रिड 17.8 एस एल का 60 ग्राम सक्रिय तत्व बुवाई के 21 दिन पश्चात प्रति हैक्टेयर उपयोग करें।
4. भिंण्डी में पीत शिरा मोजैक नामक रोग के समन्वित प्रबन्धन हेतु थायोमिथोक्साम 30 प्रतिशत एफ. एस. 4 ग्राम/ किग्रा बीज की दर से बीजोपचा के साथ - साथ पाइरीप्रोक्सीफेन (5 प्रतिशत ई.सी.), फेनप्रोपेथरीन (15 प्रतिशत ईसी) 1 मिली./लीटर, स्पाइरोमिसीफेन (22.9 प्रतिशत एस.सी.) 1 मिली. /लीटर, ब्यूपरोफेजीन (25 प्रतिशत एस.सी) 2 मि.ली./लीटर ओर नीम का तेल 3 मि. ली./ लीटर की दर से 10 दिवस के अन्तराल से अनुकर्मिक छिडकाव करने की अनुशंषा प्रस्तावित है।
5. ग्वार की फसल में सर्वाधिक उपज व लाभ प्राप्त करने के लिए एन. पी. के. (19:19:19) के एक प्रतिशत घोल (10 ग्राम प्रति लीटर) का पर्णीय छिड़काव 45 व 65 दिन की अवस्था पर करें।
6. मूंग की फसल में कीटों के नियंत्रण हेतु कार्बेन्डाजिम (2.0g/Kg), थायोमेथाक्जाम (50g/Kg), एवं राईजोबियम (25.0g/Kg), से बीज उपचारित करके बुआई करें एवं कीटों को आकृषित करने हेतु बाजरे की एक लाईन खेत के चारों तरफ लगायें तथा खेत में 10 फेरोमेनपाश एवं 50 पीलेचिपचिपेपाश प्रति हैक्टेयर लगाये। नीम तेल (1500 पी पी एम) 1.5 मिली प्रति लीटर पीन में मिलाकर बुआई के 30 दिनों बाद करें तथा
क्लोरेट्रानिलिप्रोल 18.5 एस सी कीटनाशक 0.20 मिली प्रति लीटर पानी में मिलाकर प्रथम छिड़काव के 10 दिनों बाद करने से कीटों को नियंत्रण किया जा सकता है।
7. चवला की फसल में रस चुसक कीटों के नियंत्रण हेतु कीट दिखने पर जैविक कीटनाशक वेर्टीसिलियमलेकानीका प्रथम छिड़काव 5 मिली प्रति लीटर के हिसाब से पानी में मिलाकर करे तथा दूसरे छिड़काव व फूल आने की अवस्था पर करें।
8. मूंगफली की फसल में भूमिगत पिडकों के समन्वित प्रबन्ध हेतु बुआई से पहले भूमि में नीम की खली 250 कि.ग्रा. प्रति हैक्टेयर की दर से डालें और कीटनाशक दवा ईमिडाक्लोप्रिड 600 एफ. एस. से 6.5 मि.ली. प्रति कि. ग्रा. बीज की दर से बीजोपचार करके बुआई करें। इसके बाद ब्यूवेरिया बेसियाना का 0.5 ग्राम प्रति मीटर^2 की दर से बुआई के 15 दिन बाद डालें और बुआई के 21-25 दिन बाद कीटनाशक दवा ईमिडाक्लोप्रिड 17.8 एस. एल. का 300 मि.ली. प्रति हैकटेयर की दर से डालें।
9. टमाटर में जड़-गाँठ (मूल ग्रन्थि) सूत्र—मि के नियंत्रण के लिए पेसिलोमिसिस लिलासिनस (पर्प्यूरोसिलियम लिलासिनम) जैव कारक मात्रा 10 ग्राम प्रति वर्ग मीटर की दर से पौधशाला (नर्सरी) में भूमि उपचार हेतु उपयोग करें। भिन्डी की देशी किस्म को ट्रैप फसल हेतु लगाये तथा अंकुरण के 18 दिन बाद भिन्डी को जड़ सहित उखाड़ कर उस स्थान पर टमाटर की पौध लगावें।
10. मूंगफली की गुच्छेदार किस्में जिनका औसत सौ दानों का भार 40 ग्राम होता है तथा अनुशंषित कतार से कतार व पौधे से पौधे की दूरी 30x10 सेमी.होती है। उनके लिए 100 किलोग्राम बीजदर प्रति हैक्टेयर सिफारिश की जाती है। मूंगफली की विस्तारी एवं अर्द्व-विस्तारी किस्में जिनकी अनुशंषित कतार से कतार व पौधे से पौधे की दुरी 40-45x10 सेमी. होती है उनके लिए इनके औसत सौ दानों का भार को आधार मानते हुए निम्नानुसार बीजदार की सिफारिश की जाती है।

सौ दानों का भार (ग्राम)	बीजदर किलोग्राम प्रति हेक्टेयर
40-50	100-110
50-60	120-140
60-70	145-160
70-80	165-185
80-90	190-210

11. जयपुर और दौसा क्षेत्र में गेहूं की फसल में उच्च उत्पादकता और अधिकतम शुद्ध लाभ के लिए 125 किग्रावजन, 25 किग्रा फोसफोरसत्र 37 किग्रा पोटाश प्रति हैक्टेयर की दर से सिफारिश की जाती है।

12. टेबूकोनाजोल 50 प्रतिशत + ट्राईफ्लोक्सिस्ट्रोबिन 25 प्रतिशत डबल्यू. जी. नामक कवकनाशी के 0.06 प्रतिशत की दर से दो पर्णीय छिडकाव, पहला रोग दिखाई देते ही तथा दुसरा छिडकाव 15 दिनों के अंतराल पर करने से गेंहूँ में पीली रोली रोग का प्रषवी नियंत्रण किया जा सकता हैं।

13. जिंक सल्फेट की आधी अनुशंषित मात्रा (मृदा परीक्षण के आधार पर) बुवाई के समय डालने के बाद 0.5 प्रतिशत जिंक सल्फेट (5 ग्राम प्रति लीटर पानी) फूल आने पर दाने की प्रारंभिक दुधिया अवस्था करने से जौ के दाने में जिंक की मात्रा बढ़ने के साथ फसल की उत्पादकता और शुद्ध आय में बढ़ोतरी होती है।

14. टेबूकोनाजोल 50 प्रतिशत + ट्राईफ्लोक्सिस्ट्रोबिन 25 प्रतिशत डबल्यू जी नामक कवकनाशी के 0.06 प्रतिशत अथवा पिकोक्सिस्ट्रोबिन 7.05 प्रतिशत + प्रॉपिकोनाजोल 11.7 प्रतिशत एस.सी. 0.1 प्रतिशत की दर से दो पर्णीय छिडकाव, पहला रोग दिखाई देते ही तथा दुसरा छिडकाव 15 दिनों के अंतराल पर करने से जौ में पीली रोली रोग का प्रषवी नियंत्रण किया जा सकता हैं।

15. चने की फसल में फली छेदक (हेलिकोवेर्पा आर्मीजेरा) कीट के नियंत्रण हेतु प्रथम छिड़काव 50 प्रतिशत फूल आने की अवस्था में क्लोरेंट्रानिलिप्रोल 18.5 एस सी कीटनाशक 0.25 मिली प्रतिलीटर पानी में मिलाकर एवं दूसरा छिड़काव यदि आवश्यक हो तो प्रथम छिड़काव के 15 दिनों बाद करें।

16. मसूर की अधिक उपज प्राप्त करने हेतु 1 किलो ग्राम बोरोन (5 किग्रा 20 प्रतिशत बी) प्रति हैक्टेयर बुवाई के समय एवं पी.पी.एम. बोरोन (2 ग्राम प्रति लीटर पानी 20 प्रतिशत बी) का छिड़काव फूल आने की अवस्था पर करें।

17. चवला की हरी फली की अधिकतम उपज एवं शुद्ध लाभ प्राप्त करने के लिए बुआई 1 मार्च से 16 मार्च के बीच करनी लाभदायक रहती है।

18. संरक्षित खेती (प्रोटेक्टिव कल्टीवेशन) में टमाटर में जड़-गांठ (मूल-ग्रंथि) सूत्र—मि के नियंत्रण के लिए फ्लुओपायरम (वेलम प्राइम) 34.48 % एस. सी. की 0.625 एम. एल. मात्रा एक लीटर पानी में घोलकर समान मात्रा मेंदस पौधों में उपयोग करें। या 1.25 लीटर मात्रा प्रति हेक्टर की दर से पौध रोपण के तीन सप्ताह (21दिन) बाद 750 से 1000 लीटर पानी में घोल कर जड़ क्षेत्र में भूमि उपचार (सोईल ड्रेंचिंग) प्रति हेक्टर की दर से उपयोग करें। इस सूत्रकृमि नाशी का उपयोग बूंद-बूंद (ड्रिप) सिंचाई के साथ भी किया जा सकता हैं।

19. बैंगन में जड़-गांठ (मूल-ग्रंथि) सूत्रकृमि के नियंत्रण के लिए फ्लुओपायरम 34.48 %एस. सी. की 0.625 एम. एल. मात्रा एक लीटर पानी में घोलकर समान मात्रा मेंदस पौधों में उपयोग करें। या 1.25 लीटर मात्रा प्रति हेक्टर की दर से पौध रोपण के तीन सप्ताह (21दिन) बाद 750 से 1000 लीटर पानी में घोल कर जड़ क्षेत्र में भूमि उपचार (सोईल ड्रेंचिंग) प्रति हेक्टर की दर से उपयोग करें। इस सूत्र—मि नाशी का उपयोग बूंद-बूंद (ड्रिप) सिंचाई के साथ भी किया जा सकता हैं।

20. जीरे में उखटा रोग के प्रभावी प्रबंधन हेतु आई सी ए आर - फ्यूजीकोन्ट तकनीकी - 'बायोराज' (ट्राइकोडर्मा रीसी) 3 प्रतिशत घुलनशील चूर्ण से 50 ग्राम / किलो बीज की दर से बीजोपचार के बाद 30 दिन की फसल पर सवंर्धित कल्चर 5०० किलोग्राम/ हैक्टयर (5.0 किलो संवर्ध + 1 किलो गुड को 250 लीटर पानी में मिलाकर रात भर छोडें) की दर से पर्णीय छिडकाव करना प्रभावी पाया गया।

जोन-III B

1. एचएचबी-299 बाजरा किस्म को खंड संख्या 3 बी की पीओपी में शामिल किया गया।
2. टेबुकोनाज़ोल 25.9 प्रतिशत ईसी का 0.1 दर से छिड़काव का मूंग में सर्कोस्पोरा लीफ स्पॉट रोग के नियंत्रण के लिए खंड संख्या 3 बी की पीओपी में शामिल किया गया ।
3. थायमेथोक्सम 25 प्रतिशत डब्ल्यू जी का 25 ग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से मूंग की फसल में सफ़ेद मक्खी के नियंत्रण के लिए खंड संख्या 3 बी की पीओपी में शामिल किया गया
4. थायमेथोक्सम 75 प्रतिशत डब्ल्यूएस जी का 150ग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से बाजरा में सफ़ेद लट के नियंत्रण के लिए खंड संख्या 3बी की पीओपी में शामिल किया गया ।
5. सरसों की फसल में बुवाई के 50 दिन बाद 75 प्रतिशत आरडीएफ (60:30:30 किग्रा. एनपीके) + एनपीके 19:19:19 का 2 प्रतिशत की दर से छिड़काव करना खंड संख्या 3 बी को पीओपी में शामिल किया गया ।

6. टी. विरिडी एवं फ्लोरेसेंस / 3 ग्राम प्रति किलो बीज की दर से उपचार के साथ ही मृदा में 2.5 किग्रा प्रत्येक/हेक्टेयर की दर से बायोएजेंट्स का प्रयोग चना की फसल में जड. सड.ंध के प्रबंधन के के लिए खंड संख्या 3 बी की पीओपी में शामिल किया गया ।
7. एज़ोक्सिस्ट्रोबिन 23 प्रतिशत एससी का 1.0 मिली प्रति लीटर पानी में डालकर सरसों में अल्टरनेरिया झुलसा रोग की रोकथाम के लिए खंड संख्या 3 बी की पीओपी में शामिल किया गया ।
8. सरसों की फसल में सिफारिश की गयी उर्वरक मात्रा (80:40:40 किग्रा. एन पी के और 25 किग्रा. जिंक सल्फेट) के साथ 1 किग्रा. प्रति हेक्टेयर बोरेक्स के द्वारा बोरॉन का अधिक उपज प्राप्त करने के लिए उपयोग लेना खंड संख्या 3 बी की पीओपी में शामिल किया गया ।
9. 25.9 प्रतिशत ईसी 1.0 मिली/लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करना खंड संख्या 3 बी की पीओपी में शामिल किया गया ।
10. चना में जड़ सड़न के प्रबंधन के लिए कार्बोक्सिन 37.5 प्रतिशत + थीरम 37.5 प्रतिशत 2 ग्राम / किग्रा बीजोपचार + एफवाईएम के साथ टी. हार्ज़ियानम 5 किग्रा / हेक्टेयर की दर से मिट्टी में प्रयोग करना खंड संख्या 3 बी की पीओपी में शामिल किया गया ।
11. जौ की फसल में प्रोम (फास्फेट युक्तजैविक खाद)का बुवाई के साथ 300 किग्रा प्रति हेक्टेयर के प्रयोग की सिफारिश की गई जो की अकेले डीएपी की तुलना में अधिक उपज देता है खंड संख्या 3 बी की पीओपी में शामिल किया गया ।

बीज उत्पादन

	प्रजनक बीज			सत्य चिन्हित बीज		
वर्ष	खरीफ	रबी	योग	खरीफ	रबी	योग
2014-15	135.75	2489.5	2625.25	-	-	-
2015-16	202.89	1475.72	1678.61	157.67	647.44	805.11
2016-17	460.38	2591.07	3051.45	229.67	854.28	1083.95
2017-18	349.78	2165.86	2515.64	240.24	962.62	1202.86
2018-19	317.34	3046.35	3363.69	277.28	1734.78	2012.06
2019-20	333.69	2602.89	2936.58	218.41	2463.65	2682.06
2020-21	382.70	2320.47	2703.17	382.40	1751.53	2133.93
2021-22	535.34	2336.07	2871.41	251.40	3222.17	3473.57

अ. प्रजनक बीज उत्पादन-रबी 2021-22

क्र.स.	फसल	किस्म	क्षेत्रफल (हेक्टेयर)	उत्पादन (क्विंटल)
1.	गेंहूं	राज-4238, राज-4079, राज-4120, राज-4037, राज-3765, राज-3077, राज-1482	68.0	1955.33
2.	जौ	आरडी-2899, आरडी-2794, आरडी-2907, आरडी-2035, आरडी-2849	9.0	306.20
3.	तारामीरा	आर.टी.एम.-1351, आर.टी.एम.-1355	1.50	4.00
4.	चना	सी.एस.जे-515, जी.एन.जी.-2171	5.50	68.04
5.	मटर	एच एफ पी 529	1.00	2.50
		कुल योग	58.80	535.34

ब. प्रजनक बीज उत्पादन-खरीफ 2022

क्र.स.	फसल	किस्म	क्षेत्रफल (हेक्टेयर)	उत्पादन (क्विंटल)
1.	ग्वार	आर.जी.सी-1033,आर.जी.सी-1038,आर.जी.आर-12.1 करणग्वार,आर.जीसी-1066	15.00	103.17
2.	मूंग	एम.एस.जे-118,एम.एच-421,शिखा,आर.एम.जी-975, आई.पी.एम-02-3	20.00	75.91
3.	चावल	आर.सी-19, आर.सी-101	3.40	12.38
4.	उड़द	एम.यू-2, प्रताप उड़द-1	4.00	14.10
5.	मूंगफली	आर.जी-510 (राज मूंगफली-1), आर जी-578 (राज मूंगफली-2), आर जी-559-3 (राज मूंगफली-3)	16.00	329.08
6.	बाजरा	आर.आई.बी-494 (आर.एच.बी-177), आर.आई.बी-92 (आर.एच.बी-173), आर.आई.बी- 3135-18 (आर.एच.बी-223), आर.आई.बी-15176 (आर.एच.बी-233)	0.40	0.70
		कुल योग	58.80	535.34

स. प्रजनक बीज उत्पादन-खरीफ 2022

क्र.स.	फसल	किस्म	क्षेत्रफल (हेक्टेयर)	उत्पादन (क्विंटल)
1.	सरसों	डी आर एम आर आई जे-31 (गिरिराज), बायो-902, डी. आर. एम. आर 1165-40 एन आर सी एच बी-101	96.40	1330.33
2.	गेंहु	राज - 4238, राज - 3765, राज-3077, राज - 4079 एच. डी. 3226, डी. बी. डबल्यू 187	20.00	75.91
3.	जौ	आर.डी. 2907, आर.डी. 2794, आर डी. 2786, आर.डी. 2052, आर. डी. 2899, आर.डी. 2035, डी. डबल्यू. आर. बी. 137, डी. डबल्यू. आर. बी. 160	33.98	748.89
4.	चना	सी.एस.जे 515, आर.एस.जी 902, जी. एन. जी. 2144, जी. एन. जी. 2171	31.85	471.46
5.	तारामीरा	आर टी एम 314, आर टी एम 1351, आर टी एम 1355	20.00	41.05
6.	मैथी	आर एम टी 1, आर एम टी 305, पूसा कसुरी	7.38	65.69
7.	मसूर	आर.एल. जी. 5	2.75	21.81
8.	सौंफ	आर.एफ. 290, आर. एफ. 125,	4.70	25.23
9.	धनिया	आर.सी. आर. 435, आर. सी. आर. 436	1.00	2.87
		कुल योग	224.21	3222.17

द. सत्य चिन्हित बीज उत्पादन (TFL) खरीफ 2022

क्र.स.	फसल	किस्म	क्षेत्रफल (हेक्टेयर)	उत्पादन (क्विंटल)
1.	ग्वार	आर.जी.सी.-1003, आर.जी.सी.-1055, आर.जी.सी.-1066, आर.जी.सी.-1038,	40.00	153.37
2.	मूंग	एम.एच.-421, सम्राट, आर.एम.जी-492, आर. एम.जी-975	14.5	81.53
3.	मूंगफली	टीजी 37ए	2.00	16.30
4.	तिल	आर.टी.-351	0.1	0.20
		कुल योग	58.80	535.34

- **सब्जी बीज उत्पादन कार्यक्रम**- विश्वविद्यालय के विभिन्न प्रक्षेत्रों पर सब्जियों में बीज उत्पादन कार्यक्रम प्रारम्भ किया गया है। इसके तहत् श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर के उद्यान विज्ञान प्रक्षेत्र एंव प्रसार शिक्षा निदेशालय के अधीन केरिया फार्म पर सब्जियों का बीज उत्पादन प्रारम्भ किया गया है। इन सब्जियों में प्रमुखतः लौकी, तुरई, भिण्डी, पालक, प्याज, चंवला, ग्वार फली आदि सम्मलित हैं।

8. प्रसार शिक्षा निदेशालय

श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविधालय, जोबनेर के प्रसार शिक्षा निदेशालय का मुख्य उद्देश्य प्रशिक्षण, प्रर्दशन कृषि सलाह व अन्य प्रसार माध्यमों से उन्नत एवं प्रभावी कृषि प्रौधोगिकी का हस्तान्तरण कर कृषि एवं ग्रामीण क्षेत्रो का संर्वागीण विकास करना है। प्रसार शिक्षा निदेशालय की दो मुख्य इकाईयां कृषि प्रौधोगिकी सूचना केन्द्र व प्रसार शाखा जोबनेर मुख्यालय पर कार्यरत है। प्रसार शिक्षा निदेशालय के क्षेत्राधिकार में राज्य के 8 जिले आते है जिनमें आठ कृषि विज्ञान केन्द्र है जो निम्न स्थानों पर स्थित है।

1. कृषि विज्ञान केन्द्र, तबीजी, अजमेर
2. कृषि विज्ञान केन्द्र, दौसा
3. कृषि विज्ञान केन्द्र, कुम्हेर, भरतपुर
4. कृषि विज्ञान केन्द्र, गोनेडा- कोटपुतली, जयपुर
5. कृषि विज्ञान केन्द्र, नवगॉव, अलवर
6. कृषि विज्ञान केन्द्र, फतेहपुर, सीकर
7. कृषि विज्ञान केन्द्र, धौलपुर
8. कृषि विज्ञान केन्द्र अरणियां, सीकर

1. प्रशिक्षण एवं प्रदर्शन

कृषि विज्ञान केन्द्र का नाम	केन्द्र पर आयोजित प्रशिक्षण		गाँवों में आयोजित प्रशिक्षण		प्रथम पंक्ति प्रर्दशनों का आयोजन		आयोजित परीक्षण (ओएफटी)	
	संख्या	लाभान्वित	क्षेत्रफल (हैक्टेयर)	लाभान्वित	क्षेत्रफल (हैक्टेयर)	लाभान्वित	संख्या	लाभान्वित
कृषि विज्ञान केन्द्र, तबीजी, अजमेर	29	719	11	220	71	185	03	62
कृषि विज्ञान केन्द्र, फतेहपुर, सीकर	13	286	27	648	156.6	391	40	40
कृषि विज्ञान केन्द्र, कुम्हेर, भरतपुर	17	771	20	512	14	623	1	10
कृषि विज्ञान केन्द्र, नवगाँव, अलवर	38	1232	48	1686	117	255	6	60
कृषि विज्ञान केन्द्र, दौसा	28	719	22	541	183.2	458	2.0	20
कृषि विज्ञान केन्द्र, धौलपुर	20	706	27	712	332.4	876	5	42
कृषि विज्ञान केन्द्र, कोटपुतली, जयपुर	19	696	11	253	13	484	4	55
कृषि विज्ञान केन्द्र, अरणियां, सीकर	09	370	23	576	10.0	250	02	20
प्रसार शिक्षा निदेशालय	17	858	12	423	15	45	0	0
कुल	**190**	**6357**	**201**	**5571**	**912.2**	**3567**	**63**	**309**

केवीके, दौसा

केवीके, कुम्हेर, भरतपुर

केवीके, नवगाँव, अलवर

केवीके, धौलपुर

प्रशिक्षण कार्यक्रम

कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा की गई अन्य प्रसार गतिविधियां-

कृषि विज्ञान केन्द्र का नाम	प्रक्षेत्र दिवस		विभिन्न दिवस व कार्यक्रम		किसान मेला		प्रर्दशनी	
	संख्या	लाभान्वित	संख्या	लाभान्वित	संख्या	लाभान्वित	संख्या	लाभान्वित
कृषि विज्ञान केन्द्र, तबीजी, अजमेर	06	362	603	15552	01	1383	10	12039
कृषि विज्ञान केन्द्र, फतेहपुर, सीकर	07	368	36	1404	02	620	07	210
कृषि विज्ञान केन्द्र, कुम्हेर, भरतपुर	08	280	10	735	02	898	05	15950
कृषि विज्ञान केन्द्र, नवगॉव, अलवर	05	279	18	1024	04	1578	03	865
कृषि विज्ञान केन्द्र, दौसा	07	214	10	1496	04	1640	05	8018
कृषि विज्ञान केन्द्र, धौलपुर	19	890	24	1056	03	1455	01	877
कृषि विज्ञान केन्द्र, कोटपुतली, जयपुर	06	226	19	1245	03	1009	01	3500
कृषि विज्ञान केन्द्र, अरणियां, सीकर	01	83	08	270	02	510	00	00
प्रसार शिक्षा निदेशालय	01	22	01	70	01	7000	03	9000
कुल	60	2724	729	22852	22	16093	35	50459

कृषि विज्ञान केन्द्र, अजमेर

कृषि विज्ञान केन्द्र, धौलपुर

प्रक्षेत्र दिवस

कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा की गई अन्य प्रसार गतिविधियां-

कृषि विज्ञान केन्द्र का नाम	रेडियो वार्ता/टीवी वार्ता		कृषक भ्रमण		कृषक वैज्ञानिक संवाद	
	संख्या	लाभान्वित	संख्या	लाभान्वित	संख्या	लाभान्वित
कृषि विज्ञान केन्द्र, तबीजी, अजमेर	-	-	105	453	01	38
कृषि विज्ञान केन्द्र, फतेहपुर, सीकर	01	-	27	816	02	57
कृषि विज्ञान केन्द्र, कुम्हेर, भरतपुर	01	जनसमुदायक	02	220	02	390
कृषि विज्ञान केन्द्र, नवगाँव, अलवर	08	जनसमुदायक	15	782	02	63
कृषि विज्ञान केन्द्र, दौसा	07	जनसमुदायक	01	153	02	60
कृषि विज्ञान केन्द्र, धौलपुर		-	08	248	05	240
कृषि विज्ञान केन्द्र, कोटपुतली, जयपुर	10	-	08	871	10	394
कृषि विज्ञान केन्द्र, अरणियां, सीकर	04	-	01	120	00	00
प्रसार शिक्षा निदेशालय	-	-	10	269	03	320
कुल	18	-	177	3932	27	1562

कृषि विज्ञान केन्द्र
नौगाँव, अलवर

1.कृषि विज्ञान केन्द्रों पर प्रर्दशन इकाईयां–

कृषि विज्ञान केन्द्र का नाम	प्रर्दशन इकाई का नाम	उत्पादन
कृषि विज्ञान केन्द्र कोटपुतली, जयपुर	पौधशाला	52800 पौध
	बकरी पालन	12 बकरीया
	नेपियर हरा चारा	25300 कटिंग
	अजौला	25
	केंचुआ	23.63 किलोग्राम
	वेस्टडीकम्पोजर	–
	दूध	215 लीटर
कृषि विज्ञान केन्द्र, दौसा	वर्शा जल संग्रहण इकाई	–
	केंचुआ खाद इकाई	210.0 किग्रा
	अजोला इकाई	8.0 किग्रा
	मदर ओर्चार्ड इकाई	–
	नर्सरी इकाई	11365 पौधे
	पोशण वाटिका	–
	कॉप कैफेटेरिया	–
	बीज उत्पादन इकाई	115.1 क्विंटल
	बकरी पालन इकाई	6.0
कृषि विज्ञान केन्द्र, कुम्हेर भरतपुर	केंचुआ खाद इकाई	5100
	अजोला इकाई	–
	मदर ओर्चार्ड इकाई	3700
	नर्सरी इकाई	–
	पशुपालन इकाई	–
कृषि विज्ञान केन्द्र नवगॉव, अलवर	बकरी पालन इकाई	9
	केंचुआ इकाई	30 किलोग्राम
	केंचुआ खाद इकाई	500 किलोग्राम
	अजोला इकाई	40 किलोग्राम
	मदर ओर्चाड इकाई	25 क्विंटल आवंला फल
	नर्सरी इकाई	सब्जियों की पौध 136500, फलों की पौध 1520, अन्य पोधे 530
	पशुपालन इकाई	–
	गिर गाय इकाई	1 बछिया दूध ¾ 414 लीटर
कृषि विज्ञान केन्द्र फतेहपुर, सीकर	नर्सरी ईकाई	1.40 लाख पौध (टमाटर, मिर्ची, बेगन, गोभी) 550 पौधे (नीम, सहजन, लसोड़ा जामुन इत्यादि)
	कैंचुआ ईकाई	600 किलो खाद उत्पादन
	मातृ वृक्ष बगीचा	अनार, सेव, अजीर, लसोड़ा एवं बेर
	बकरी पालन	बकरी नर बच्चे 04, बकरी मादा बच्चे 10
	मुर्गीपालन	55 हजार
	जल संग्रहण इकाई	–
	गाय पालन इकाई	50 हजार
	नेपियर ग्रास इकाई	–

कृषि विज्ञान केन्द्र तबीजी, अजमेर	केंचुआ इकाई	623.5 किलोग्राम
	केंचुदा खाद इकाई	3720.5 किलोग्राम
	अजोला इकाई	266 किलोग्राम
	मदर ओर्चार्ड इकाई	Rs. 75500
	नर्सरी इकाई	Rs. 45377
	पशुपालन इकाई	Rs. 136950
	मशरूम उत्पादन इकाई	Rs. 37000
	हाइड्रोपोनिक इकाई	-
कृषि विज्ञान केन्द्र धौलपुर	केंचुदा खाद इकाई	25 किलो
	अजोला इकाई	50 किलो
	बैर एवं आंवला ओर्चार्ड इकाई	250 किलो एवं 350 किलो
	नर्सरी इकाई	37000
	पशुपालन इकाई	-
	गाय पालन इकाई	दूध उत्पादन- 203 किलो, गोबर 4.5 वि.
	मुर्गीपालन	अण्डा-97, मीट-125.7 किलो
प्रसार शिक्षा निदेशालय	नर्सरी इकाई	20000

माननीय केन्द्रीय कृषि राज्यमंत्री श्री कैलाश चौधरी द्वारा कृषि विज्ञान केन्द्र, तबीजी अजमेर का अवलोकन

9. मानव संसाधन विकास निदेशालय

श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय जोबनेर, के निदेशालय मानव संसाधन विकास की स्थापना विश्वविद्यालय की स्थापना के साथ ही सितम्बर 2013 में हुई थी । परन्तु मानव संसाधन विकास निदेशालय द्वारा स्वतंत्र रूप से कार्य 7 जनवरी 2015 को शुरू किया गया। अपनी स्थापना के साथ ही यह निदेशालय मानव संसाधन के समुचित उपयोग व विकास के लिए प्रयासरत है। निदेशालय, विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों, कर्मचारियों व छात्रों के विकास के लिए कई तरह के प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन कर रहा है। प्रशिक्षणों के अलावा वैज्ञानिकों व शिक्षकों को राष्ट्रीय सेमिनारों, संगोष्ठीयों व कार्यशालाओं में भाग लेने हेतु प्रोत्साहित किया जा रहा है।

निदेशालय मानव संसाधन विकास, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर द्वारा सम्पादित कार्य:

1. श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय जोबनेर, के निदेशालय, मानव संसाधन विकास एवं उद्यान विभाग, कृषि महाविद्यालय द्वारा 21 दिवसीय विन्टर स्कूल ''एडवांस प्रोडक्सन टेक्नोलोजीज ऑफ अन्डरयूटिलाईज वेजिटेबल क्रोप्स अण्डर अरिड एण्ड सेमीअरिड कंडिसन'' पर दिनांक 21 फरवरी से 13 मार्च 2022 तक आयोजिन की गई। इस विन्टर स्कूल में देश के विभिन्न राज्यों के कृषि विश्वविद्यालयों एवं भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के संस्थानो के 23 कृषि वैज्ञानिकों ने भाग लिया।

2. मानव संसाधन विकास निदेशालय एवं पादप रोग विज्ञान विभाग, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय जोबनेर द्वारा 21 दिवसीय विन्टर स्कूल ''डिजिज सिनेरियो इन क्लाईमेट चैंज कंडिसन्स-चैलैन्जेज, एक्सपिरियनसेस, इनोवेसन एण्ड फ्युचर प्रोस्पेक्ट्स'' विषय पर दिनांक 1 मार्च से 21 मार्च 2022 तक आयोजित की गई। इस विन्टर स्कूल में देश के सात राज्यों के कृषि विश्वविद्यालयों एवं भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के विभिन्न संस्थानों के 21 कृषि वैज्ञानिकों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। प्रशिक्षण के दोरान विभिन्न विषयों पर विशेषज्ञों द्वारा व्याख्यान व प्रायोगिक प्रशिक्षण दिया गया।

3. निदेशालय एवं सांख्यिकी, गणित व कम्प्यूटर विज्ञान विभाग, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय जोबनेर द्वारा 22 फरवरी 2022 को एक दिवसीय कार्यशाला ''वर्चुअल क्लासरूम मैनेजमेंट सिस्टम'' पर आनलाईन व ऑफलाईन प्रशिक्षण का आयोजन किया गया जिसमें विश्वविद्यालय के विभिन्न कृषि महाविद्यालयों से 60 संकाय सदस्यों ने भाग लिया। जिससे आनलाइन प्रशिक्षण कार्य के लिये प्राध्यापकों को प्रेरित किया गया जिससे छात्रों को आनलाईन क्लास द्वारा लाभान्वित किया जा सके।

4. श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय जोबनेर एवं इंडियन फाइटोपैथोलोजिकल सोसायटी के संयुक्त तत्वाधान में 8 वीं अन्तरराष्ट्रीय सेमीनार का आयोजन विश्वविद्यालय मुख्यालय पर दिनांक 23-26 मार्च 2022 को किया गया। इस सेमिनार में देश व विदेशो से 600 कृषि वैज्ञानिकों ने उपस्थित होकर एवं आनलाईन माध्यम के द्वारा भाग लिया। इस अन्तरराष्ट्रीय सेमीनार का उद्घाटन माननीय कुलाधिपति एवं राज्यपाल श्री कलराज मिश्र जी के कर कमलो द्वारा किया गया।

5. निदेशालय, मानव संसाधन विकास, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय द्वारा जनवरी 2022 से दिसम्बर 2022 तक विश्वविद्यालय की विभिन्न ईकाइयों के 172 शैक्षिणिक एवं अशैक्षणिक कर्मचारियों व अधिकारीयों को आनलाईन/ऑफलाईन राष्ट्रीय सेमिनारों / शैक्षिक प्रशिक्षण /शैक्षिक गति-विधियों /शीतकालीन एंव ग्रीष्मकालीन स्कूल्स, विशेष पाठ्यक्रमों एंव प्रशिक्षणों में देश एंव राज्य के विभिन्न प्रतिष्ठित संस्थानों में भागीदारी संस्तुति की गयी।

10. प्राथमिकता, निगरानी एवं मूल्यांकन निदेशालय

यह निदेशालय विश्वविद्यालय सम्बन्धी सूचनाओं जैसे कि वार्षिक प्रतिवेदन, वार्षिक रिर्पोट आदि तैयार करके प्रकाशन करवाता है। विश्वविद्यालय के शिक्षा, अनुसंधान एंव कृषि प्रसार संबधी महत्वपूर्ण सूचना उपलब्ध कराने या इसकी उपलब्धता के लिए मध्यस्थता निदेशालय का एक पहलू है। सभी संगठक मान्यता के लिए भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद से मान्यता के लिए स्वअध्ययन प्रतिवेदन संकलित करता है। इसके के साथ ही आई. सी. ए. आर द्वारा कृषि विश्वविद्यालय का रैकिंग प्रतिवेदन तैयार करना भी इस निदेशालय का कार्य है। इस वर्ष निदेशालय ने आई. सी. ए. आर में प्रस्तुतीकरण के लिए वर्ष 2021-22 का वार्षिक रिर्पोट, आई. सी. ए. आर. - रैकिंग प्रतिवेदन, राष्ट्रीय संस्थागत रैकिंग फ्रेमवर्क (एन.आई.आर.एफ.), राष्ट्रीय जल पुरस्कार आदि के प्रतिवेदन तैयार किये हैं। इस वर्ष निदेशालय ने कृषि महाविद्यालय फतेहपुर, शेखावाटी व कुम्हेर, भरतपुर की आई. सी. ए. आर. मान्यता के लिए स्वअध्ययन प्रतिवेदन तैयार कर आई. सी. ए. आर. को भेजा जा चुका है। इस वर्ष श्रेष्ठ विश्वविद्यालय कुलाधिपति पुरस्कार के लिए प्रतिवेदन भी इस निदेशालय द्वारा तैयार कर राज भवन को प्रेषित किया गया। विश्वविद्यालय की विभिन्न इकाईयों में शिक्षा, अनुसंधान एवं कृषि प्रसार क्षेत्र में मासिक उपलब्धियों का प्रतिवेदन तैयार कर माननीय कुलाधिपति एवं राज्यपाल, राजस्थान राजभवन, जयपुर को प्रेषित किया जाता है।

11. विश्वविद्यालय की महत्वपूर्ण गतिविधियाँ एवं उपलब्धियाँ

• एग्री एक्सपो - 2022 का आयोजन

श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर में तीन दिवसीय एग्री एक्सपो - 2022 का आयोजन 28-30 मार्च, 2022 को सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। इस तीन दिवसीय एग्री एक्सपो का शुभारम्भ माननीय मुख्यमंत्री, राजस्थान, श्री अशोक जी गहलोत के कर कमलों द्वारा किया गया। इस अवसर पर श्री लालचन्द कटारिया, कृषि एवं पशुपालन मंत्री, श्री महादेव सिंह खण्डेला, अध्यक्ष, राजस्थान किसान आयोग, श्री बाबूलाल नागर, विद्यायक, दूदू, श्री खिलाडी राम बैरवा, अध्यक्ष अनुसुचित जाति आयोग, श्री दीप चन्द खैरिया, विद्यायक, किशनगढबास, श्री आलोक बेनीवाल, विधायक, शाहपुरा, श्री सुरेश मोदी, विधायक, नीम का थाना, प्रो. जीत सिंह संधू, माननीय कुलपति, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर सहित अन्य गणमान्य व्यक्तियों की मौजूदगी रही। इस एक्सपो में कृषि प्रदर्शनी लगाने के साथ - साथ वैज्ञानिकों के संवाद कार्यक्रम भी रखे गये। इस तीन दिवसीय एग्री एक्सपो में लगभग 9500 कृषक, 1500 छात्र एवं छात्राएं लाभान्वित हुए।

• पौध व्याधि विज्ञान पुनरावलोकन और संभावना पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी

श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर एवं इण्डियन फाइटो - पैथोलोजीकल सोसाइटी, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वाधान में पौध व्याधि विज्ञान, पुनरावलोकन और संभावना विषय पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी (हाइब्रिड मोड) का आयोजन 23 से 26 मार्च, 2022 को श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर में आयोजित किया गया। इस अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन माननीय राज्यपाल, राजस्थान एवं कुलाधिपति श्री कलराज मिश्र के कर कमलो द्वारा किया गया। यह कार्यक्रम डॉ. सी.डी. माही, पूर्व अध्यक्ष, कृषि वैज्ञानिक चयन मण्डल, नई दिल्ली, प्रो. जीत सिंह संधू, माननीय कुलपति, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर, डॉ. रोबिन गोगोई, सचिव, इण्डियन फाइटो - पैथोलोजीकल सोसाइटी, नई दिल्ली की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। इस कार्यक्रम की अध्यक्ष डॉ. प्रतिभा शर्मा एवं आयोजक सचिव डॉ. एम. एल. जाखड़ रहे। इस अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में राष्ट्रीय एवं अर्न्तराष्ट्रीय स्तर के लगभग 600 से अधिक वैज्ञानिकों ने हिस्सा लिया व शोध पत्र वाचन एवं पोस्टर प्रस्तुति की गयी।

- **सरसों सुधार अनुसंधान परियोजना की 29 वीं वार्षिक समूह कार्यशाला**

अखिल भारतीय समन्वित सरसों सुधार अनुसंधान परियोजना की 29 वीं वार्षिक समूह कार्यशाला 1 से 3 अगस्त, 2022 को श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर में अयोजित की गई। इस कार्यशाला का उद्घाटन समारोह कृषि विश्वविद्यालय जोबनेर में प्रो. जीत सिंह संधू, माननीय कुलपति, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर, के मुख्य आतिथ्य में आयोजित किया गया एवं तकनीकी सत्रों का आयोजन कृषि अनुसंधान संस्थान, दुर्गापुरा में किया गया। इस कार्यशाला में विभिन्न प्रदेशों के 160 कृषि वैज्ञानिकों ने भाग लिया।

- **बाजरा संवर्धन, मूल्यवर्धन और निर्यात पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन**

राजस्थान कृषि अनुसंधान संस्थान, दुर्गापुरा, जयपुर में 7 से 8 मई, 2022 को बाजरा संवर्धन, मूल्यवर्धन और निर्यात पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन डॉ. एम एल जाखड, निदेशक अनुसंधान, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। इस संगोष्ठी में विभिन्न गणमान्य व्यक्तियों द्वारा बाजरा मूल्यवर्धन और बाजरा निर्यात विषय पर व्याख्यान दिये गये। राजस्थान में बाजरा संगोष्ठी पर यह पहली गतिविधि थी जहाँ विभिन्न प्रदर्शनी और स्टालों को प्रदर्शित किया गया एवं बाजरा आधारित उत्पाद रखे गए थे।

- **लोकार्पण**

माननीय मुख्यमंत्री, राजस्थान सरकार, श्री अशोक गहलोत के कर कमलों द्वारा विश्वविद्यालय परिसर में कौशल विकास केन्द्र, जैविक कृषि की आधुनिक अनुसंधान प्रयोगशाला, कृषि प्रबन्धन महाविद्यालय के भवन, कृषि महाविद्यालय, लालसोट में अधिष्ठाता व कर्मचारी निवास, जल संग्रहण इकाई, कृषि महा - विद्यालय, फतेहपुर में अधिष्ठाता निवास व कन्या छात्रावास, कृषि महाविद्यालय, कुम्हेर में अधिष्ठाता निवास व कन्या छात्रावास, कृषि अनुसंधान केन्द्र, नवगांव में प्रशिक्षण कक्ष व किसान घर, कृषि विज्ञान केन्द्र, नवगांव में प्रशिक्षण कक्ष व कृषि मशीनरी बैंक का दिनांक 28 मार्च 2022 को एग्री एक्सपो - 2022 के उद्घाटन समारोह के दौरान ऑनलाईन लोकार्पण किया गया।

- **शिलान्यास**

माननीय मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत के कर कमलों द्वारा कृषि महाविद्यालय, किशनगढबास के भवन का दिनांक 02.11.2022 को ऑनलाईन शिलान्यास किया गया। कृषि महाविद्यालय, कोटपुतली के भवन की आधारशिला श्री राजेन्द्र सिंह यादव, माननीय उच्च शिक्षामंत्री गृहराज्य, योजना, मोटर गैराज एवं न्यायमंत्री के कर कमलों द्वारा दिनांक 05.11.2022 को रखी गई।

• डिजी लॉकर सुविधा

यह सुविधा राष्ट्रीय शैक्षणिक डिपॉजिटरी विश्वविद्यालयों /शैक्षणिक संस्थानों के द्वारा जारी किये सर्टिफिकेट, मार्कशीट (अंक तालिका) आदि को डिजिटल रूप में सुरक्षित करती है। श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर के द्वारा राष्ट्रीय शैक्षणिक डिपॉजिटरी के तहत् पंजीकरण करवाकर इसके पोर्टल पर विश्वविद्यालय ने वर्ष 2021 के स्नातक, स्नातकोत्तर एवं विद्यावाचस्पति के 891 छात्रों के डिग्री सर्टिफिकेट अपलोड किये गये हैं।

• सौर ऊर्जा की ओर बढते कदम

श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर, सौर ऊर्जा की ओर क्रमोत्तर प्रगति कर रहा है। राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना के अन्तर्गत श्री कर्ण रेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर के विभिन्न छात्रावासों में 295 किलोवाट क्षमता के सौर पैनल की स्थापना की गयी है। जिसमें पीजी, पाल, रमण, नया छात्रावास व छात्रा छात्रावास शामिल है। इसी प्रकार विश्वविद्यालय के संघटक कृषि महाविद्यालय, लालसोट में 80 किलोवॉट क्षमता के सौर पैनल स्थापित किये गये हैं। कृषि विज्ञान केन्द्र तबीजी, अजमेर में 10 किलोवॉट के सौर पैनल स्थापित किये गये हैं। इस प्रकार विश्वविद्यालय की विभिन्न इकाईयों की कुल क्षमता 674 किलोवॉट हो गई है। सोलर पैनल की स्थापना से विश्वविद्यालय के बिलों में भारी कटौती आंकी गई है एवं विद्युत स्त्रोतो पर निर्भरता में भी कमी आई है।

• आणविक प्रयोगशाला की स्थापना

राजस्थान कृषि अनुसंधान संस्थान, दुर्गापुरा, जयपुर में संचालित अखिल भारतीय सफेद लट और मृदा आर्थोपोड नेटवर्क अनुसंधान परियोजना में आणविक प्रयोगशाला की स्थापना की गई है। इस प्रयोगशाला में सफेट लट, दीमक, कट वार्म व अन्य आर्थोपोड कीटों में विविधता का अध्ययन करके उनके प्रबन्धन हेतु अनुसंधान कार्य आरम्भ हुए हैं।

• कौशल विकास केन्द्र की स्थापना

श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर में कौशल विकास केन्द्र की स्थापना की गई है। इस केन्द्र द्वारा वैज्ञानिक, छात्र, प्रसार अधिकारी, युवाओं आदि के कौशल विकास से सम्बन्धित प्रशिक्षण आयोजित किये जायेगें। यह केन्द्र राष्ट्रीय कृषि विकास परियोजना के अन्तर्गत 154.50 लाख रूपयों की लागत से विकसित किया गया है।

• पौधरोपण

श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर की विभिन्न इकाईयों पर प्रतिवर्ष सघन पौधरोपण कार्यक्रम का अयोजन किया जाता है जिसका मुख्य उद्देशय हरित कैम्पस व साफ सुथरा परिसर है। वर्ष 2022 में श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय परिसर व विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिये गए गाँवों में लगभग 8000 पौधे का रोपण किया गया। माननीय कुलाधिपति एवं राज्यपाल, राजस्थान, श्री कलराज मिश्र के कर कमलों द्वारा दिनांक 23 मार्च, 2022 को जैव विविधता पार्क में गुगल पौधे का रोपण किया गया। श्री अशोक गहलोत माननीय मुख्यमंत्री, राजस्थान ने 28 मार्च, 2022 को पीलु पौधे का रोपण जैव विविधता पार्क में किया।

- **विश्वविद्यालय पौधशाला की स्थापना**

विश्वविद्यालय द्वारा वर्ष 2021-22 में करीब 6 से 7 हजार गुणवत्तापूर्ण पौधों की विभिन्न प्रजातियां तैयार की गई जिनसे विश्वविद्यालय को 70-80 हजार रूपये की आमदनी प्राप्त हुई। अधीनस्थ महाविद्यालयों के विभिन्न विभागों व इकाईयों को इन पौधों की प्रजातियों को उपलब्ध कराया गया।

- **अकादमिक प्रबन्धन प्रणाली**

अकादमिक प्रबन्धन प्रणाली के अधीनस्थ 9 संघटक व 11 निजी महाविद्यालयों में 3365 छात्र व 193 इकाईयाँ पंजीकृत है।

- **कर्ण नरेंद्र ट्राइकोडर्मा (केएनटी) का उत्पादन**

मृदा जनित रोगों के लिए पर्यावरण के अनुकूल प्रबंधन की सुविधा के लिए पौध व्याधि विभाग, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर में ट्राइकोडर्मा हर्जियानम का बड़े पैमाने पर उत्पादन शुरू किया गया है। उत्पाद को श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर की विभिन्न इकाइयों को उनकी मांग के अनुसार फसल के मौसम के दौरान आपूर्ति की गई और प्रदर्शन उद्देश्य के लिए किसानों को भी आपूर्ति की गई।

- **वर्षा जल संरक्षण**

विश्वविद्यालय की विभिन्न इकाईयों पर कुल 25 वर्षा जल संरक्षण इकाईयां विद्यमान हैं, जिनकी कुल जल संग्रहण क्षमता 35 करोड लीटर है। इस वर्षा जल का उपयोग शोध कार्यो तथा बीज उत्पादन में किया जा रहा हैं।

- **समझौता ज्ञापन**

विश्वविद्यालय द्वारा शिक्षा व शोध में गुणवता बढाने के लिए 36 राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय संस्थाओं से समझौता अनुबन्ध किये हैं। इनसे छात्रों को विश्वस्तरीय शोध संस्थाओ में शोध करने का अवसर मिलेगा।

- **वैज्ञानिक सलाहकार समिति की वार्षिक बैठक**

प्रसार शिक्षा निदेशालय के क्षेत्राधिकार मे राज्य के 8 जिले समाहित हैं, जिनके सभी —षि विज्ञान केंद्रों पर निदेशालय द्वारा वैज्ञानिक सलाहकार समिति की वार्षिक बैठकों का केन्द्रों पर सफल आयोजन किया गया। इन बैठकों में कृषि विज्ञान केन्द्रों पर पूर्व वर्ष के दौरान किये गये कार्यो की समीक्षा के साथ साथ आगामी वर्ष में किये जाने वाले कार्यो की रूपरेखा तैयार की जाती है। इन बैठकों में निदेशक प्रसार, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर के साथ - साथ केन्द्र के वैज्ञानिक व जिले में संबंधित विभागों के पदाधिकारी हिस्सा लेते है।

- **देशी गिर गाय नस्ल की इकाई स्थापना**

कृषि विज्ञान केन्द्र के अधीन क्षेत्रो में देशी गाय की नस्ल के पालन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कृषि विज्ञान केंद्र, अजमेर, फतेहपुर, कोटपुतली, नौगांव एवं धौलपुर में गिर गाय नस्ल की इकाई की स्थापना की गई हैं।

- **गोमूत्र संयंत्र**

कृषि विज्ञान केंद्र, अजमेर में देशी गिर गाय नस्ल का गोमूत्र एकत्रित करने एवं प्रसंस्करण करने का संयंत्र की स्थापना की गई। जिसके अर्न्तगत गोमूत्र एकत्रित एंव प्रसंस्करण कर अंतिम उत्पाद के रूप मे किसानो को उपलब्ध करवाया जा रहा है।

• वैज्ञानिक मधुमक्खी पालन प्रशिक्षण

कृषि विज्ञान केन्द्र, धौलपुर में धौलपुर जिले के बेरोजगार युवाओं के लिए वर्ष 2022 के दौरान वैज्ञानिक मधुमक्खी पालन पर 03 संस्थागत प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये गये। इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों से कुल 95 ग्रामीण युवाओं एवं महिलाएं लाभान्वित हुई। इस प्रशिक्षण के पश्चात 13 प्रतिशत प्रतिभागियों ने वैज्ञानिक मधुमक्खी पालन को स्वरोजगार के रूप में अपनाया है।

• प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि कार्यक्रम

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि कार्यक्रम के सजीव प्रसारण का आयोजन सभी कृषि विज्ञान केंद्रों पर दिनांक 30 मई, 2022 को आयोजित किया गया, जिसमें प्रधानमंत्री द्वारा वितरित सहायता राशि की जानकारी दी गई।

• जल शक्ति अभियान

श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर के अधीन संचालित सभी कृषि विज्ञान केंद्रों पर मार्च से नवम्बर 2022 तक गावों में जल सरक्षंण के प्रति जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किये गये इन कार्यक्रमों के तहत् किसानों को वर्षा जल संग्रहण करने के साथ-साथ पानी के कृषि में समुचित उपयोग की जानकारी प्रदान की गई।

• लेमन ग्रास इकाई की स्थापना

कृषि विज्ञान केंद्र, फतेहपुर में लेमन ग्रास उत्पादन व प्रंसस्करण इकाई की स्थापना की गई। केन्द्र द्वारा लेमन ग्रास के औषधीय गुणों, उत्पादन, प्रसंस्करण व विपणन आदि पहलूओं के बारे में प्रशिक्षण आयोजित किये गये जिसमें 250 से अधिक किसान लाभान्वित हुए।

• प्राकृतिक कृषि इकाई की स्थापना

कृषक समुदाय में प्राकृतिक खेती के प्रति जागरूकता के उद्येश्य से कृषि विज्ञान केंद्र, अजमेर में प्राकृतिक कृषि इकाई की स्थापना की गई, जिसके तहत विभिन्न प्रशिक्षण आयोजित किये गये जिसमें 500 से अधिक किसानों ने प्राकृतिक कृषि का प्रशिक्षण प्राप्त किया।

• प्रसार शिक्षा निदेशालय द्वारा प्रकाशन

निदेशालय द्वारा त्रैमासिक न्यूज और व्यूज, मासिक पत्रिका जोबनेर कृषि एवं विश्वविद्यालय कैलेंडर व डायरी 2022 का प्रकाशन किया। प्रत्येक की 1000 प्रतियाँ मुद्रित करवाकर कृषि विज्ञान केंद्रों तथा कृषि अनुसंधान केन्द्रों के वैज्ञानिकों एवं कृषकों तक नवीनतम कृषि प्रौधोगिकी का प्रचार प्रसार किया गया।

• मसाला फसलों की आधुनिक उत्पादन तकनीकी जागरूकता कार्यक्रम

प्रसार शिक्षा निदेशालय एवं धानुका एग्रीटेक लिमिटेड के संयुक्त तत्वाधान में एक दिवीसीय मसाला फसलों की आधुनिक उत्पादन तकनीकों पर जागरूकता कार्यक्रम प्रो. (डॉ.) बलराज सिंह की अध्यक्षता में 01 दिसम्बर, 2022 को आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में 150 किसानों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में मसाला फसलों के उत्पादन व मूल्यसंवर्धन पर विषय विशेषज्ञों द्वारा जानकारी दी गई।

• पॉली हॉउस में सब्जी उत्पादन पर जागरूकता कार्यक्रम

प्रसार शिक्षा निदेशालय एवं बायर लिमिटेड, कम्पनी के संयुक्त तत्वाधान में ग्रीन हॉउस तथा पॉली हॉउस में सब्जियों के उत्पादन विषय पर एक दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन 22 जनवरी, 2022 को किया गया। इस कार्यक्रम में विषय विशेषज्ञों द्वारा पॉली हाउस में सब्जियों के उत्पादन, पौध संरक्षण आदि विषयों पर किसानों को तकनीकी जानकारी दी गई।

- **उन्नत कृषि प्रबंधन तकनीकी पर अन्तर्राज्यीय कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम**

प्रसार शिक्षा निदेशालय ने कृषि प्रौद्योगिकी प्रबन्ध अभिकरण (आत्मा) योजनान्तर्गत, कृषि विभाग, अजमेर द्वारा प्रायोजित पांच दिवसीय अन्तर्राज्यीय कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम ''उन्नत कृषि प्रबंधन तकनीकी'' विषय पर 19 से 23 दिसम्बर, 2022 को प्रसार शिक्षा निदेशालय पर आयोजित किया गया।

- **आदान विक्रेताओं का एक वर्षीय डिप्लोमा प्रशिक्षण कार्यक्रम**

प्रसार शिक्षा निदेशालय एवं कृषि विज्ञान केंद्र, फतेहपुर, कोटपुतली, नौगांव, कुम्हेर, भरतपुर एवं धौलपुर द्वारा आदान विक्रेताओं का एक वर्षिय डिप्लोमा प्रशिक्षण कार्यक्रम सम्पन्न किया गया, जिसमें प्रत्येक प्रशिक्षण में 40 प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया।

- **प्रगतिशील कृषक श्री सुरेंद्र जी अवाना सम्मानित**

प्रगतिशील किसान श्री सुरेंद्र अवाना को भारतीय चारागाह अनुसंधान संस्थान, झाँसी के द्वारा चारा उत्पादन उन्नत तकनीक के लिए सम्मानित किया गया।

- **बेस्ट इनोवेटिव फामर्स सम्मान**

प्रसार शिक्षा निदेशालय के कार्यक्षेत्र जोबनेर के नवाचारी किसान, गंगा राम सेपट तथा मांगी लाल जीतरवाल को मूल्य प्रसंस्करण व बागवानी फसलों का उन्नत उत्पादन के लिए राष्ट्रीय बागवानी बोर्ड, पुणे, महाराष्ट्र द्वारा सम्मानित किया गया।

- **जैविक फसल उत्पादन में राष्ट्रीय पुरस्कार**

कृषि विज्ञान केंद्र, फतेहपुर के प्रगतिशील किसान श्री केशर देव एवं श्री रणवीर सिंह को राष्ट्रीय किसान सम्मान सम्मेलन, जयपुर में क्रमशः जैविक एवं औषधीय फसल उत्पादन एवं जैविक फसल उत्पादन विषय पर राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान किया गया।

- **सर्वश्रेष्ठ वैज्ञानिक पुरस्कार**

कृषि विज्ञान केंद्र, अजमेर के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष डॉ. धर्मेंद्र सिंह भाटी को जिला प्रसाशन अजमेर द्वारा गणतंत्र दिवस पर कृषि में उत्कृष्ट कार्य के लिये सर्वश्रेष्ठ वैज्ञानिक पुरस्कार प्रदान किया गया।

- **विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिये गांव सुन्दरपुरा में विभिन्न कार्यक्रम**

विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिये गये गांव सुन्दरपुरा में कम्प्यूटर साक्षरता, वृहद् वृक्षारोपण, योगा दिवस, स्वच्छता कार्यक्रम, पशु चिकित्सा शिविर, सुरक्षित अनाज भण्डारण, नर्सरी प्रबंधन, वर्षा जल संरक्षण, आदि कार्यक्रम वर्ष भर आयोजित किये गये।

- **महामहिम राज्यपाल द्वारा प्रशंसा पत्र :**

यूनिवर्सिटी सोशल रिस्पॉसिबिलिटी के तहत विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिये गये गांव सुन्दरपुरा में संमवित विकास की दिशा में विश्वविद्यालय द्वारा किये गये सराहनीय कार्यों के लिये महामहिम राज्यपाल द्वारा प्रशंसा पत्र प्रदान किया गया।

12. प्रतिष्ठित आगंतुक

1. डॉ. ओ. पी. यादव, निदेशक, केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान (काजरी), जोधपुर एवं डॉ. अमरेश चंद्र, निदेशक, भारतीय चरागाह एवं चारा अनुसंधान संस्थान (आई.जी.एफ.आर.आई.), झांसी ने 5 जनवरी, 2022 को श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर का दौरा किया।
2. श्री लाल चंद कटारिया, माननीय कृषि मंत्री, राजस्थान सरकार ने 6 जनवरी, 2022 को श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर में जैव विविधता पार्क, मधुमक्खी प्रदर्शन इकाई एवं जल संचयन संरचनाओं का दौरा किया।
3. प्रो. बी. वी. एस. सिसोदिया, नास फेलो, आई. सी. ए. आर., नई दिल्ली ने 6 जनवरी, 2022 को सांख्यिकी विभाग, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर का दौरा किया।
4. श्री उमेश त्यागी, फसल विशेषज्ञ एवं श्री सुखविंदर सिंह बरार, वाणिज्यिक प्रबंधक, बायर इंडिया लिमिटेड ने 22 जनवरी, 2022 को श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर में प्रायोगिक शिक्षण इकाई ''जैव एजेंटों और जैव कीटनाशकों के बड़े पैमाने पर उत्पादन'' का दौरा किया।
5. श्रीमती जसकौर मीना, माननीया लोकसभा सांसद, दौसा ने 24 जनवरी, 2022 को कृषि विज्ञान केन्द्र, दौसा का दौरा कर प्रसार गतिविधियों का अवलोकन किया।
6. डॉ. एस. एस. बग्गा, अध्यक्ष, क्यू. आर. टी. टीम, डॉ. वी.वी. सिंह, सदस्य सचिव, डॉ. डी.एम. हेगड़े एवं डॉ. एच.सी. शर्मा ने 12 फरवरी, 2022 को श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर में तारामीरा पर ए. आई. सी. आर. पी. की अनुसंधान गतिविधियों की समीक्षा की।
7. डॉ. एस. के. सिंह, निदेशक, अटारी, जोधपुर (राजस्थान) ने 16 फरवरी, 2022 को कृषि विज्ञान केन्द्र, नवगांव (अलवर) का दौरा कर प्रसार गतिविधियों का अवलोकन किया।
8. डॉ. एस. के. सिंह, निदेशक, आई.सी.ए.आर.-अटारी, जोधपुर ने 19 फरवरी, 2022 को कृषि विज्ञान केन्द्र, तबीजी (अजमेर) एवं कृषि उप अनुसंधान केन्द्र, तबीजी (अजमेर) का दौरा कर प्रसार गतिविधियों का अवलोकन किया।
9. श्री राजेंद्र यादव, माननीय राज्य मंत्री (राजस्थान सरकार), प्रोफेसर जे. एस. संधू, कुलपति और डॉ. सुदेश कुमार, निदेशक (विस्तार शिक्षा), श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर और लेफ्टिनेंट कर्नल एस. बी. सिंह, क्वार्टर मास्टर, 105 इन्फैंट्री बटालियन (टीए) राजपूताना राइफल्स ने 20 फरवरी, 2022 को कृषि विज्ञान केन्द्र, गोनेरा - कोटपूतली का दौरा किया।
10. डॉ. सुब्रत दत्ता, सहसंस्थापक, इंडिया मिलेट इनिशिएटिव, नई दिल्ली ने 23 फरवरी, 2022 को कृषि विज्ञान केन्द्र, नवगांव (अलवर) का दौरा किया।
11. पदम् भूषण डॉ. आर.एस. परोदा, पूर्व महानिदेशक आई. सी. ए. आर., डॉ. ए. के. सिंह, उप महानिदेशक (विस्तार), आई. सी. ए. आर., प्रो. जे.एस. संधू, माननीय कुलपति, एसकेएनएयू, जोबनेर, श्रीमान अंश दीप, जिलाधिकारी अजमेर एवं डॉ. एस. के. सिंह, निदेशक, भा. कृ. अ. प. -अटारी, जोधपुर, डॉ. बी.एल. छिप्पा, पूर्व कुलपति, राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर एवं डॉ. सुदेश कुमार, निदेशक (विस्तार शिक्षा), श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर ने 05 मार्च, 2022 को कृषि विज्ञान केन्द्र, अजमेर द्वारा आयोजित किसान मेले में शिरकत की।
12. डॉ. ए.के. सिंह, उप महानिदेशक, आई. सी. ए. आर. (विस्तार) ने 05 मार्च, 2022 को श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर और 06 मार्च, 2022 को राजस्थान कृषि अनुसंधान संस्थान, दुर्गापुरा (जयपुर) का दौरा किया।
13. डॉ. आर. सी. अग्रवाल, उप महानिदेशक (शिक्षा) एवं राष्ट्रीय निदेशक, आई. सी. ए. आर., नई दिल्ली ने 06 मार्च, 2022 को एन. ए. एच. ई. पी. एवं डी. एस. अनुदान के तहत श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर के विकास की प्रगति पर चर्चा एवं समीक्षा की।
14. श्रीमती जसकौर मीना, माननीय सांसद, दौसा एवं डॉ. वीना गुप्ता, प्रमुख, जी. एस., एन. बी. पी. जी. आर., नई दिल्ली ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर 08 मार्च, 2022 को कृषि विज्ञान केन्द्र, लालसोट (दौसा) का दौरा किया।
15. डॉ. सत्यवीर सिंह, प्रधान वैज्ञानिक (सामाजिक विज्ञान), आई. सी. ए. आर. - आई. आई. डब्ल्यू. बी. आर., करनाल, हरियाणा ने दिनांक 08 मार्च 2022 को कृषि विज्ञान केन्द्र, नवगांव (अलवर) का दौरा किया।
16. श्री सुशील कुमार, आई. ए. एस. और मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने कृषि महाविद्यालय, कुम्हेर (भरतपुर) का दौरा किया और 11 मार्च, 2022 को छात्रों को प्रेरणा से ओतप्रोत व्याख्यान दिया।
17. श्री कैलाश चौधरी, माननीय केंद्रीय कृषि और किसान कल्याण राज्य मंत्री (भारत सरकार) श्री भागीरथ चौधरी, सांसद अजमेर, श्री सुरेश सिंह रावत, विधायक पुष्कर, श्री. रामस्वरूप लांपा, विधायक नसीराबाद, डॉ. ए. के. तोमर, निदेशक आई. सी. ए. आर. - सी. एस. डब्ल्यू. आर. आई. - अविकानगर, डॉ. एस. एन. सक्सेना, निदेशक आई. सी. ए. आर. - एन. आर. सी. एस. एस., अजमेर ने 11 मार्च, 2022 को एन.आर. सी. एस. एस, अजमेर में किसान मेले के दौरान केवीके अजमेर का दौरा किया।

18. डॉ. वी. पी. चहल, अतिरिक्त महानिदेशक (कृषि विस्तार), आई. सी. ए. आर. ने 12 मार्च, 2022 को कृषि विज्ञान केन्द्र, नवगांव (अलवर) का निरीक्षण किया।
19. राजस्थान के महामहिम राज्यपाल श्री कलराज जी मिश्रा ने 23 मार्च, 2022 को अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन ''प्लांट पैथोलॉजी: रेट्रोस्पेक्ट एंड प्रो. स्पेक्ट्स'' के उद्घाटन समारोह में शिरकत की। इसके साथ ही उन्होने श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर में वर्चुअल क्लास रूम एवं एम. एस. सी. के फील्ड एक्सपेरिमेंट का दौरा किया।
20. डॉ. सी. डी. मायो, पूर्व अध्यक्ष, ए. एस. आर. बी. (आई. सी. ए. आर.) और कृषि आयुक्त (भारत सरकार), डॉ. बी. एल. जलानी पूर्व डी. ओ. आर., सी. सी. एस. एच. ए. यू., हिसार और डॉ. राकेश पांडे, अध्यक्ष, इंडियन फाइटो-पैथोलॅजिकल सोसाइटी और प्रख्यात वैज्ञानिक, सी. आई. एम. एपी., लखनऊ, यूपी, भारत ने श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर ने ''प्लांट पैथोलॉजी'' पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में 23 मार्च, 2022 को भाग लिया ''रेट्रोस्पेक्ट एंड प्रो. स्पेक्ट्स''।
21. डॉ. बी. एल. जलानी, पूर्व डी. ओ. आर., सी. सी. एस. एच. एयू., हिसार ने 23 से 26 मार्च, 2022 तक ''प्लांट पैथोलॅजी'' रेट्रोस्पेक्ट एंड प्रो. स्पेक्ट्स'' पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के समापन समारोह में भाग लिया।
22. श्री राजेन्द्र सिंह यादव, माननीय राज्य मंत्री (उच्च शिक्षा) एवं योजना, गृह, मोटर गैरेज, न्याय और पुस्तकालय, जी. ओ. आर. ने 26 मार्च, 2022 को पाथरेडी में कृषि महाविद्यालय, गोनेडा (कोटपुतली) फार्म का दौरा किया।
23. माननीय मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत ने 28 मार्च, 2022 को ''एग्री एक्सपो - 2022'' के उद्घाटन पर श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर का दौरा किया।
24. श्री लाल चंद कटारिया, माननीय कृषि, पशुपालन और मत्स्य पालन मंत्री, श्री महादेव सिंह खण्डेला, अध्यक्ष, किसान आयोग, श्री बाबूलाल नागर, विधायक, दूदू, श्री खिलाड़ी लाल बैरवा, सभापति, एससी आयोग, श्री दीपचंद खैरिया, विधायक, किशनगढ़बास, श्री आलोक बेनीवाल, विधायक, शाहपुरा, श्री सुरेश मोदी, विधायक, नीम का थाना, श्री राम सिंह राव, अध्यक्ष, वंशावली संरक्षण एवं संवर्धन अकादमी व श्री दिनेश कुमार, प्रमुख सचिव (कृषि) राजस्थान सरकार, संभागीय आयुक्त जयपुर एवं श्री विशाल राजन, कलेक्टर, जयपुर ने 28 मार्च, 2022 को ''एग्री एक्सपो - 2022'' के उद्घाटन समारोह में भाग लिया व श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर में जल संचयन संरचनाओं का दौरा कर प्रयासों की सराहना की।
25. श्रीमती जसकौर मीना, माननीय सांसद, दौसा ने 26 अप्रैल, 2022 को कृषि विज्ञान केन्द्र, लालसोट (दौसा) का निरीक्षण किया।
26. श्री सांवर मल वर्मा, संभागीय आयुक्तभरतपुर, और श्री चेतन चौहान जिला कलेक्टर धौलपुर ने दिनांक 26 अप्रैल 2022 को कृषि विज्ञान केन्द्र, बसेडी (धौलपुर) का दौरा किया।
27. डॉ. एस. रंजन, पूर्व निदेशक, आई. सी. ए. आर. - सी. आई. एस. एच., लखनऊ ने 25 मई, 2022 को बागवानी विभाग, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि - महाविद्यालय, जोबनेर का दौरा किया।
28. श्रीमती शोभा रानी, विधायक (धौलपुर) ने कृषि विज्ञान केन्द्र, धौलपुर का दौरा किया।
29. डॉ. पी.सी. जैन, प्रोफेसर (कीट विज्ञान) एवं पूर्व डीन एवं संकाय अध्यक्ष श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर ने दिनांक 14.07.2022 को इस विभाग के प्रायोगिक अध्ययन इकाई/कीट जैव विविधता प्रयोगशाला/भंडारण कीट विज्ञान प्रयोगशाला आदि का दौरा किया।
30. डॉ. पी. के. राय, निदेशक डी. आर. एम. आर, सेवर, भरतपुर ने 16.07.2022 को विभाग का दौरा किया।
31. डॉ. संजीव गुप्ता ए. डी. जी. (ओ. एंड पी.) आई. सी. ए. आर. नई दिल्ली; डॉ. संजय कुमार निदेशक आई. सी. ए. आर.- आई. आई. एस. एस. एम. ए. यू. उ.प्र. और डॉ. पी. के. राय निदेशक आई. सी. ए. आर. - डी. आर. एम. आर. भरतपुर ने 03.08.2022 को आर. ए. आर. आई.,दुर्गापुरा (जयपुर) और श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर का दौरा किया।
32. डॉ. सी. एस. प्रहराज, निदेशक आई. सी. ए. आर. - डीजीआर ने ए. आई. सी. आर. पी-मूंगफली परीक्षणों का दौरा किया और दिनांक 02.08.2022 को समीक्षा की।
33. डॉ. ऋषि कुमार, प्रधान वैज्ञानिक, केंद्रीय कपास अनुसंधान संस्थान, क्षेत्रीय स्टेशन, सिरसा (हरियाणा) ने 17.08.2022 को कीट विज्ञान विभाग कृषि महाविद्यालय, जोबनेर के ई. एल. यूनिट/कीट जैव विविधता लैब/स्टोरेज एंटोमोलॉजी लैब आदि का दौरा किया।
34. डॉ. एच. एल. रैगर, प्रधान वैज्ञानिक और नेटवर्क समन्वयक, संभावित फसलों पर ए. आई. एन. आर. पी., आई. सी. ए. आर. - एन. पी. बी. जी. आर., नई दिल्ली ने दिनांक 08-08-2022 को दौरा किया।

35. डॉ. एस. गुप्ता, मोती बाजरा वैज्ञानिक, आई. सी. आर. आई. एस. एटी., हैदराबाद और डॉ. पी. सी. गुप्ता, मोती बाजरा प्रजनक, बाजरा पर आई. सी. ए. आर. - ए. आई. सी. आर. पी., बीकानेर ने 16/09/16 को कृषि विज्ञान केन्द्र, फतेहपुर में पर्ल बाजरा परीक्षणों (पीबीजी और एंटो) पर ए. आई. सी. आर. पी. का दौरा किया। 2022.

36. डॉ. एम. एस. सहारन, प्रधान वैज्ञानिक, आई. सी. ए. आर., नई दिल्ली ने प्लांट पैथोलॉजी विभाग, कृषि महाविद्यालय, जोबनेर का दौरा किया।

37. डॉ. जे. पी. यादव, माननीय कुलपति, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर ने दिनांक 29 एवं 30.09.2022 को श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर के विभागों का दौरा किया।

38. प्रो बलराज सिंह, माननीय कुलपति, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर ने 19.10.2022 को कृषि महाविद्यालय, कृषि विज्ञान केन्द्र और कृषि अनुसंधान उप केन्द्र, कुम्हेर का दौरा किया। माननीय कुलपति ने यूजी कक्षाओं के अंतिम वॉलीबॉल मैच और सांस्कृतिक कार्यक्रम का उद्घाटन किया। उन्होंने कॉलेज की प्रयोगशालाओं, पुस्तकालय, कक्षाओं, स्टोर और फार्म का दौरा किया।

39. डॉ. बलराज सिंह, माननीय कुलपति ने दिनांक 19/10/2022 को कॉलेज (नर्सरी) के प्रस्तावित भवन के नए स्थल के लिए कृषि महाविद्यालय, भुसावर का दौरा किया।

40. डॉ. बलराज सिंह माननीय कुलपति श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर ने दिनांक 30.10.2022 को कृषि महाविद्यालय, लालसोट का दौरा किया और छात्र-छात्राओं की शिक्षा की बेहतरी, अनुदेशात्मक कृषि विकास और परिसर की सफाई और कॉलेज की मान्यता के लिए निर्देशित किया।

41. डॉ. एम. एस. यादव, प्रधान वैज्ञानिक आई. सी. ए. आर. - एन. सी. आई पी. एम., नई दिल्ली ने 28.10.2022 को कृषि महाविद्यालय, नवगांव का दौरा किया।

42. डॉ. पी. सी. जैन, पूर्व डीन एवं फैकल्टी चेयरमैन, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर ने 15.10.2022 को ईएल यूनिट/कीट जैव विविधता लैब/स्टोरेज एंटोमोलॉजी लैब आदि का दौरा किया।

43. डॉ. रवींद्र कौर, सेवानिवृत प्रधान वैज्ञानिक, जल प्रौद्योगिकी केंद्र। भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली ने दिनांक 18.10.2022 को श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर का दौरा किया।

44. माननीय कुलपति प्रो. (डॉ.) बलराज सिंह ने 02.11.2022 को कृषि महाविद्यालय, किशनगढ़बास का दौरा किया और सभी स्टाफ सदस्यों और छात्रों के साथ बातचीत की।

45. प्रो. डॉ. बलराज सिंह, माननीय कुलपति, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर ने 02.11.2022 को कृषि विज्ञान केन्द्र, और कृषि महा - विद्यालय, नवगांव का दौरा किया।

46. माननीय कुलपति प्रो. बलराज सिंह, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर ने दिनांक 05.11.2022 कृषि विज्ञान केन्द्र, कोटपूतली का दौरा किया।

47. श्री लक्ष्मण दास व्यास, निदेशक दूरदर्शन, जयपुर ने 22.11.2022 को कृषि विज्ञान केन्द्र का दौरा किया। डॉ. एस. एन. सक्सेना, निदेशक एन. आर. सी. एस. एस., अजमेर ने 22.11.2022 को कृषि विज्ञान केन्द्र का दौरा किया।

13. सारांश

श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर ने वर्ष 2022 के दौरान शिक्षा अनुसंधान व प्रसार शिक्षा क्षेत्र में महत्वपूर्ण उपलब्धियां अर्जित की है। इस प्रतिवेदन वर्ष के दौरान प्रबन्ध मण्डल की चार व शैक्षणिक परिषद् की तीन बैठकें आयोजित हुई, जिनमें शिक्षा, अनुसंधान, प्रसार शिक्षा के साथ साथ कर्मचारियों व छात्रों के कल्याण से सम्बन्धित महत्वपुर्ण निर्णय लिये गये। स्नातकोत्तर व विद्या वाचस्पति पाठ्यक्रमों में ठैड। की सिफारिशों को लागू किया गया एवं स्नातक व स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली के माध्यम से प्रवेश पाने वाले छात्रों की सीटों में बढोतरी की। प्रतिवेदन वर्ष में श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर के साथ साथ दो संघटक कृषि महाविद्यालय क्रमशः श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर एवं कृषि महाविद्यालय, लालसोट का भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली से मान्यता (Accreditation) प्राप्त हुई।

विश्वविद्यालय का चतुर्थ दीक्षान्त समारोह माननीय कुलाधिपति एवं राज्यपाल, राजस्थान श्री कलराज मिश्र की अध्यक्षता में 21 जनवरी, 2022 को वर्चुअल मोड में सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। इस समारोह में 789 विद्यार्थियों को स्नातक, 80 विद्यार्थियों को स्नातकोत्तर एवं 22 विद्यार्थियों को विद्यावाचस्पति की उपाधि प्रदान करने के साथ 8 प्रतिभावान छात्रों को स्वर्ण पदक प्रदान किये गये। डॉ. त्रिलोचन महापात्र, महानिदेशक, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् एवं सचिव, कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा, भारत सरकार, नई दिल्ली को अनुसंधान एवं भारतीय कृषि में महत्वपूर्ण योगदान देने के लिये माननीय कुलाधिपति द्वारा मानद् उपाधि प्रदान की गई। विश्वविद्यालय में शिक्षा एवं अनुंसधान को उच्च स्तर पर ले जाने हेतु प्रतिवेदन वर्ष में राष्ट्रीय स्तर के प्रतिष्ठित शोध संस्थानों के साथ 13 अनुबंध किये गये।

शैक्षणिक सत्र 2022-23 में विश्वविद्यालय के तेरह संघटक महाविद्यालयों में 687 विद्यार्थियों ने स्नातक, 61 विद्यार्थियों ने स्नातकोत्तर व 26 विद्यार्थियों ने विद्या वाचस्पति में प्रवेश प्राप्त किया। इस प्रकार विश्वविद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थियों की कुल संख्या 2589 है। प्रतिवेदन वर्ष में विश्वविद्यालय से 8 राजकीय व एक निजी कृषि महाविद्यालय सम्बद्ध हुए हैं। इस प्रकार कुल 10 सरकारी एवं 10 निजी कृषि महाविद्यालय इस विश्वविद्यालय से सम्बद्ध हैं जिसमें कुल अध्ययनरत विद्यार्थियों की संख्या 3576 है। प्रतिवेदन वर्ष के दौरान राष्ट्रीय सेवा योजना, एन. सी. सी. व एन. एस. आे. के तहत् उल्लेखनीय कार्यक्रम आयोजित किये गये। श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर में 15-18 नंवम्बर 2022 को अन्तर महाविद्यालय खेलकूद एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिताएं आयोजित की गई, जिसमें सभी तेरह संघटक महाविद्यालयों ने भाग लिया।

विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा इस प्रतिवेदन वर्ष में प्रमुख फसलों की 5 उन्नत किस्में विकसित की गई हैं, जिनमें मूंगफली की राज मूंगफली - 4 (आर. जी. 638), तारामीरा की आर. टी. एम. - 1624 (कृष्णा तारा), ग्वार की करण ग्वार - 14, काबुली चने की करण काबुली चना - 4 (सी. एस. जे. के. - 174) एवं सौंफ की आर. एफ. - 290 प्रमुख हैं। इस वर्ष के दौरान प्रमुख फसलों में उत्पादन, पौध संरक्षण व अन्य विषयों पर आधारित कुल 43 उन्नत कृषि तकनीक विकसित की गई हैं। विश्वविद्यालय की विभिन्न इकाईयों पर इस वर्ष प्रमुख फसलों का 2872 क्विंटल प्रजनक बीज व 3222 क्विंटल सत्य चिन्हित बीज का उत्पादन हुआ, जिससे क्षेत्र के किसानों को गुणवत्तायुक्त बीज उपलब्ध हो पाया।

कृषि प्रसार शिक्षा निदेशालय द्वारा एक तीन दिवसीय राज्यस्तरीय एग्री एक्सपो- 2022 का आयोजन श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर परिसर में दिनांक 28-30 मार्च 2022 को किया गया, जिसका उद्घाटन श्री अशोक गहलोत, माननीय मुख्यमंत्री राजस्थान के कर कमलों द्वारा श्री लाल चन्द कटारिया, माननीय कृषि एवं पशुपालन मंत्री व अन्य गणमान्य विधायकों की उपस्थिति में किया गया। इस एग्री एक्सपों मे कृषि व पशुपालन से सम्बन्धित प्रदर्शनियां लगाई गयी एवं कृषि वैज्ञानिक संवाद का आयोजन किया गया जिसमें लगभग 9500 कृषक एवं 1500 से अधिक विद्यार्थी लाभान्वित हुए। कृषि प्रसार निदेशालय के माध्यम से इस वर्ष 190 संस्थागत एवं 201 गैर संस्थागत प्रशिक्षण आयोजित किये गये, जिनसे 11928 कृषक व कृषक महिलायें तथा युवा लाभान्वित हुए। साथ ही 912 हेक्टेयर क्षेत्रफल में प्रथम पंक्ति प्रदर्शन लगाये गये, जिनसे 3567 कृषक लाभान्वित हुए। कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा 60 प्रक्षेत्र दिवस आयोजित किये गये। प्रतिवेदन वर्ष के दौरान 22 किसान मेले आयोजित किये गये जिनके माध्यम से 22852 किसान लाभान्वित हुए। इसी प्रकार 35 कृषि प्रदर्शनी लगाई गई, जिनके माध्यम से 50,000 से अधिक किसानों को कृषि की नवीन तकनीकों की जानकारी प्रदान की गई। इस वर्ष के दौरान 27 कृषक वैज्ञानिक संवाद कार्यक्रम आयोजित किये गये। विश्वविद्यालय के प्रत्येक कृषि विज्ञान केन्द्र ने अपना मोबाईल एप विकसित किया है, जो कृषि तकनीक के हस्तानान्तरण में उपयोगी सिद्ध हो रहा है।

श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर में पौध व्याधि विज्ञान, पुनरावलोकन और संभावना विषय पर एक अर्न्तराष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन दिनांक 23-26 मार्च 2022 को किया गया, जिसके उद्घाटन समारोह में माननीय कुलाधिपति एवं राज्यपाल, राजस्थान, श्री कलराज मिश्र मुख्य अतिथि, डॉ. सी. डी. माही, पूर्व अध्यक्ष, कृषि वैज्ञानिक चयन मण्डल, नई दिल्ली विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इसके अलावा प्रतिवेदन वर्ष के दौरान दो 21 दिवसीय विन्टर स्कूल का आयोजन किया गया।

महत्वपूर्ण बिन्दु

माननीय कुलपति द्वारा विभिन्न केन्द्रों का अवलोकन

निदेशालय प्राथमिकता, निगरानी एवं मुल्यांकन
श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय

जोबनेर–303329 (जयपुर) राजस्थान
फोन : 01425–25487
ई–मेल : director.pme@sknau.ac.in
वेबसाईट : sknau.ac.in